RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:43 ता. 05 अगस्त 2023, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

मणिपुर में नहीं थम रही हिंसा, पुलिस शस्त्रागार में तोड़-फोड़; कई घातक हथियार लूटकर फरार हुए उग्रवादी

इंफाल। हाल ही में एक बार फिर बहुसंख्यक समुदाय ने पुलिस शस्त्रागार में तोड़-फोड़ की और हथियार चुरा कर भाग गए। एक अधिकारी ने इस बात की जानकारी दी है। जानकारी के मुताबिक, लूटे गए हथियारों में एके असॉल्ट राइफलें और विभिन्न कैलिबर की 19,000 से अधिक गोलियां शामिल थीं। यह घटना बिष्णुपुर जिले के नारानसैना स्थित द्वितीय इंडिया रिजर्व बटालियन (आईआरबी) के बटालियन मुख्यालय में हुई। अधिकारियों ने बताया कि चुराचांदपुर की ओर मार्च करने के लिए एक भीड़ वहां जमा हुई थी, जहां आदिवासी तीन मई को राज्य में हुई जातीय झड़पों में मारे गए अपने लोगों को सामूहिक रूप से दफनाने की योजना बना रहे थे।

सामूहिक दफन को लेकर पैदा हुआ तनाव

अधिकारियों ने कहा, विभिन्न कैलिबर की 19,000 से अधिक राउंड गोलियां, एक एके सीरीज असॉल्ट राइफल, तीन घातक राइफलें, 195 सेल्फ-लोडिंग राइफल, पांच एमपी-5 बंदूकें, 16 9 मिमी पिस्तौल, 25 बुलेटप्रूफ जैकेट, 21 कार्बाइन, 124 हैंड ग्रेनेड समेत अन्य कई चीजें भीड़ ने लूट लिया। आदिवासियों द्वारा सामूहिक दफन कार्यक्रम से संघर्षग्रस्त राज्य में एक बार फिर तनाव पैदा हो गया था और बहुसंख्यक समुदाय इस **कदम का विरोध कर रहा था।**

अन्य शस्त्रागार लूटने का प्रयास विफल

दफन स्थल की ओर जाने वाले जुलूस को रोकने के लिए गुरुवार को बिष्णुपुर जिले के कांगवई और फौगाकचाओ इलाकों में आंसू गैस के गोले छोड़े, जिसमें लगभग 25 लोग घायल हो गए। बहुसंख्यक समुदाय ने राज्य की राजधानी में स्थित दो अन्य शस्त्रागारों को भी लूटने का प्रयास किया था, लेकिन उनके प्रयास विफल कर दिए गए। मणिपुर उच्च न्यायालय ने गुरुवार सुबह हुई एक असाधारण सुनवाई में प्रस्तावित सामूहिक दफन पर रोक लगा दी थी, हालांकि कुकी समुदाय ने दावा किया था कि उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्रालय के साथ चर्चा के बाद कार्यक्रम स्थगित कर दिया था। अनुसूचित जनजाति के लिए मैतेई समुदाय की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च के आयोजन के बाद 3 मई को मणिपुर में जातीय झड़प होने के बाद से 160 से अधिक लोगों की जान चली गई और कई सौ लोग घायल हो गए।

शिवसेना टूटी, एनसीपी बिखरी, अब क्या शेष ? फिर भी क्यों मुख्य विपक्षी दल नहीं बन सकी कांग्रेस

रिपोर्ट के अनुसार, नार्वेकर ने प्रतिनिधिमंडल को बताया है कि आधिकारिक रूप से उनके पास एनसीपी में टूट की कोई जानकारी नहीं है। रिकॉर्ड के अनुसार, एनसीपी में अब भी 54 विधायक हैं। फिलहाल, स्पीकर ने एनसीपी के कानूनी दर्जे की जानकारी हासिल करने और नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति के लिए समय की मांग की है।

मुंबई। महाविकास अघाड़ी यानी MVA, जिसमें प्रमुख दलों के तौर पर शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे), राष्ट्रवादी कांग्रेस और कांग्रेस का नाम शामिल है। अब पहले उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना 2022 में टूटी, इसके बाद वरिष्ठ नेता शरद पवार की कप्तानी वाली एनसीपी का 2023 भी यही हश्र हुआ। नतीजा यह हुआ कि विधायकों के मामले में तीसरे नंबर पर खड़ी कांग्रेस अब पहले स्थान पर आ गई है, लेकिन अब तक पार्टी मुख्य विपक्षी दल का दर्जा हासिल नहीं कर सकी है।

ताजा घटनाक्रम

मंगलवार को ही महाराष्ट्र कांग्रेस का एक दल विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर से मिला था। इसमें पार्टी नेता बालासाहब थोराट, पूर्व सीएम अशोक चव्हाण, मुंबई कांग्रेस प्रमुख वर्षा गायकवाड़ शामिल थीं। ये नेता विधायक विजय वडेट्टिवार को नेता प्रतिपक्ष बनाने की मांग कर रहे थे। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, उनका कहना है कि 45 विधायकों के साथ कांग्रेस सबसे बड़ा विपक्षी दल है। अजित पवार को सरकार में शामिल होने के बाद से ही पद खाली पड़ा है।

क्या मिला जवाब

रिपोर्ट के अनुसार, नार्वेकर ने प्रतिनिधिमंडल को बताया है कि आधिकारिक रूप से उनके पास एनसीपी में टूट की कोई जानकारी नहीं है। रिकॉर्ड के अनुसार, एनसीपी में अब भी 54 विधायक हैं। फिलहाल, स्पीकर ने एनसीपी के कानूनी दर्जे की जानकारी हासिल करने और नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति के लिए समय की मांग की है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि नार्वेकर ने कांग्रेस को नेता प्रतिपक्ष का पत्र देने से पहले एडवोकेट जनरल और अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से बातचीत का फैसला किया है।

क्या बोली कांग्रेस

कांग्रेस नेता ने कहा, 'हम यह नहीं समझ पा रहे हैं कि एक पार्टी एनसीपी एक ही समय में सत्ता और विपक्ष में कैसे हो सकता है। स्पीकर को संवैधानिक प्रावधानों के तहत काम करना होगा।' कांग्रेस नेता थोराट का कहना है कि उन्हें पहले ही एनसीपी से यह ईमेल मिल चुका है कि उन्हें वडेट्टिवार को नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने में कोई आपत्ति नहीं है।

महाराष्ट्र कांग्रेस का एक दल विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर से मिला था। इसमें पार्टी नेता बालासाहब थोराट, पूर्व सीएम अशोक चव्हाण, मुंबई कांग्रेस प्रमुख वर्षा गायकवाड़ शामिल थीं। ये नेता विधायक विजय वडेट्टिवार को नेता प्रतिपक्ष बनाने की मांग कर रहे थे। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, उनका कहना है कि 45 विधायकों के साथ कांग्रेस सबसे बड़ा विपक्षी दल है।

उन्होंने कहा, अजित पवार की अगुवाई वाला गुट पहले ही सरकार में है। जबकि, शरद पवार के नेतृत्व वाले गुट ने हमें पत्र दिया है, जिसमें कहा गया है कि उन्हें कांग्रेस विधायक के नेता प्रतिपक्ष बनने में कोई आपत्ति नहीं है। इसके बाद स्पीकर को क्या आपत्ति हो सकती है? हम उम्मीद करते हैं कि स्पीकर बगैर किसी पूर्वाग्रह के काम करेंगे और न्याय होगा।

ज्ञानवापी में वुजूखाना को छोड़कर समूचे परिसर में एएसआई का सर्वे शुरू

वाराणसी। इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश के बाद ज्ञानवापी परिसर में शुक्रवार सुबह कड़ी सुरक्षा के बीच भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) विभाग का सर्वे शुरू हो गया। एएसआई की टीम आधुनिक उपकरणों के साथ सर्वे कर रही है। पूरे परिसर का नक्शा शीट पर उतारा गया है।

हिंदू पक्ष के अधिवक्ता सुभाष नंदन चतुर्वेदी के अनुसार सर्वेक्षण शुरू हो चुका है। प्रतिवादी पक्ष अंजुमन इंतजामिया मसाजिद समिति के लोग उपस्थित नही है। अंजुमन इंतजामिया के अधिवक्ताओं का कहना है- हमने सुप्रीम कोर्ट में सर्वे आदेश के खिलाफ अपील की थी। उसकी आज सुनवाई होनी है। इसकी जानकारी बनारस के अधिकारियों को दी गई है। हमारा अनुरोध था कि शीर्ष अदालत के आदेश तक सर्वे को रोका जाए। उल्लेखनीय है कि जिला जज की अदालत के आदेश पर 24 जुलाई को एएसआई ने सील वुजूखाना को छोड़कर सम्पूर्ण ज्ञानवापी परिसर में सर्वे शुरू किया था। इसी बीच मुस्लिम पक्ष की अपील पर सुप्रीम कोर्ट ने सर्वे पर रोक लगाते हुए हाई कोर्ट जाने का निर्देश दिया था। लगभग पांच घंटे सर्वे चलने के बाद रुक गया था। हाई कोर्ट ने सुनवाई के बाद गुरुवार की सुबह जिला जज की अदालत के एएसआई सर्वे को जारी रखने का आदेश दिया । सर्वे के दौरान ज्ञानवापी परिसर में एएसआई की 20 सदस्यीय टीम के अलावा हिंदू पक्ष की चार वादिनी महिला, उनके चार अधिवक्ता मौजूद हैं। इसके अलावा जिला शासकीय

अधिवक्ता, राज्य सरकार और केंद्र सरकार के अधिवक्ता, एडीएम सिटी और एक अपर पुलिस आयुक्त मौजूद हैं। सर्वे में खुदाई नहीं होगी। ग्राउंड पेनिट्रेटिंग राडार (जीपीआर) तकनीक का इस्तेमाल टीम करेगी। इसमें रेडियो वेव की फ्रीक्वेंसी के जरिये पता चल जाता है कि जमीन या दीवार के अंदर क्या है। इसके अलावा कार्बन डेटिंग पद्धति से भी साक्ष्यों की जांच होगी। दीवारों, नींव, मिट्टी में रंग परिवर्तन की भी टीम जांच करेगी।

केदारनाथ में आसमान से बरसी आफत, भारी बारिश के बाद 10-12 लोग लापता

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में केदारनाथ यात्रा के मुख्य पड़ाव पर गौरीकुंड में भीषण बारिश की वजह से आए भूस्खलन ने तबाही मचाई। पहाड़ का मलबा गिरने से कई दुकानें बह गईं। जिसमें 10-12 लोगों के बहने या दबने की आशंका है। इन्हें एसडीआरएफ तलाशने की कोशिश कर रही है। रुद्रप्रयाग आपदा प्रबंधन अधिकारी के मुताबिक, भूस्खलन में 10 से 12 लोगों के दबने/बहने की आशंका है। घटना गौरीकुंड डाट पुलिया के समीप बीती रात 1:30 बजे घटित हुई। देर रात भूस्खलन की वजह से दो दुकानें और एक खोखा बहने की सूचना मिली है। सेक्टर अधिकारी गौरीकुंड, एनडीआरफ, एसडीआरएफ मौके पर हैं। आपदा प्रबंधन अधिकारी और डीडीआरएफ टीम मुख्यालय उपकरण सहित घटनास्थल के लिए

रवाना हो गई है। भारी बारिश एवं ऊपर से बोल्डर गिरने के कारण सर्च एवं रेस्क्यू कार्य को कुछ समय के लिए रोक दिया गया है तथा सभी टीमें मौके पर मौजूद हैं। एसपी रुद्रप्रयाग डॉ विशाखा ने कहा, लापता लोगों की तलाश के लिए ऑपरेशन जारी है। वहीं आपदा प्रबंधन अधिकारी दलीप सिंह राजवार ने एएनआई को बताया, हमें जानकारी मिली कि चट्टानें गिरने और भारी बारिश के कारण 3 दुकानें प्रभावित हुईं। तुरंत तलाशी अभियान शुरू किया गया। ऐसा कहा गया था कि लगभग 10-12 लोग वहां मौजूद थे, लेकिन अब तक उनका पता नहीं चल पाया है। गौरीकुंड, जिसका नाम देवी पार्वती के नाम पर रखा गया है, एक तीर्थ स्थल है और केदारनाथ मंदिर की यात्रा के बेस कैंप के रूप में काम करता है। भारी बारिश की वजह से मंदाकिनी नदी उफान पर है। इसकी वजह से डाक पुलिस के सामने भूस्खलन हुआ। बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त लोग दुकानों में सो रहे थे। रिपोर्ट के असार, लापता लोगों में नेपाली और स्थानीय निवासी शामिल हैं। आपदा दल ने देर रात ही रेक्स्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया था। हालांकि बारिश के कारण इसमें दिक्कत आ रही है। मौसम विभाग ने आज दिनभर रुद्रप्रयाग में भारी बारिश की संभावना जताई है।

केंद्र ने चार गांवों, एक रेलवे स्टेशन का नाम बदलने को दी मंजूरी

उत्तर प्रदेश से भी एक शामिल

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ओडिशा में एक रेलवे स्टेशन और राजस्थान के तीन गांवों सहित चार गांवों के नाम बदलने को अपनी मंजूरी दे दी। इसमें एक गांव उत्तर प्रदेश से भी है।

इन जगहों का बदला नाम-राजस्थान के उदयपुर जिले की कनोड तहसील में स्थित खिमवातों का खेड़ा का नाम बदलकर खिमसिंहजी का खेड़ा, जोधपुर जिले की फलोदी तहसील में बेंगती कला का नाम बदलकर बेंगती हरबुजी और जालौर जिले की सायला तहसील में भुंडवा का नाम बदलकर भांडवपुरा करने के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र दिया जा चुका है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले में स्थित अमानुल्लापुर का नाम बदलकर जमुनानगर करने के लिए भी अनापत्ति प्रमाणपत्र दिया गया है।

गृह मंत्रालय ने दिया मंजूरी

गृह मंत्रालय ने ओडिशा के खोरधा मंडल में

हरिदासपुर-पारादीप में रत्नागिरी रोड रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर उदयगिरी-रत्नागिरी रोड रेलवे स्टेशन करने की भी मंजूरी दी है। गृह मंत्रालय रेल मंत्रालय, डाक विभाग और भारतीय सर्वेक्षण विभाग से अनापत्ति लेने के बाद किसी स्थान या स्टेशन का नाम बदलने की मंजूरी देता है।

दिल्ली-एनसीआर में बदली मौसम की फिजा, ठंडी हवाओं संग रुक-रुक कर हो रही बारिश

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के मौसम ने आज एक बार फिर करवट ली है। उमस भरी गर्मी से बेहाल लोगों की आंख आज ठंडी हवाओं और रिमझिम फुहारों के बीच खुली। दिल्ली-एनसीआर के कुछ हिस्सों में शुक्रवार सुबह हल्की बारिश हुई और मौसम विभाग ने दिन में बाद बादल छाए रहने और अधिक बारिश की भविष्यवाणी की है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी के कई स्थानों और आसपास के इलाकों में 40 किमी/घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा के कई स्थानों पर भी इसी तरह की मौसम स्थिति बने रहने की संभावना है। दिल्लीवासियों के लिए गुरुवार का दिन गर्म और उमस भरा रहा। हालांकि, वीकेंड में मामूली राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, अगले पांच

से छह दिनों में रुक-रुककर बारिश होने की भविष्यवाणी की है और वीकेंड पर झमाझम बारिश का अनुमान जताया है। आईएमडी और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में हुई अच्छी बारिश ने दिल्ली की वायु गुणवत्ता को पिछले पांच वर्षों के मुकाबले बेहतर बना दिया। दिल्ली में जुलाई में सामान्य वर्षा 195.8 मिलीमीटर (मिमी) के मुकाबले 384.6 मिमी दर्ज की गई, जो पिछले 15 वर्षों में एक महीने में हुई दूसरी सबसे अधिक बारिश है। जुलाई में औसत अधिकतम तापमान 34.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो 2016 के

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी के कई स्थानों और आसपास के इलाकों में 40 किमी/घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है।

34.5 डिग्री सेल्सियस के बाद सबसे कम है।

दिल्ली में गुरुवार को रहा उमस भरा दिन -दिल्ली के प्रमुख मौसम पूर्वानुमान केंद्र सफदरजंग वेधशाला ने न्यूनतम तापमान 25.2 डिग्री दर्ज किया, जो कि इस मौसम के सामान्य से दो डिग्री कम है। वहीं, अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

जेवर एयरपोर्ट से परी चौक तक चलेगी पॉड टैक्सी! डीपीआर तैयार, ऐसे होगा विस्तार

ग्रेटर नोएडा। जेवर एयरपोर्ट से ग्रेटर नोएडा में परी चौक तक पॉड टैक्सी चलाने की योजना पर काम शुरू हो गया है। शासनस्तर पर इस पर चर्चा हुई है। हालांकि अभी केवल जेवर एयरपोर्ट से फिल्म सिटी के बीच पॉड टैक्सी चलाने के लिए विकासकर्ता कंपनी के चयन की प्रक्रिया चल रही है। यीडा ने पॉड टैक्सी की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) केंद्र सरकार की कंपनी इंडियन पोर्ट रेल एंड रोपवे कारपोरेशन लिमिटेड से बनवाई है। शासन की बिड इवैल्युवेशन कमेटी की मुहर के बाद प्राधिकरण ने विकासकर्ता कंपनी की तलाश शुरू कर दी है। यीडा ने पहली जुलाई को ग्लोबल टेंडर निकाल दिए हैं। प्राधिकरण ने डिजाइन, बनाना, वित्त, संचालन और ट्रांसफर (डीबीएफओटी) नीति के तहत पैसेंजर पर्सनल रैपिड ट्रांजिट (पीआरटी) या पॉड टैक्सी परियोजना को धरातल पर उतारेगी। इसके लिए 10 अगस्त तक टेंडर जमा किए जा सकते हैं। 16 अगस्त को इसकी तकनीकी निविदा खोली जाएगी। तकनीकी और आर्थिक आधार पर कंपनी का चयन किया जाएगा।

जमीन की दिक्कत नहीं-परियोजना के लिए यमुना प्राधिकरण के पास पहले से जमीन मौजूद है। पॉड टैक्सी 60 और 75 मीटर चौड़ी

रोड के किनारे-किनारे चलेगी। प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि इसमें विकासर्ता कंपनी को 35 साल का लाइसेंस दिया जाएगा। सीईओ यमुना प्राधिकरण डॉ. अरुणवीर सिंह ने कहा, एयरपोर्ट से फिल्म सिटी तक पॉड टैक्सी परियोजना के लिए विकासकर्ता कंपनी के चयन की प्रक्रिया चल रही है। इसके विस्तार पर भी वार्ता हुई है। इसे परी चौक तक ले जाने की तैयारी है।

100 एकड़ में एम्यूजमेंट पार्क पहले से प्रस्तावित

यीडा पॉड टैक्सी को पर्यटन से भी जोड़ने की तैयारी में है। फिल्म सिटी में 100 एकड़ में एम्यूजमेंट पार्क पहले से प्रस्तावित है। अगर एयरपोर्ट पर कोई यात्री आता है तो और उसके पास समय है। तो वह पॉड टैक्सी से इस पार्क तक आ सकता है। जब यह परी चौक तक आएगी तो एडवेंचर और बढ़ जाएगा।

ऐसे विस्तार होगा-पॉड टैक्सी के विस्तार की योजना बननी शुरू हो गई है। फिल्म सिटी से ग्रेनो के परी चौक तक पॉड टैक्सी चलाने पर विचार हो रहा है। शासन स्तर पर इसको लेकर वार्ता हुई है। यीडा के अधिकारी भी आश्वस्त हैं। विकासकर्ता का चयन होने के बाद इसके विस्तार पर काम शुरू किया जाएगा।

दिल्ली हाईकोर्ट ने यासीन मलिक को वीडियो कॉन्फ्रेंस के द्वारा पेश करने की दी मंजूरी

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने तिहाड़ जेल अधीक्षक को आतंकी फंडिंग मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे जम्मू एवं कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के प्रमुख यासीन मलिक को सुनवाई की अगली तारीख पर वीडियो कॉन्फ्रेंस (वीसी) के माध्यम से पेश करने की अनुमति दी। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ मृदुल और न्यायमूर्ति अनीश दयाल की खंडपीठ ने 4 अगस्त को आतंकी फंडिंग मामले में निचली अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए मौत की सजा की मांग करने वाली राष्ट्रीय जांच एजेंसी की याचिका पर सुनवाई करते हुए प्रोडक्शन वारंट जारी करने के अपने 29 मई के आदेश को संशोधित करने वाले तत्काल आवेदन को अनुमति दे दी। पिछले साल राष्ट्रपति द्वारा जारी आदेश का हवाला देकर जेल अधिकारियों की ओर से पेश दिल्ली सरकार के स्थायी वकील संजय लाओ ने कहा कि मलिक समाज के लिए खतरा है और इस प्रकार, उसे एक वर्ष या उसका मुकदमा पूरा होने तक जेल से बाहर या दिल्ली से बाहर नहीं निकाला जाएगा। 21 जुलाई को, सुप्रीम कोर्ट अपने सामने मलिक को देखकर दंग रह गया, जब वह अपने खिलाफ अपहरण और हत्या के मामलों में मुकदमे के लिए विशेष जम्मू अदालत के आदेश के खिलाफ सीबीआई द्वारा दायर अपील में उपस्थित हुआ था। लाओ ने अदालत को उपरोक्त घटना से भी अवगत कराया। जेल प्राधिकरण ने सुनवाई के दौरान मलिक की व्यक्तिगत उपस्थिति का निर्देश देने वाले उच्च न्यायालय के आदेश में संशोधन की मांग कर कहा था कि दोषी को बहुत उच्च जोखिम कैदी के रूप में चिह्नित किया गया है, इसकारण मालिक को वीसी के माध्यम से कार्यवाही में शामिल होने की अनुमति दी जानी चाहिए। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मलिक को अदालत में सशरीर मौजूद रहने की अनुमति देने के लिए जेल अधिकारियों से असहमति प्रकट की और पीठ को अवगत कराया कि उन्हें जेल से बाहर नहीं लाया जा सकता, क्योंकि आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 268 उन पर लागू होती है। एसजी ने कहा कि केंद्र यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी कि सुरक्षा को ध्?यान में रखते हुए मलिक को फिर से जेल से बाहर न जाने दिया जाए। सीबीआई की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू ने कहा कि शीर्ष अदालत के आदेश की गलत व्याख्या करने पर जेल अधिकारी मलिक को जेल से बाहर लाए।

जोशीमठ के बाद देहरादून जिले के कई गांव में जमीन घंसने से घरों में आई दरार

देहरादून। उत्तराखंड के चमौली जिले के जोशीमठ शहर में बड़े पैमाने पर भूस्खलन होने के बाद देहरादून जिले के कालसी ब्लॉक के खमरोली गांव में दो दर्जन से अधिक घरों में दरारें पड़नें और जमीन धंसने की ताजा घटनाएं हुई हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि खमरोली गांव के कई घरों में पिछले दिनों दरारें आ गई थीं, जो इस मानसून के मौसम में चौड़ी हो गई हैं। इसके अलावा पजिटिलानी, टिपाउ और सहिया-पाटन में भी जमीन के धंसने की घटनाएं देखी जा रही हैं, जहां सड़कों पर बड़ी दरारें आ गई हैं। रिपोर्ट के अनुसार लोगों ने दावा किया कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत पजिटिलानी और चिबाउ-खमरोली के बीच एक हिस्से में सड़क बनाने के लिए की गई कटाई के काम के कारण खमरोली में दरारें आ गईं। गांव में लगभग 50 परिवार रहते हैं। इस मानसून में धीरे-धीरे भूस्खलन बढ़ गया और हम लोगों ने अधिकारियों को इसके बारे में बता दिया है। वहीं पीएमजीएसवाई के कार्यकारी अभियंता सुनील कुमार ने बताया कि 'सड़क काटने का काम पीडब्ल्यूडी द्वारा किया गया था और निर्माण परियोजना पीएमजीएसवाई को सौंप दी गई थी। वहां जमीन के धंसाव की समस्या है और इसकी गहन भूवैज्ञानिक जांच की जरूरत है।' कुमार ने कहा कि पीएमजीएसवाई ने कालसी में धंसने वाली सड़कों की मरम्मत के लिए एक बजट का अनुमान तैयार किया है। उन्होंने कहा कि 'खमरोली, टिपाउ, पजिटिलानी और पाटन में स्थिति बदतर है। कालसी की एसडीएम युक्ता मिश्रा ने कहा कि 'पीडब्ल्यूडी और पीएमजीएसवाई को भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण करना होगा और धंसाव के कारण का पता लगाना होगा।

लापता हुआ सेना का जवान वानी मिला, जवान से की जा रही पूछताछ

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले से पिछले हफ्ते लापता हुआ सेना का एक जवान जावेद अहमद वानी मिल गया है। इस खबर के बाद वानी के घर में खुशी का माहौल है। दूसरी ओर वानी की मेडिकल जांच करने के बाद जवान से पूछताछ की जा रही है। बता दें कि लद्दाख में तैनात वानी गत शनिवार को अपने पैतृक स्थान कुलगाम जिले से उस समय लापता हो गए, जब वह छुट्टी पर आए थे। उनकी तलाश में सेना और पुलिस की ओर से लगातार अभियान चलाया जा रहा था। कश्मीर के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) विजय कुमार ने कहा, ''सेना के लापता जवान को कुलगाम पुलिस ने ढूंढ़ लिया है। मेडिकल जांच के तुरंत बाद संयुक्त रूप से पूछताछ शुरू होगी। बता दें कि पुलिस ने वानी के लापता होने के संदर्भ में पूर्व में कोई विवरण नहीं दिया था, लेकिन आशंका थी कि आतंकवादियों ने उनका अपहरण कर लिया है। वानी की कार गत शनिवार शाम को पारनहॉल में मिली थी जिसके बाद उनका पता लगाने के लिए सुरक्षा बलों ने बड़े पैमाने पर तलाश अभियान शुरू किया था। इस बारे में जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह ने अभी दो दिन पहले ही कहा था कि पुलिस और सुरक्षा बलों को कुलगाम जिले से लापता सेना के जवान के सुराग मिले हैं और उन्हें विश्वास है कि जल्द ही जवान का पता लगा लिया जाएगा। बताया जा रहा है कि जांच दलों ने इस मामले के संबंध में कुछ संदिग्धों से पूछताछ भी की थी। बता दें कि छुट्टी के दौरान कश्मीर में लापता होने वाला वानी चौथा जवान था। इससे पहले आतंकवादियों ने मई 2017 में लेफ्टिनेंट उमर फैयाज का शोपियां जिले में उनके चाचा के घर से अपहरण कर लिया था, जहां वे एक शादी में शामिल होने गए थे। फैयाज की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसतरह आतंकवादियों ने सेना के जवान औरंगजेब को अगवा कर लिया था जब वह जून 2018 में पुलवामा जिले से अपने घर पूंछ जा रहा था। आतंकवादियों ने गोली मारकर उनकी हत्या कर वीडियो जारी किया था। एक अन्य जवान समीर मल्ला का भी आतंकवादियों ने मार्च 2022 में अपहरण कर लिया था जिनका शव तीन दिन बाद बड़गाम जिले में मिला था। बहरहाल, वानी के सकुशल मिलने से घर वालों ने राहत की सांस ली है।

डाबर के शहद में कैंसर पैदा करने वाले केमिकल, रिपोर्ट में दावा

मुंबई। डाबर इंडिया लिमिटेड के शहद में कैंसर पैदा करने वाले केमिकल की मौजूदगी का दावा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, डाबर के शहद में कार्सिनोजेनिक मैटेरियल की मात्रा ज्यादा है। हालांकि, कंपनी के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर अंकुश जैन ने कहा है कि उनके प्रोडक्ट एफएसएसएआई और एगमार्क के स्टैंडर्ड के मुताबिक बने हैं, और पुरी तरह शुद्ध हैं। रिपोर्ट के अनुसार, डाबर के शहद में एचएमएफ की मात्रा भी इंसान के पचा पाने की लिमिट से अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हमारे देश में डाबर जैसे बड़े ब्रांड भी शुद्ध शहद का दावा कर मिलावटी शहद बेच रहे हैं। जैन ने कहा कि डाबर हनी का हर बैच रॉ-मटेरियल रिसीव करने से लेकर फाइनल प्रोडक्ट की पैकेजिंग तक एफएसएसएआई के मानकों के हिसाब से ही तैयार किया जाता है। उन्होंने कहा कि कंपनी को हाल ही में एगमार्क का एक स्पेशल नोट मिला है और हम कह सकते हैं कि डाबर भारत में सबसे शुद्ध हनी बनाता है।

क्या है एमएमएफ ? : एचएमएफ एक ऑर्गेनिक कंपाउंड है जो मीठी खाने-पीने की चीजों में पाया जाता है। शहद में एचएमएफ का लेवल उसकी ताजगी की पहचान है। प्योर शहद में इसकी मात्रा 15 एमजी होती है लेकिन इसकी मात्रा 40एमजी से ज्यादा होने पर शहद को जहरीला कर सकती है। अमेरिका की नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इनफॉरमेशन के अनुसार एचएमएफ की मात्रा शहद पुराना होने पर बढ़ जाती है। इसके साथ ही प्रोसेसिंग के दौरान गर्म करना, नमी, शुगर सीरप की मिलावट और स्टोर करने के लिए मेटल कंटेनर का इस्तेमाल शहद में हाईड्रॉक्सी मिथाइल फरफ्यूरल की मात्रा को बढ़ा देता है।

पटना में फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग...इंजन में कुछ खराबी के कारण

पटना। पटना में एक फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग हुई है। पटना एयरपोर्ट के डायरेक्टर ने इसकी जानकारी दी। बताया जा रहा कि इंडिगो की फ्लाइट संख्या जो पटना से दिल्ली के लिए रवाना हुई थी। उड़ान के 3 मिनट बाद ही इसके इंजन में कुछ खराबी की सूचना मिली। जिसके बाद तुरंत ही फ्लाइट को वापस बुलाया गया। पटना एयरपोर्ट पर एयरक्राफ्ट को सुबह 9 बजकर 11 मिनट पर सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। सभी यात्री सुरक्षित हैं।

संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान और 2024 लोकसभा चुनाव में मोदी - राहुल के बीच फिर देखने को मिलेगा महा-मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी उपनाम केस में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिल गयी है क्योंकि देश की शीर्ष अदालत ने गुजरात उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगा दी है। हम आपको बता दें कि सूरत कोर्ट ने राहुल गांधी को मोदी उपनाम से जुड़े मानहानि मामले में दो साल की सजा सुनाई थी जिसके चलते उनकी लोकसभा सदस्यता चली गयी थी। राहुल गांधी ने गुजरात हाईकोर्ट में याचिका देकर अपनी दोषसिद्धि पर रोक लगाने की मांग की थी लेकिन उच्च न्यायालय ने उनकी याचिका को खारिज कर दिया था। राहुल गांधी इसके बाद सुप्रीम कोर्ट गये जहां से उन्हें राहत मिल गयी है। इस राहत के चलते उनकी लोकसभा सदस्यता बहाल हो गयी है और वह संसद जा सकेंगे। उन्हें वह सरकारी बंगला भी वापस मिल सकेगा जो सरकार ने उनसे ले लिया था। यही नहीं, अगले सप्ताह लोकसभा में मोदी सरकार के खिलाफ विपक्ष के जिस अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा होनी है उसमें भी राहुल गांधी के भाग लेने की संभावना है। यानि संसद में एक बार फिर मोदी और राहुल के बीच टक्कर देखने को मिलेगी। इसके अलावा राहुल गांधी अब चूंकि 2024 का लोकसभा चुनाव भी लड़ सकेंगे इसलिए प्रधानमंत्री पद के लिए भी मोदी और राहुल के बीच ही मुकाबला देखने को मिलेगा।

राहुल गांधी को राहत मिलने की खबर जैसे ही आई वैसे ही कांग्रेस ने जश्न मनाना शुरू कर दिया। पार्टी की ओर से ट्वीट किया गया कि यह नफरत के खिलाफ मोहब्बत की जीत है। सत्यमेव जयते, जय हिंद। कांग्रेस का हर नेता और कार्यकर्ता यही बात कह रहा है कि संसद को राहुल गांधी की बहुत जरूरत है। वहीं दूसरी ओर इंडिया गठबंधन के नेताओं ने भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले को सराहा है और इसे मोदी सरकार के लिए बड़ा झटका बताया है। लेकिन इंडिया गठबंधन के नेताओं में इस फैसले को लेकर बेचैनी भी है क्योंकि अब तक राहुल गांधी चुनाव लड़ने के अयोग्य थे लेकिन अब उनकी योग्यता बहाल होने से कांग्रेस सहयोगी दलों पर दबाव बनायेगी कि वह राहुल गांधी को प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में स्वीकार करें। जबकि इंडिया गठबंधन में नीतीश कुमार, ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल भी प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में खुद को देखते हैं।

जहां तक इस मामले की आज हुई सुनवाई की बात है तो इसमें एक रोचक बात यह रही कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के वकील ने उच्चतम न्यायालय से कहा कि गुजरात के पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी का मूल उपनाम मोदी नहीं है, क्योंकि वह मोढ़ वणिक समाज से आते हैं। हम आपको बता दें कि पूर्णेश मोदी ने ही 13 अप्रैल 2019 को कर्नाटक के कोलार में एक चुनावी सभा में मोदी उपनाम के संबंध में की गई विवादित टिप्पणी को लेकर राहुल के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया हुआ है। राहुल गांधी ने सभा में टिप्पणी की थी कि 'सभी चोरों का एक ही उपनाम मोदी कैसे है?'

इस मामले में सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि टिप्पणी उचित नहीं थी और सार्वजनिक जीवन में भाषण देते समय एक व्यक्ति से सावधानी बरतने की उम्मीद की जाती है। पीठ ने कहा, 'निचली अदालत के न्यायाधीश द्वारा अधिकतम सजा देने का कोई कारण नहीं बताया गया है, ऐसे में अंतिम फैसला आने तक दोषसिद्धि के आदेश पर रोक लगाने की जरूरत है।' इस बीच, लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने आसन से अनुरोध किया है कि चूंकि राहुल गांधी को उच्चतम न्यायालय से राहत मिल गयी है, इसलिए उन्हें सदन में आने की अनुमति जल्द से जल्द दी जाए। इस पर स्पीकार ओम बिरला ने कहा है कि अदालत के फैसले की कॉपी मिलने पर मामले को देखा जायेगा।

भाजपा ने देश पर सुनियोजित नफरत थोपी : खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में केवल 12.2 लाख औपचारिक नौकरियां पैदा हुईं और बेरोजगारी, महंगाई और भाजपा द्वारा थोपी गई सुनियोजित नफरत ने देश में विनाशकारी स्थिति पैदा कर दी है। मोदी सरकार पर निशाना साधकर खड़गे ने ट्वीट में कहा, मोदी सरकार के तहत देश ने पिछले 5 वर्षों में केवल 12.2 लाख औपचारिक नौकरियां जोड़ी हैं। इसका मतलब है कि प्रति वर्ष औसतन सिर्फ 2,44,000 नौकरियां। ये मोदी सरकार के आंकड़े हैं, जिसमें कहा था कि ईपीएफ नियमित योगदानकर्ता का मतलब है औपचारिक नौकरियों का सृजन। ईपीएफ डेटा इसकी पुष्टि करता है। उन्होंने कहा, बीजेपी ने प्रति वर्ष 2 करोड़ नौकरियां देने का वादा किया था। इसका मतलब है कि 9 वर्षों में 18 करोड़ नौकरियां पैदा की जा सकती थीं। हमारे युवा अंधेरे भविष्य की ओर देख रहे हैं। कोई आश्चर्य नहीं, सड़कों पर गुस्सा और हिंसा है। बीजेपी रोजगार उपलब्ध करने में बुरी तरह से विफल रही है।' खड़गे ने कहा, अकल्पनीय बेरोजगारी, दर्दनाक मूल्य वृद्धि और भाजपा द्वारा थोपी गई सुनियोजित नफरत के कारण विनाशकारी स्थिति पैदा हुई है। हमारे गरीबों और मध्यम वर्ग के अस्तित्व के लिए भाजपा को सत्ता से बाहर करने की जरूरत है। बस अब बहुत हो चुका। कांग्रेस बेरोजगारी, महंगाई और कई अन्य मुद्दों पर सरकार की आलोचना करती रही है।

सेना से जुड़ा बिल लोकसभा में पास, राजनाथ सिंह बोले- राष्ट्र को सशक्त करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में अंतर-सेवा संगठन (कमांड, नियंत्रण और अनुशासन) विधेयक, 2023 पास हो गया है। इस दौरान रक्षा मंत्री ने कहा कि यह विधेयक हमारी सशस्त्र सेनाओं के तीनों अंगों में एकीकरण और एकजुटता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है जिससे वे एकजुट और एकीकृत तरीके से भविष्य की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे। उन्होंने कहा कि मैं सदन को आश्वस्त करना चाहता हूं कि यह विधेयक सैन्य सुधारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस विधेयक में कोई अतिरिक्त वित्तीय निहितार्थ शामिल नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में सरकार, लगातार नए-नए सुधार के माध्यम से राष्ट्र को सशक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

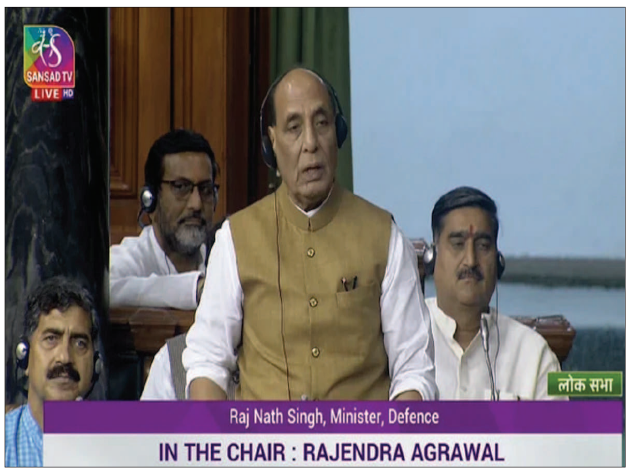

रक्षा मंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में सरकार ने, लगभग हर क्षेत्र में नई-नई पहलें की हैंढ्ढ पुराने अनेक क़ानूनों का खात्मा किया हैढ्ढ जहां जरूरत पड़ी है, वहाँ पुराने नियमों-क़ानूनों में संशोधन किया है; और जहाँ जरूरत पड़ी है, वहाँ नए नियम-कानून परिचय देना भी किए हैं। उन्होंने कहा कि यह विधेयक, दो महत्वपूर्ण मकसदों को एक साथ पूरा करता है। यह हमारी सशस्त्र बल के तीनों अंगों के बीच एकीकरण, तथा संयुक्तता की दिशा में बढ़ाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे वे भविष्य की चुनौतियों का एकजुट, और एकीकृत तरीके से मुकाबला कर सकेंगे। यह एक ऐसा वातावरण बनाने में भी मदद करेगा, जो हमारे अंतर-सेवा संगठन में अनुशासन को मजबूत करेगा।

राजनाथ ने कहा कि अनुशासन सेना की आत्मा है। यह उनके चरित्र और संकल्प को मजबूत करता है। यह आत्मविश्वास को बढ़ावा देने के साथ-साथ, एक इकाई या स्थापना के सैनिकों को एकजुट करने में भी मदद करता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में, भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के कर्मी, अपने संबंधित अधिनियम, यानी सेना अधिनियम 1950, नौसेना अधिनियम 1957 और वायु सेना अधिनियम 1950 के तहत बनाए गए नियम और कानून के अनुसार शासन करते हैं। संयुक्त रूप से, या एकजुट होकर कार्य करने के लिए, Integration की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि संयुक्तता को पदोन्नति करने के लिए जो भावना होनी चाहिए, वह इस क्खद्यद्य में हैढ्ढ यह अंतर-सेवा संगठन के प्रमुखों को बेहतर अनुशासनात्मक एवं प्रशासनिक शक्तियाँ प्रदान करता है, जिससे वे अपने organisations में प्रभावी आदेश, नियंत्रण और अनुशासन ला सकेंगे, और हमारे सुरक्षा ढांचे को और भी मजबूत बनाएंगे।

सहारा समूह के खाताधारकों के खाते में आना शुरु हुआ पैसा

-शाह ने निवेशकों के खाते में राशि ट्रांसफर की

नई दिल्ली (एजेंसी)। नसहारा समूह के खाताधारकों का फंसा पैसा शुक्रवार से वापस मिलना शुरू हो गया। शुक्रवार को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने उन निवेशकों को बड़ा तोहफा दिया है। शाह ने दिल्ली में सहारा रिफंड पोर्टल के माध्यम से सहारा समूह की सहकारी समितियों के जमाकर्ताओं का दावा राशि ट्रांसफर की। केंद्रीय मंत्री ने 112 लाभार्थियों को 10-10 हजार रुपये की पहली किस्त ट्रांसफर कर दी है। इस दौरान शाह ने कहा कि अबतक 18 लाख लोगों ने पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराया है। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि आज 112 लाभार्थियों को 10-10 हजार रुपये की पहली किस्त हस्तांतरित कर दी गई है।

बता दें कि बीते 18 जुलाई को सहारा इंडिया के निवेशकों के पैसे लौटाने के लिए केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री शाह ने सहारा रिफंड पोर्टल लांच किया था। पोर्टल के द्वारा सहारा के उन निवेशकों के पैसे वापस दिए जा रहे हैं, जिनके निवेश की अवधि पूरी हो चुकी है। पोर्टल पर सहारा इंडिया के इन्वेस्टर्स की डिटेल्स हैं।

बता दें कि सहारा इंडिया की को-ऑपरेटिव सोसाइटीज के 10 करोड़ निवेशकों के पैसे फंसे हुए हैं। इसमें बिहार, झारखंड, उत्तरप्रदेश, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों के लोगों की संख्या सबसे ज्यादा है। पैसे वापस नहीं मिलने पर निवेशकों ने मामले में केंद्र सरकार से हस्तक्षेप करने की अपील की थी।

सहारा क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, सहारायन यूनिवर्सल मल्टीपर्पज सोसाइटी लिमिटेड, हमारा इंडिया क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड और स्टार्स मल्टीपर्पज कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के निवेशक पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। मंत्रालय ने सहारा ग्रुप की सहकारी समितियों के वास्तविक सदस्यों व जमाकर्ताओं की शिकायतों को दूर करने के लिए मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट में एक आवेदन दायर किया था। मार्च महीने में सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था कि सहारा ग्रुप की सहकारी समितियों के वास्तविक जमाकर्ताओं के बकाया के भुगतान के लिए सहारा-सेबी अकाउंट से 5,000 करोड़ रुपये सेंट्रल रजिस्ट्रार ऑफ कोऑपरेटिव सोसाइटीज में ट्रांसफर किए जाएं।

अठावले की दो टूक, सीमा को पाकिस्तान जाने का टिकट दिया जाएगा...आम चुनाव का नहीं

-हमारी पार्टी से सीमा हैदर का कोई संबंध नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर प्रेमी सचिन से मिलने भारत आने पर चर्चा का केंद्र बनी हुई हैं। सीमा हैदर को कई ऑफर मिल रहे है। इस बीच खबर आई कि सीमा को राजनीतिक अवसर प्रदान किया गया है। दावा किया गया कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सहयोगी केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले की रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) ने कथित तौर पर सीम हैदर से संपर्क कर उन्हें राजनीति में शामिल होने और आम चुनाव लड़ने के लिए राजी किया है।

हालांकि, अब इस पर खुद आरपीआई प्रमुख केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि सीमा हैदर से उनकी पार्टी का कोई संबंध नहीं है। अपने बयान में वरिष्ठ नेता ने कहा कि हमारी पार्टी का सीमा हैदर से कोई संबंध नहीं है। वह पाकिस्तान से भारत आई हैं। उन्हें अपनी पार्टी में शामिल करने का सवाल ही नहीं उठता। साथ ही उन्होंने कहा कि आखिरकार हमें उन्हें टिकट देना ही पड़ा, तब वह भारत से पाकिस्तान का टिकट होगा। हालांकि, इसके पहले सीमा हैदर के पार्टी में शामिल होने की पुष्टि आरपीआई के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मासूम किशोर ने की थी। उन्होंने कहा कि सीमा को सुरक्षा एजेंसियों से क्लीन चिट मिल जाती है और सीमा को भारतीय नागरिकता मिल जाती है, तब सीमा का पार्टी में स्वागत किया जाएगा।

पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर को अब तक आपने समाचार चैनलों पर साक्षात्कार देते हुए देखा होगा। सीमा हैदर को अब तक आपने उसके वीडियो या रील में डांस या अभिनय करते देखा होगा लेकिन अब सीमा हैदर जल्द ही बड़े पर्दे पर नजर आयेगी। बता दें कि एक स्थानीय फिल्म निर्माता ने सीमा हैदर का ऑडिशन लिया है। इस ऑडिशन को देने के बाद सीमा हैदर के चेहरे पर खुशी देखी जा सकती थी।

ज्ञानवापी पर सीएम योगी का बयान सही नहीं... बहस के दौरान सुप्रीम कोर्ट में मुस्लिम पक्ष की दलील

इलाहाबाद (एजेंसी)। ज्ञानवापी परिसर में एएसआई के सर्वे को रुकवाने के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंची मस्जिद कमेटी ने सुनवाई के दौरान योगी आदित्यनाथ के बयान का भी जिक्र किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जो बातें कही कि इसे मस्जिद कहना ही विवाद होगा। मुस्लिम पक्ष को सामने आना चाहिए। मुस्लिम पक्ष ने कहा कि ज्ञानवापी पर सीएम योगी का बयान गलत है। मुस्लिम निकाय अंजुमन इंतजामिया मस्जिद समिति ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उत्तर प्रदेश के वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) का सर्वेक्षण इतिहास में जाने का इरादा रखता है और 'अतीत के घावों को फिर से ताजा कर देगा।

मस्जिद प्रबंधन समिति की ओर से पेश वरिष्ठ वकील हुज़ेफ़ा अहमदी ने मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष दलील दी कि एएसआई की यह कवायद 'इतिहास को खोदना' है, पूजा स्थल अधिनियम का उल्लंघन करना और भाईचारे और धर्मनिरपेक्षता पर आघात करना है। बहस के दौरान मुस्लिम पक्ष के वकील ने सीएम योगी आदित्यनाथ के बयान का हवाला भी दिया। उन्होंने कोर्ट को बताया कि इस मामले में सीएम का बयान सही नहीं है। इसमें राज्य का सही नहीं है। पॉडकास्ट में ज्ञानवापी मुद्दे पर पूछे गए सवाल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साफगोई से उत्तर दिया। उन्होंने कहा कि हम उसे मस्जिद कहेंगे तो फिर विवाद होगा। भगवान ने जिसे दृष्टि दी है, वह देखे। मस्जिद के अंदर त्रिशूल क्या कर रहा है। हमने तो नहीं रखे हैं न। ज्योतिर्लिंग हैं, देव प्रतिमाएं हैं। पूरी दीवारें चिल्ला-चिल्लाकर क्या कह रही हैं। मुझे लगता है कि ये प्रस्ताव मुस्लिम समाज की तरफ से आना चाहिए कि ऐतिहासिक गलती हुई है। उस गलती के लिए हम चाहते हैं कि उसका समाधान हो।

सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश को खारिज किया...शुभेंदु अधिकारी को राहत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के उस आदेश को शुक्रवार को खारिज किया, जिसमें कहा गया था कि अगर पश्चिम बंगाल पुलिस को इसका पूरा भरोसा है कि अपराध किया गया है, तब वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता शुभेंदु अधिकारी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर सकती है। भाजपा नेता अधिकारी के खिलाफ विभिन्न समूहों के बीच वैमनस्यता को बढ़ावा देने का आरोप है। सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़, न्यायाधीश जे बी पारदीवाला और न्यायाधीश मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि कलकत्ता उच्च न्यायालय को 20 जुलाई के अपने आदेश में अंतरिम निर्देश जारी करने से पहले मामले में भाजपा नेता अधिकारी को जबावी हलफनामा दाखिल करने का अवसर देना चाहिए था। पीठ ने कहा, 'हम कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से अनुरोध करते हैं कि वह फिर से सुनवाई करे और इसके लिए 20 जुलाई का आदेश खारिज किया जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारी की याचिका पर यह फैसला सुनाया। भाजपा नेता ने उच्च न्यायालय की खंडपीठ के 20 जुलाई के फैसले को चुनौती दी थी। इसके पहले उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने सितंबर 2021 तथा दिसंबर 2022 के अपने आदेश में कहा था कि अधिकारी के खिलाफ कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की जाएगी और न ही उसके खिलाफ कोई कार्रवाई की जाएगी, जो पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता हैं।

नीतीश के उत्तर प्रदेश से लोकसभा चुनाव लड़ने की अटकलों को लेकर बिहार में राजनीतिक बयानबाजी शुरू

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित उत्तर प्रदेश से लोकसभा चुनाव लड़ने की ताजा अटकलों को लेकर राज्य में सत्तारूढ़ महागठबंधन और यहां के विपक्षी दल के बीच राजनीतिक तकरार शुरू हो गई है। बिहार के मंत्री और उत्तर प्रदेश के लिए जनता दल (यूनाइटेड) (जद-यू) के प्रभारी श्रवण कुमार के हाल में कहा था कि ऐसी ''मांगें'' उठ रही हैं कि पार्टी प्रमुख पड़ोसी राज्य से चुनाव मैदान में उतरें। इसके बाद कुमार के उत्तर प्रदेश से लोकसभा चुनाव लड़ने की अटकलें तेज हो गईं। श्रवण कुमार ने बुधवार को एक क्षेत्रीय समाचार चैनल से कहा, ''मैं हाल में जौनपुर में था और वहां बहुत मांग थी कि माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश से लोकसभा चुनाव लड़ने पर विचार करें।''

कैबिनेट के सबसे वरिष्ठ सदस्य और पूर्व राज्य जदयू अध्यक्ष बिजेंद्र यादव ने पार्टी कार्यालय में संवाददाताओं से कहा, ''न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि कई अन्य राज्यों में हमारी इकाइयां चाहती हैं कि मुख्यमंत्री वहां से चुनाव लड़ें। बेशक, इस बारे में पार्टी नेता को निर्णय लेना है।'' नीतीश ने पिछले साल राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से नाता तोड़ लिया था और 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को हराने की मुहिम में लगे हुए हैं। उनके बारे में अटकलें जोरों पर हैं कि वह पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सीट के रूप में प्रसिद्ध फूलपुर से चुनाव लड़ सकते हैं। यह संसदीय सीट के तहत प्रयागराज शहर का एक बड़ा हिस्सा आता है और वहां कुर्मी जाति की एक बड़ी आबादी है, जिससे कुमार संबंधित हैं और यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी से लगभग 100 किलोमीटर दूर है।

श्रवण कुमार ने कहा, ''यह सिर्फ फूलपुर नहीं है। हाल में उत्तर प्रदेश दौरे के दौरान मुझे एहसास हुआ कि फतेहपुर और प्रतापगढ़ समेत कई अन्य सीटें हैं, जहां हमारी पार्टी चाहती है कि मुख्यमंत्री लड़ें। उन्हें लगता है कि इससे माहौल बनेगा।'' बिहार में जदयू की सबसे बड़ी सहयोगी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रवक्ता शक्ति यादव से जब यह पूछा गया कि वह नीतीश के उत्तर प्रदेश से चुनाव लड़ने के बारे में क्या सोचते हैं, तो उन्होंने कहा, ''अगर उस राज्य के लोग चाहते हैं, तो उन्हें ऐसा करना चाहिए। यह बिहार के लिए गर्व की बात है कि हमारे नेता की लोकप्रियता बिहार की सीमाओं से परे है।''

इस सीट का नेहरू से जुड़ाव रहा है और उनकी मृत्यु के बाद विजय लक्ष्मी पंडित ने यहां से जीत दर्ज की थी लेकिन अब फूलपुर कांग्रेस की पकड़ से निकल चुकी है और आखिरी बार 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या से उत्पन्न लहर के समय पार्टी ने इस सीट से जीत हासिल की थी। बिहार में जदयू की दूसरी सबसे बड़ी सहयोगी पार्टी कांग्रेस के बिहार विधानसभा में विधायक दल के नेता शकील अहमद खान से नीतीश के फूलपुर से चुनाव लड़ने की अटकलों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर इशारा करते हुए कहा, ''क्यों नहीं? जब गुजरात का कोई व्यक्ति वाराणसी से चुनाव लड़ सकता है और जीत सकता है, तो हम उत्तर प्रदेश के बहुत करीब हैं।''

सिंगापुर में आठ दिनों में दी गई तीसरी मौत की सजा, पूर्व में एक महिला को दी गई फांसी

सिंगापुरी सिटी । सिंगापुर ने 54 ग्राम हेरोइन की तस्करी के आरोप में एक कैदी को फांसी दे दी है। पिछले आठ दिनों में दी गई तीसरी मौत की सजा है। इस तरह की सजाओं को रोकने की कई मांगों के बावजूद हालिया मृत्युदंड दिया गया। कुछ दिनों पहले ही 19 वर्षों में पहली बार किसी महिला को फांसी देने की घटना सामने आई थी। 39 साल के मोहम्मद शालेह अब्दुल लतीफ को चांगी जेल में फांसी दे दी गई। देश के सेंट्रल नारकोटिक्स ब्यूरो ने कहा कि लतीफ को कानून के तहत उचित सजा दी गई। ब्यूरो ने कहा कि तस्करी की गई हेरोइन की मात्रा 1.9 औंस या 53.86 ग्राम एक हफ्ते के लिए लगभग 640 नशेड़ियों के लिए पर्याप्त थी। शख्स को 2016 में गिरफ्तार किया गया था जब वह डिलीवरी ड्राइवर के रूप में काम कर रहा था। 2019 में लतीफ को मौत की सजा सुनाई गई थी और उसकी अपील पिछले साल खारिज हुई थी। हालांकि अब्दुल सिर्फ एक डिलीवरी ड्राइवर थे लेकिन कोर्ट ने कहा कि उन्हें प्रोसेक्यूटर्स के साथ सहयोग नहीं करने के लिए मौत की सजा दी गई थी। सिंगापुर के कानूनों के तहत, जिनमें ड्रग्स की तस्करी के खिलाफ कठोर सजा का प्रावधान है, 500 ग्राम (17.6 औंस) कैनेबीज (भांग) और 15 ग्राम (0.5 औंस) हेरोइन से अधिक की तस्करी के लिए किसी को भी मौत की सजा दी जा सकती है। यह पिछले साल मार्च में कोविड महामारी के कारण दो साल बाद दोबारा शुरू हुए मृत्युदंड के बाद ड्रग्स से जुड़े अपराधों में 16वीं फांसी है। 2020 में कोविड महामारी के दौरान फांसी की सजा पर रोक लगा दी गई थी। 2022 में सिंगापुर ने एक बौद्धिक रूप से अक्षम और मानसिक रूप से बीमार शख्स नागेंथ्रान धर्मलिंगम को फांसी देकर दुबारा अपने कठोर कानून की शुरुआत की। जीरो-टॉलरेंस की नीति को अपनाते हुए, सिंगापुर नशीली दवाओं से संबंधित अपराधों को सबसे गंभीर अपराध मानता है। प्रशासन का दावा है कि मृत्युदंड ड्रग्स तस्करी को रोक सकता है और ज्यादातर नागरिक मृत्युदंड का समर्थन करते हैं। हालांकि देश के कार्यकर्ता और वकील इस दावे पर सवाल उठाते हैं।

विमान हादसे में मारे गए भारतीय छात्र और प्रशिक्षक का शव बरामद

मनीला। फिलीपीन में एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद पायलट का प्रशिक्षण ले रहे 20 वर्षीय भारतीय छात्र और उसके फिलीपीनी प्रशिक्षक के शव बरामद कर लिया गया हैं। प्राधिकारियों ने बताया कि सेना ने कैप्टन एडजेल

जॉन लुंबाओ तबुजो (24) और पायलट का प्रशिक्षण ले रहे भारतीय छात्र अंशुम राजकुमार कोंडे के शव बरामद किया हैं। जानकारी के मुताबिक, दोनों ही मंगलवार को अपायो के लूना में दो सीट वाले सेसना विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना में मारे गए थे। खबर के मुताबिक, सेना की 503वीं टुकड़ी ने मृतकों की पहचान की है। आरपी-सी8958 सेसना 152 विमान के पायलट तबुजो के शव को उसके परिवार को सौंप दिया गया है और भारतीय छात्र कोंडे का शव भारतीय दूतावास को सौंपे जाने से पहले कानूनी प्रक्रिया की जा रही है।

मानवता की दुहाई देकर अमेरिका ने दो चीनी कंपनियों को किया बैंन

वॉशिंगटन । चीन-अमेरिका के बीच तकरार अभी जारी है। खबर हैं कि अमेरिका ने दो चीनी कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया है। दरअसल अमेरिका ने चीन पर उइगर मुसलमानों के जबरन श्रम का आरोप लगाया है। अमेरिका का कहना है कि चीन अपनी कंपनियों में जानबूझकर इन समुदायों के सदस्यों को प्रताड़ित कर रहा है, इसकारण अमेरिका ने चीन की बैटरी निर्माता कंपनी कैमल ग्रुप और मसाले बनाने वाली कंपनी चेंगुआंग बायोटेक ग्रुप के उत्पादों पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह जानकारी अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (डीएचएस) ने बयान में दी है। डीएचएस ने कहा कि चीन की इन दो कंपनियों के उत्पादों को देश में अनुमति नहीं मिलेगी। यह फैसला मानवता को देखकर लिया गया है, क्योंकि शिनजियांग में उइगर और अन्य धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यक समूहों के खिलाफ खुलेआम नरसंहार हो रहा है। डीएचएस की अध्यक्षता में इंटरएजेंसी फोर्स्ड लेबर एनफोर्समेंट टास्क फोर्स (एफएलईटीएफ) ने चीन की इन दो कंपनियों को उइघुर फोर्स्ड लेबर प्रिवेंशन एक्ट (यूएफएलपीए) इकाई सूची में जोड़ा है। इन प्रतिबंधों का एक ही लक्ष्य है, वहां शिनजियांग में उइगर औरअन्य धार्मिक समूहों के खिलाफ चल रहे नरसंहार और मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए जवाबदेही को बढ़ावा देना। लेकिन बीजिंग ने इन आरोपों को खारिज कर कहा है कि उइगरों के साथ-साथ अन्य अल्पसंख्यकों के प्रति उसकी नीतियां ऊअतिवादऊ को रोकने के लिए आवश्यक हैं। उइगरों के प्रति चीन का व्यवहार बीजिंग और वॉशिंगटन के बीच तनाव के कई बिंदुओं में से एक रहा है। अमेरिका ने 2020 में भी चीन पर उइगर मुसलमान के शोषण का आरोप लगाते हुए चीन की 11 कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया था।

दुकान लूटने आए चोर को सिख युवक ने डंडे से पीटकर भगाया

वॉशिंगटन । अमेरिका में अक्सर किसी स्टोर के लुटने या फिर वहां पर फायरिंग की खबरें आती हैं। स्टोर मालिक डर के मारे कभी कुछ न तो कर पाते हैं और न ही कुछ कह पाते हैं। लेकिन अब एक नया वीडियो आया है जिसमें एक सिख युवक स्टोर लूटने आए चोर को इतना पीटता है कि उसे जान बचाकर भागना पड़ता है। चोर डकैती के इरादे से स्टोर में दाखिल होता है लेकिन उसका सामना एक सिख युवक से होता है। फिर उसे जमकर डंडे की पिटाई झेलनी पड़ती है। कई लोग चोर की पिटाई को देसी तरीका बता रहे हैं। वहीं कुछ सिख युवक की बहादुरी की तारीफ कर रहे हैं। वाकया कुछ दिनों पहले का है जब एक स्टोर में हथियार से लैस कुछ लुटेरे डकैती के इरादे से एक स्टोर में दाखिल हुए। राशन की दुकान में दाखिल ये डकैत अपना मुंह ढंके हुए थे। जैसे ही यह स्टोर में दाखिल होते हैं आसपास का सामना हटाने लगते हैं। उन्हें शायद इस बात का अंदाजा नहीं था कि उस स्टोर का मालिक एक सिख है। चोर कूड़ेदान में सामान भरने की कोशिशें करता है। इसी समय स्टोर मालिक वहां पर आता है और उसे रोकता है। चोर के पास हथियार होता है। वह हथियार लहराते हुए स्टोर मालिक को पीछे रहने की चेतावनी देता है। इसी समय एक व्यक्ति बिलिंग काउंटर से सारा वीडियो बना रहा होता है। यह घटना किस जगह की है इस बारे में अभी खुलासा नहीं किया गया है।

100 से वैज्ञानिकों के लिए अनसुझली पहेली बना एक बच्ची का अवशेष

एम्सटर्डम । एक बच्ची के अवशेष लगभग 100 साल से विशेषज्ञों के लिए अनसुझली पहेली बने हुए हैं। वे यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर कर बच्ची की मौत कैसे हुई थी। मई 1897 में नीदरलैंड के येड में दलदल में काम करने वाले दो मजदूरों को एक लड़की का बेहद अच्छी तरह संरक्षित शरीर मिला था। हालांकि उसका शरीर सिकुड़ था और ममी में तब्दील हो गया था, लेकिन बच्ची के लाल बाल बेहद अच्छी हालत में थे। इस बात को 100 साल से भी अधिक समय हो चुका है, लेकिन वैज्ञानिक इस बच्ची की पहेली को सुलझा नहीं सके हैं। विशेषज्ञ अभी भी यह पता लगाने में जुटे हैं कि उस लड़की का ऐसा भयानक अंत कैसे हुआ। अनुमान है कि उसकी मौत 54 ईसा पूर्व से 128 ईस्वी के बीच हुई थी और संभवत: तब बच्ची की उम्र 16 साल के आसपास थी। लड़की की गर्दन पर रस्सी का फंदा बंधा हुआ था और ऐसा लग रहा था कि उसकी गर्दन पर चाकू से हमला किया गया है। उसके आधे बाल भी कटे हुए थे और दांत गायब थे। वैगनिंगेन यूनिवर्सिटी के डॉ रॉय वैन बीक ने कहा, दो थ्यौरी बताई गई हैं। पहला, इसमें वे लोग शामिल हैं जो परंपराओं का पालन नहीं करते थे। दलदल में पाए जाने वाले शव वे लोग थे जो अपराधी थे या व्यभिचार के दोषी पाए गए थे। दूसरी, यह एक उच्च शक्ति को बलिदान करने के बारे में भी हो सकता है। शोध से पता चला है कि वह स्कोलियोसिस के गंभीर मामले से पीड़ित थी और उसकी लंबाई लगभग साढ़े चार फीट थी। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि वह बेहोशी की हालत में मर गई होगी क्योंकि शरीर के साथ मिले हाथों पर बचाव के निशान या घाव नहीं थे। दलदली पानी में टैनिक एसिड के कारण लड़की त्वचा और बाकी चीजें इतनी अच्छी तरह से संरक्षित थीं। खोज के बाद लड़की के अवशेषों को प्रदर्शनी के लिए रखा गया था और 1992 तक इन पर आगे अध्ययन नहीं किया गया।

लंदन में फ्रेडी मरक्यूरी सिंग्नेचर क्राउन और केप को एक वर्ल्ड ऑफ हिज ओन के प्री-व्यू में दिखाया गया।

वैगनर लड़ाके पोलैंड में घुसकर कर सकते हैं हमला, अमेरिका ने कहा नाटो पर हमला माना जाएगा

वॉर्सा । वैगनर लड़ाकुओं को लेकर पोलैंड और बेलारूस के बीच तनाव बढ़ता ही जा रहा है। पोलैंड के प्रधानमंत्री माटेउस्ज मोराविकी ने रूस और बेलारूस को और ज्यादा उकसावे वाली कार्रवाई के लिए चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि वैगनर ग्रुप तोड़फोड़ कर सकता है। इस बीच अमेरिका ने चेतावनी दी है कि अगर वैगनर के सैनिकों ने पोलैंड पर कोई भी हमला किया, तब इस नाटो पर हमला माना जाएगा। अमेरिका और पोलैंड के इन बयानों के बाद बेलारूस के साथ उनका तनाव और बढ़ता जा रहा है। वहीं बेलारूस के ऊपर रूस का हाथ है और हाल ही में उसने रणनीतिक परमाणु बम दिया है। पोलैंड के प्रधानमंत्री ने कहा कि जो लोग इस खतरे को कम करके आंक रहे हैं, वे उकसावे वाली कार्रवाई और साजिश के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं। इससे पहले 29 जुलाई को पोलैंड के प्रधानमंत्री ने कहा था कि 100 से ज्यादा वैगनर लड़ाके पोलैंड और लिथुआनिया के बीच संकरे से इलाके में पहुंचे हैं इस सुवाविक कॉरिडोर कहा जाता है। उन्होंने कहा कि यह पोलैंड के इलाके में हाइब्रिड हमले की दिशा में एक कदम है। प्रधानमंत्री माटेउस्ज ने कहा कि वैगनर के लड़ाके प्रवासी के रूप में बेलारूस की सीमा को पार करके पोलैंड में घुस सकते हैं। इस बीच संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका के राजदूत लिंडा थॉमस ने खुली चेतावनी दी है। लिंडा ने कहा था कि रूसी वैगनर ग्रुप की ओर से अगर कोई भी हमला किया जाता है, तब रूस का हमला माना जाएगा। उन्होंने वैगनर ग्रुप के रूसी सीमा पर मौजूदगी पर कहा कि हम इस ग्रुप को लेकर निश्चित रूप से चिंतित हैं जो रूसी सरकार के आदेश पर काम कर रहा है। यह हम सभी के लिए खतरा है।

5 अगस्त को फिर कुछ बड़ा होने वाला है, शान से इस जगह लहराएगा तिरंगा प्यारा

बीजिंग (एजेंसी)। पाकिस्तान के लिए अगले 24 घंटे बहुत मुश्किल भरे हैं। ये बात हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि वहां आजकर 5 अगस्त की चर्चा जोरों पर है। वहां के लोग तो दबी जुबान में ये भी कह रहे हैं कि 5 अगस्त को हो ना हो भारत फिर कुछ बड़ा करने जा रहा है। 5 अगस्त ही वो तारीख थी जब 2019 में मोदी सरकार ने जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटा दिया था। 5 अगस्त 2019 के बाद एक नया जम्मू-कश्मीर उभर रहा है जहां युवा अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। अब फिर एक बार 5 अगस्त के ही दिन भारत एक और इतिहास बनाने के करीब पहुंच गया है। 1 दिन बाद हमारा चंद्रयान चांद की कक्षा में प्रवेश कर जाएगा। इस अग्निपरीक्षा को पास करने के साथ ही हम चांद पर तिरंगा लहराने के बेहद करीब खड़े होंगे।

5 अगस्त की तारीख बेहद खास

जम्मू कश्मीर के लोग 5 अगस्त 2019 से आगे बढ़ चुके हैं। लेकिन पाकिस्तान की सरकार और 22 करोड़ जनता अब तक 5 अगस्त पर अटकी हुई है। शहबाज शरीफ सरकार के शह पर एजेंडा चलाने में लगे हैं। इसरो के मुताबिक करीब 23 दिन की और यात्रा करने के बाद चंद्रयान 3 चांद की सतह पर लैंड करेगा। बता दें कि चंद्रयान 3 को 14 जुलाई को लॉन्च किया गया था। चंद्रयान 3 ने 1 अगस्त को पृथ्वी के चारो ओर परिक्रमा पूरी कर ली है। पृथ्वी की कक्षा से बाहर जा चुके चंद्रयान 3 को अभी चांद तक पहुंचने के लिए 3.8 लाख किलोमीटर की यात्रा और करनी है। इसरो का कहना है कि लूनर ऑर्बिट इंसर्न की 5 अगस्त की योजना बनाई गई है।

23 अगस्त, शाम 05.47 बजे चांद पर उतरेगा चंद्रयान-3

अगर सबकुछ योजना के अनुसार रहा तो लेंडर विक्रम 23 अगस्त को शाम 5¬47 बजे चंद्रमा की सतह पर उतरेगा। यानी अगर इस तरह देंखे तो 23 अगस्त बुधवार का दिन देश के लिए सबसे अहम रहेगा। हम सभी की निगाहें चंद्रयान पर अटकी होंगी। हम सभी ये प्रार्थना कर रहे होंगे कि वो सकुशल चांद की सतह पर उतर आए। ये भारतीय अंतरिक्ष मिशन का ऐसा क्षण होगा, जिसमें सफलता के बाद इसरो के लिए बहुत कुछ बदल जाएगा।

9 अगस्त पाकिस्तान के लिए बड़ा दिन...होगा ये ऐलान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने 9 अगस्त को नेशनल असेंबली को भंग करने की घोषणा की। यह निर्णय संसद के सदस्यों के सम्मान में रात्रिभोज में संसदीय नेताओं से मुलाकात के बाद आया, जहां देश की राजनीतिक स्थिति पर गहन चर्चा की गई। बैठक के दौरान, पीएम शहबाज ने सांसदों से इनपुट मांगा और कार्यवाहक प्रधानमंत्री और कार्यवाहक सेटअप की व्यवस्था पर चर्चा की।

9 अगस्त को प्रधानमंत्री शरीफ नेशनल असेंबली को भंग करने के लिए राष्ट्रपति को औपचारिक सलाह भेजने वाले हैं। संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, विघटन को प्रभावी बनाने के लिए राष्ट्रपति को 48 घंटों के भीतर सलाह पर हस्ताक्षर करना होगा। रिपोर्ट के अनुसार, यदि किसी भी कारण से राष्ट्रपति सलाह पर हस्ताक्षर नहीं करते हैं, तब विधानसभा स्वचालित रूप से भंग हो जाएगी। इसके अलावा, प्रधान मंत्री शहबाज़ ने आश्वासन दिया कि विपक्ष के साथ तीन दिनों के परामर्श के बाद, वह कार्यवाहक प्रधान मंत्री का नाम राष्ट्रपति को सौंपेंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि, अगर कोई समझौता नहीं होता है, तब पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) हस्तक्षेप करेगा और प्रस्तावित नामों में से कार्यवाहक प्रधान मंत्री पद के लिए एक उम्मीदवार को नामित करेगा। विशेष रूप से, उन्होंने देश की प्रगति के लिए आर्थिक स्थिरता के महत्व को रेखांकित करते हुए अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के साथ सफल वार्ता पर प्रकाश डाला। रिपोर्ट के मुताबिक, इस हफ्ते की शुरुआत में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा था कि पाकिस्तान में आगामी चुनाव 2023 की डिजिटल जनगणना के आधार पर होने हैं।

चीन के लिए जासूसी करने के आरोप में अमेरिका के दो नौसैनिकों पर आरोप

सैन डिएगो (एजेंसी)। अमेरिका के दो नौसैनिकों पर चीन को संवेदनशील सैन्य जानकारी प्रदान करने के आरोप लगाए गए। इन जानकारियों में युद्धाभ्यास, नौसैनिक अभियान और महत्वपूर्ण तकनीकी वस्तुओं से जुड़ी जानकारियां शामिल हैं। कैलिफॉर्निया के दोनों नौसैनिकों पर चीन को संवेदनशील खुफिया जानकारी देने के अलग-अलग मामले दर्ज हुए हैं, लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं है कि क्या एक ही चीनी खुफिया अधिकारी ने एक बड़ी साजिश के तहत दोनों को रिश्वत का भुगतान किया था। संघीय अधिकारियों ने सैन डिएगो में यह बताने से मना कर दिया कि आरोपी नौसैनिक एक-दूसरे से परिचित हैं या नहीं।

नौसैनिकों ने सैन डिएगो और लॉस एंजिलिस की संघीय अदालतों में खुद को निर्दोष बताया। दोनों को आठ अगस्त को उन्हीं के शहर में होने वाली सुनवाई तक हिरासत में रखने का आदेश दिया गया। अमेरिकी अधिकारियों ने चीन सरकार की ओर से की जा रही कथित जासूसी को लेकर वर्षों से चिंता जाहिर की है। पिछले कुछ वर्षों में बीजिंग के कई खुफिया संस्थानों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं। आरोप है कि इन संस्थानों ने अवैध हैकिंग के जरिये संवेदनशील सरकारी और वाणिज्यिक जानकारी चुराई है। सैन डिएगो स्थित यूएसएस एसेक्स में तैनात 22 वर्षीय नौसैनिक जिनचाओ वेई को बुधवार को जहाज पर चढ़ते समय गिरफ्तार किया गया। उस पर एसेक्स और अन्य युद्ध पोतों पर मौजूद हथियारों एवं विमानों की जानकारी साझा करने के आरोप लगाए गए हैं।

अभियोजकों ने दावा किया कि चीन को खुफिया जानकारी उपलब्ध कराने के बदले वेई को बीते एक साल में 10 से 15 हजार अमेरिकी डॉलर की रिश्वत मिली। दोषी करने होने पर सैनिक को उम्रकैद की सजा हो सकती है। वहीं, सैन डिएगो के उत्तर में स्थित नौसेनिक अड्डे वेंचुरा काउंटी में तैनात 26 वर्षीय वेनहेंग झाओ पर अगस्त 2021 से मई 2023 के बीच एक चीनी अधिकारी से अमेरिकी नौसैनिक अभ्यास योजनाओं और परिचालन आदेशों से जुड़ी जानकारियों के अलावा अहम उपकरणों की तस्वीरें एवं वीडियो साझा करने के आरोप लगाए गए हैं, जिसके बदले उसे कथित तौर पर 15,000 अमेरिकी डॉलर की रिश्वत मिली।

सऊदी अरब की परमाणु प्लांट की मांग को लेकर इजराइली अधिकारी चिंतित

रियाद (एजेंसी)। इजरायल की एटॉमिक एनर्जी कमीशन के आला अधिकारी की तरफ से सऊदी अरब को लेकर चेतावनी दी गई है। अधिकारी के अनुसार सऊदी अरब की ओर से परमाणु प्लांट की मांग को मंजूरी दिए जाना इस क्षेत्र के लिए खतरनाक साबित होगा है। सऊदी इजरायल के साथ एक सामान्य समझौते के तहत इस प्लांट के तहत मंजूरी मांगी गई है। अधिकारी के माने तब यह मंजूरी खाड़ी क्षेत्र में परमाणु रेस के लिए जिम्?मेदार हो सकती है। एरियल (एली) लेविटे साल 2002 से 2007 तक इजरायल के एटॉमिक एनर्जी कमीशन के डिप्?टी डायरेक्टर रहे हैं। वह इस समय सऊदी अरब की परमाणु महत्वाकांक्षा को लेकर थोड़े चिंतित है। उनका कहना है कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) की तरफ से कितनी गारंटी दी जाती हैं। उन्होंने यह बात एक इंटरव्यू में कही है। सऊदी अरब ने तीन शर्तें रखी हैं, जिसके बाद ही वह इजरायल के साथ सामान्यीकरण समझौता साइन करेगा। जो शर्तें सऊदी के तहत रखी गई हैं, उसमें पहली है, अमेरिका की एडवांस्ड डिफेंस टेक्नोलॉजी जैसे कि थाड मिसाइल सिस्टम तक पहुंच हासिल होना, अमेरिका के साथ एक रक्षा गठबंधन की स्थापना और असैन्य मकसद से एक परमाणु प्लांट की मंजूरी। परमाणु प्लांट में यूरेनियम को संवर्द्धित किया जाता है और इससे ही परमाणु बम बनता है। इसकारण सऊदी अरब की मांग थोड़ा आशंकित करने वाली है। सऊदी अरब की आखिरी शर्त पर इजरायल के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) तजाची हानेग्बी ने कहा है कि परमाणु प्लांट के लिए इजरायल की मंजूरी जरूरी नहीं है। उन्होंने कहा, दर्जन भर देश असैन्य परमाणु कार्यक्रमों का संचालन कर रहे हैं। इसकी वजह से इजरायल या फिर उसके पड़ोसी खतरे में नहीं आएंगे। उनका कहना है कि यह मुद्दा पूरी तरह से अमेरिका और सऊदी अरब के बीच होगा। वहीं लेविटे की मानें तब एनर्जी प्रोडक्शन के लिए परमाणु रिएक्टर्स में तब तक कोई समस्या नहीं आती है जब तक कि उनका उचित रखरखाव किया जाता है। हालांकि उन्होंने आगाह भी किया, कि अगर किसी तरह से सुरक्षा विफल होती है, तब फिर पर्यावरण पर भारी असर पड़ सकता है। उन्होंने चेरनोबिल और फुकुशिमा का उदाहरण दिया है। उनका कहना था कि अगर सऊदी अरब एक रिएक्टर बनाता है, तब वह सिर्फ परमाणु रिएक्टर को लाल सागर के करीब ही निर्मित करेगा। ऐसा इसलिए होगा क्योंकि एक रिएक्टर को ठंडा करने के लिए बड़ी मात्रा में पानी की जरूरत होती है। लेकिन अगर वहां कोई आपदा या आतंकवादी हमला होता है, तब यह कोई साधारण बात नहीं होगी। इसका असर इजरायल सहित पूरे मीडिल ईस्?ट पर पड़ेगा। लेविटे ने कहा कि इजरायल एक नागरिक रिएक्टर को मिलिट्री मकसद के लिए परिवर्तित किए जाने की आशंका को लेकर भी चिंतित है।

बगावत से डरे जिनपिंग ने चीन की परमाणु फोर्स में किया बड़ा बदलाव

बीजिंग । बगावत से डरे जिनपिंग ने चीन की परमाणु फोर्स में बड़ा बदलाव किया है। जानकारी मिली है कि चीन ने पीपुल्स लिबरेशन आर्मी में बड़ा बदलाव करके पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है। दुनियाभर के रक्षा विशेषज्ञ चीन के इस कदम पर हैरानी जता रहे हैं। खबर है कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने परमाणु हथियारों वाली स्पेशल यूनिट के दो टॉप लीडर्स को पद से हटाकर नए लोगों को नियुक्त किया है। इसके कारण रॉकेट फोर्स के आंतरिक कामकाज पर सवाल उठ रहे हैं। जिनपिंग ने अपने परमाणु हथियारों की जिम्मेदारी वांग ह्युबिन को सौंप दी है। वह 2020 तक चीन की नौसेना के डिप्टी कमांडर रहे हैं। अब उन्हें चीनी सेना की रॉकेट फोर्स की जिम्मेदारी दी गई है। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) रॉकेट फोर्स यूनिट का नेतृत्व करने वाले जनरल ली युचाओ और उनके डिप्टी महीनों के लिए गायब हो गए थे। हालां?कि अब पूर्व उप नौसेना प्रमुख वांग हाउबिन और पार्टी केंद्रीय समिति के सदस्य जू ज़शिंग को प्रतिस्थापन के रूप में नामित किया गया था। यह लगभग एक दशक में बीजिंग के सैन्य नेतृत्व में सबसे बड़ा अनियोजित झटका है। मी?डिया रिपोर्ट के अनुसार, वांग हुबिन पहले नौसेना के डिप्टी कमांडर थे, अब जनरल रैंक के साथ रॉकेट फोर्स के कमांडर हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि जू ज़शिंग अब रॉकेट फोर्स के राजनीतिक कमिश्नर हैं। उन्होंने पहले वायु सेना के दक्षिणी थिएटर कमांड में कार्य किया था। एमआईटी विशेषज्ञ एम टेलर फ्रैवेल ने कहा कि 40 वर्षों में यह पहली बार है कि शीर्ष भूमिका रॉकेट यूनिट के बाहर से किसी को दी गई है। बाहरी व्यक्ति की नियुक्ति अक्सर तब होती है जब विभाग के प्रबंधन के बारे में गंभीर चिंताएं होती हैं।

अंजू के बदले सुर...पता नहीं भारत के लोग पाकिस्तान से इतना खौफ क्यों खाते

इस्लामाबाद (एजेंसी)। अंजू और नसरुल्लाह अपनी लव स्टोरी के साथ खुलकर सामने आ गए हैं। दोनों पाकिस्तानी मीडिया को इंटरव्यू दिया। जहां रिपोर्टर अंजू को फातिमा नाम से संबोधित किया हैं। अंजू ने कहा कि मुझे बच्चों की याद आती है और वह उन्हें हासिल करके रहेगी। पाकिस्तान जाकर अंजू के सुर बदले हुए नजर आ रहे हैं। उसका कहना है कि पता नहीं क्यों भारत में लोग पाकिस्तान का नाम सुनकर खौफ में आ जाते हैं, मुझे तब यह नाम सुनकर खुशी हुई थी।

नसरुल्लाह से पूछा, आप दोनों में कैसे प्यार हुआ जो अंजू अपना परिवार और देश छोड़कर पाकिस्तान आ गई? नसरुल्लाह ने बताया, सबकुछ अचानक हुआ, हमारी दोस्ती फेसबुक पर हुई, इसी दौरान मैंने अंजू को रिलेशनशिप आगे बढ़ाने का ऑफर दिया और यह भी मान गई। अंजू से रिपोर्टर ने पूछा कि अब आपका नाम फातिमा है, आपकी दोस्ती कैसे हुई? अंजू ने बताया, यह कोविड टाइम के बाद की बात है। हम बिजनेस के सिलसिले में बात करते थे। जब इन्होंने बताया कि मैं पाकिस्तान से हूं, तब मैं काफी उत्सुक हुई।

अंजू ने बताया, हमारी बातें होती रहीं और दोस्ती गहरी हो गई। फिर हम व्हाट्सएप पर बात करने लगे। फिर हमने मिलने का प्लान बनाया लेकिन हमें कुछ पता नहीं था। इन्होंने यहां कोशिश की और मैंने वहां प्रयास किए और इस तरह हम मिल पाए। अंजू ने कहा, मुझे बच्चों की याद आती है और मैं उन्हें हासिल करके रहूंगी। रिपोर्टर ने पूछा, भारत की मीडिया में आपके बारे में जो बातें की जा रही हैं, उनके बारे में आपका क्या कहना है?

अंजू ने कहा, पहले किसी को कोई परवाह नहीं थी लेकिन अब जब मैं मीडिया में आ गई हूं, तब सबको बच्चों से लेकर पति नजर आ रहा है। मीडियावाले पहले अपने घर-बच्चों को देख लें। जो भी दिखाया जा रहा है, उनमें ज्यादातर अफवाहें हैं सिर्फ 1 प्रतिशत चीजें सच हैं। नसरुल्लाह ने बताया कि घरवालों को यकीन नहीं हो रहा था कि अंजू आएगी। उन्हें यह मजाक लगता था। नसरुल्लाह ने बताया कि अंजू से जब पहली बार व्हाट्सएप पर बात हुई, तब अंजू ने सीधे वीडियो कॉल कर दी। अंजू ने कहा, मैं यह सुनकर एक्साइटेड हो गई कि नसरुल्लाह पाकिस्तान से हैं। मैं भी इंडिया में रही हूं, पता नहीं क्यों भारत के लोगों में पाकिस्तान को लेकर खौफ है। मुझे पाकिस्तान का नाम सुनकर कोई खौफ नहीं आया और मैं एक्साइटेड हुई।

संपादकीय

शब्द हल्के, अर्थ भारी

मैंने अपने जीवन में बहुत देखा समझा हैं कि शब्द तो कम व हल्के होते है लेकिन उनके अर्थ भारी होते हैं । जैसे स्वास्थ्य के लिये सैर । बहुत से मानव आज कि जीवन शैली के हिसाब से घूमना – फिरना नहीं करते है जिससे वह तनाव में रहते हैं । मुझे इसी सन्दर्भ में देश विदेश में कितने व्यक्तियों ने कहा कि हम सैर का समय जानते बुझते समझते हुए नहीं दे पाते हैं । कमर दर्द आँखों के दर्द आदि व जीवन शैली से डॉक्टर कितनी बार सलाहभी देते है कि अपना शरीर देखो प्रात: सैर करो । फिर भी नहीं करते इसके परिणामस्वरूप आज के समय के कुछ लालच में हम कल कीबीमारी के लिए अपने आपको नियोजित कर रहे है इसी तरह जैसे जीवन अपने हिसाब से जीना । एक दिन उम्र ने तलाशी ली तो जेब सेलम्हे बरामद हुए । उनमें कुछ कम के थे , कुछ नम से थे, कुछ टूटे हुए थे आदि जो सही सलामत मिले उन्हें जिन्दगी आँक रही जीवन कामोल। किसने बनाया कितना अनमोल जीवन । जीवन तो जीते है मनोरथी श्रावक। । जीना भी सफल वह मृत्यू भी सफल । साक्षात् करले दर्शन मृत्यु उत्सव का । तो उम्र ने कहा जीना सार्थक है जो करना है आज कर ले कल का कोई भरोसा नही श्रावक का यह तीसरामनोरथ हैं ।

कया णं अहं अपच्छिममारणंतियसंलेहणाझूसणाझूसिते
भत्तपाणपडियाइक्खिते
पाओवगते कालं अणवकंखमाणे विहरिस्सामि ।

जीवन की यह सांझ सुनहरी, ढल गई वह बीती दोपहरी नयी हैं राहें, नयी निगाहें, करने को मन कुछ खुद चाहे । खुलकर जी लें, खुलकरहँस लें बस जीवन यह कहना चाहे। इसी तरह और भी बहुत शब्द होते हैं जो अपने आप में बहुत हल्के होते है पर उनके अर्थ होते हैं इतनेभारी कि वह बात गहरी बहुत ही कम शब्दों मे कह देते हैं।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष	संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।
वृषभ	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।
मिथुन	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
कर्क	व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।
सिंह	व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।
कन्या	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
तुला	आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।
वृश्चिक	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।
धनु	आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
मकर	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
कुम्भ	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।
मीन	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

संरक्षण से ही जुड़ा है पृथ्वी का अस्तित्व

शशांक द्विवेदी

ऐसे में भारत को दिसंबर, 2022 में मॉन्ट्रियल में आयोजित सीबीडी के पक्षकारों के 15वें सम्मेलन में स्थापित नए संरक्षण लक्ष्यों को पूरा करने के लिए पर्याप्त कदम उठाने होंगे। इन महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को पूरा करने के लिए दुनिया के पास अब सिर्फ सात साल बचे हैं। एक सच्चाई यह भी है कि जल, जंगल, जमीन के संरक्षण के जितने भी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और कार्यक्रम होते हैं, उनमें विकासशील और विकसित देशों के बीच आर्थिक मुद्दों पर विवाद होता है। विकसित देश अधिक जिम्मेदारी उठाना नहीं चाहते। वे चाहते हैं कि विकासशील देश ही जैव विविधता दुनिया में गर्म होती जलवायु, कम होते जंगल, विलुप्त होते प्राणी, प्रदूषित होती नदियों, सभी को बचाने का काम करें। यहां तक कि इन कामों के लिए वे पर्याप्त आर्थिक मदद देने के लिए भी तैयार नहीं हैं।

पिछले दिनों लोकसभा के मानसून सत्र में जैव विविधता (संशोधन) विधेयक, 2022 बिना किसी विरोध के पारित हो गया। असल में यह विधेयक 2002 के जैविक विविधता अधिनियम को संशोधित करता है, जिसे संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन ऑन बायोलॉजिकल डायवर्सिटी (सीबीडी) के लक्ष्यों को हासिल करने में भारत की सहायता के लिए लागू किया गया था। वर्ष 1992 में स्थापित सीबीडी यह मानता है कि देशों को अपने क्षेत्रों के भीतर अपनी जैविक विविधता को नियंत्रित करने का पूर्ण अधिकार है। इस विधेयक को केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने 16 दिसंबर, 2021 को संसद में पेश किया था। बाद में इसे 20 दिसंबर, 2021 को एक संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजा गया था क्योंकि इसको लेकर यह चिंता जताई गई थी कि यह संशोधन उद्योगों के पक्ष में है और सीबीडी की भावना के विपरीत है। इसकी ध्यान से जांच करने के बाद संयुक्त संसदीय समिति ने दो अगस्त, 2022 को संसद में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी थी, जिसमें सुझाव दिया गया था कि विधेयक पर कुछ छोटे बदलावों के बाद मंजूरी दी जा सकती है। पूरी दुनिया की जलवायु में तेजी से परिवर्तन हो रहा है, बेमौसम आंधी, तूफ़ान और बरसात से हजारों लोगों की जान जा रही है, साथ ही सभी ऋतु चक्रों में तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है। सच्चाई यह है कि पर्यावरण या जैव विविधता संरक्षण सीधे-सीधे हमारे अस्तित्व से जुड़ा मसला है। हाल ही में विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) द्वारा जारी 'लिविंग प्लैनेट रिपोर्ट' के अनुसार वैश्विक स्तर पर 1970 से 2018 के बीच 48 वर्षों के दौरान वन्य जीवों की आबादी में 69 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। हैरान कर देने वाली बात है कि नदियों में पाए जाने वाले जीवों की करीब 83 फीसदी आबादी अब नहीं बची है। वर्ष 1970 के बाद फिशिंग 18 गुना बढ़ी है जिससे शार्क की आबादी में औसतन 71 फीसदी की कमी दर्ज की गई है। दुनियाभर में पाए जाने वाले पेड़-पौधों और जीव-जन्तुओं की करीब एक-तिहाई प्रजातियां भी विलुप्त होने के कगार पर हैं। एक तरफ मानवीय जनसंख्या दिनोंदिन बढ़ती जा रही है, वहीं मानव अन्य जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों को नष्ट कर उनकी जगह भी पसरता जा रहा है। वास्तव में जैव विविधिता के संरक्षण के बिना विकास का कोई महत्व नहीं है। इस विधेयक में किए गए महत्वपूर्ण बदलाव औषधीय पौधों की खेती को बढ़ावा देते हैं और पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धति का समर्थन करते हैं। वे इस क्षेत्र में सहयोगात्मक अनुसंधान और निवेश को प्रोत्साहित करते हैं। साथ ही औषधीय उत्पाद बनाने वाले चिकित्सकों और कंपनियों के लिए राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण से अनुमति लेने की आवश्यकताओं को भी कम करते हैं। इसका अन्य उद्देश्य वन उपज का लाभ स्थानीय लोगों तक पहुंचाना भी है। असल में यह संशोधन उन मुद्दों का समाधान नहीं करता, जिनका सामना भारत में जैव विविधता संरक्षण में करना पड़ता है। ऐसे में भारत को दिसंबर, 2022 में मॉन्ट्रियल में आयोजित सीबीडी के पक्षकारों के 15वें सम्मेलन में स्थापित नए संरक्षण लक्ष्यों को पूरा करने के लिए पर्याप्त कदम उठाने होंगे। इन महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को पूरा करने के लिए दुनिया के पास अब सिर्फ सात साल बचे हैं। एक सच्चाई यह भी है कि जल, जंगल, जमीन के संरक्षण के जितने भी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और कार्यक्रम होते हैं, उनमें विकासशील और विकसित देशों के बीच आर्थिक मुद्दों पर विवाद होता है। विकसित देश अधिक जिम्मेदारी उठाना नहीं चाहते। वे चाहते हैं कि विकासशील देश ही जैव विविधता दुनिया में गर्म होती जलवायु, कम होते जंगल, विलुप्त होते प्राणी, प्रदूषित होती नदियों, सभी को बचाने का काम करें। यहां तक कि इन कामों के लिए वे पर्याप्त आर्थिक मदद देने के लिए भी तैयार नहीं हैं। जैव विविधता के लिए आधुनिक विकास और प्रकृति संरक्षण दोनों के बीच संतुलित तालमेल बैठाना बहुत जरूरी है। जैव विविधता पर संकट इसका ही नतीजा है। अंतर्राष्ट्रीय संस्था वर्ल्ड वाइल्ड फिनिशिंग ऑर्गेनाइजेशन ने अपनी रिपोर्ट में चेतावनी दी है कि 2030 तक घने जंगलों का 60 प्रतिशत भाग नष्ट हो जाएगा। वनों के कटान से वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की अधिकता से कार्बन अधिशोषण ही वनस्पतियों व प्राकृतिक रूप से स्थापित जैव विविधता के लिए खतरा उत्पन्न करेगी। मौसम के मिजाज में होने वाला परिवर्तन ऐसा ही एक खतरा है। इसके परिणामस्वरूप हमारे देश के पश्चिमी घाट के जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियां तेजी से लुप्त हो रही हैं। जैव विविधता के लिए आधुनिक विकास और प्रकृति संरक्षण दोनों के बीच संतुलित तालमेल बैठाना बहुत जरूरी है। वस्तुत: कोरोना का वैश्विक संकट इसका ही नतीजा था और अभी भी बरक़रार है। जीव-जंतुओं और पौधों की लगभग 50 प्रजातियां रोजाना विलुप्त हो रही हैं, इसलिए आज पारिस्थितिकी तंत्र का संरक्षण किया जाना जरूरी है।

यह हमारी सोच में होना चाहिए कि जीव जंतुओं का महत्व हमसे कम नहीं है। कुल मिलाकर देश के प्राकृतिक संसाधनों का ईमानदारी से दोहन और जैव विविधता के संरक्षण के लिए सरकारी प्रयास के साथ-साथ जनता की सकारात्मक भागीदारी की जरूरत है। जनता के बीच जागरूकता फैलानी होगी, तभी इसका संरक्षण हो पायेगा। जैव विविधता के संरक्षण का सवाल पृथ्वी के अस्तित्व से जुड़ा है।

लेखक मेवाड़ यूनिवर्सिटी में डायरेक्टर हैं।

स्थानीय क्षेत्रीय शिक्षा पर ध्यान एनईपी 2020 में

(लेखक – विजय गर्ग/)

विद्वान मूल निवासियों ने शुरुआती चरणों में कब्ज़ा करने वाले की भाषा और संस्कृति का अनुकरण करने का गौरव प्रदर्शित किया, जब तक कि उन्हें एहसास नहीं हुआ कि सांस्कृतिक और राजनीतिक आत्मनिर्णय का असली गौरव केवल उनके मूल ज्ञान और संस्कृति के निस्संदेह दावे में निहित है। शिक्षा में अभिजात्यवाद हावी रहा, जिसके परिणामस्वरूप दशकों तक हमारी शिक्षा प्रणाली सेवाओं, वस्तुओं और बड़े पैमाने पर उत्पादन के क्षेत्र में पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं की सफलता की अंधी खोज में बनी रही। जब तक यह महसूस नहीं किया गया कि भारत एक समय ज्ञान के विश्व गुरु के रूप में खड़ा था और यह एक ऐसी भूमि थी जिसने मानव जाति को ब्रह्मांड के बारे में कुछ भी जानने से पहले ही गणितीय सटीकता के साथ खगोलीय गणनाएं की थीं। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नई शैक्षिक नीति 2020 (एनईपी 2020) की घोषणा के माध्यम से राष्ट्रीय गौरव को एक नए जोश के साथ नवीनीकृत किया गया है, जो क्षेत्रीय भाषाओं के माध्यम से सीखने, अनुसंधान और नवाचार को दर्शाता है, जो किसी भी अन्य विदेशी भाषा के बराबर नहीं है। अब फोकस द लोकल पर अधिक है। उद्देश्य स्पष्ट है कि विचारों के वैश्विक अधिभोग के लिए राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को प्राप्त करने के लिए ही स्थानीय और क्षेत्रीय को अपनाया जाता है। नीति के उद्देश्य आदि शंकराचार्य के विश्व दृष्टिकोण में समाहित हैं, जिन्होंने स्वदेशो भुवना त्रयम् की घोषणा की थी – तीनों लोक मेरी जन्मभूमि हैं। शैक्षिक बुनियादी ढांचे और पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के प्रावधानों के माध्यम से राष्ट्र की भव्य योजनाओं में नामांकित ग्रामीण शिक्षार्थियों के साथ लक्ष्य प्राप्त करने का मार्ग स्पष्ट रूप से निर्धारित किया गया है, जो गांवों के झिझकने वाले शिक्षार्थियों को अपने भाषाई अवरोधों को दरकिनार कर उभरने में सक्षम बनाएगा। रचनात्मक विचारक. पीएम श्री स्कूल योजना देश के दूरदराज के गांवों में ग्रामीण शिक्षार्थियों के दरवाजे तक प्रमुख शैक्षिक सुविधाएं लाने की प्रमुख पहलों में से एक है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन सोर्सेज का समकक्ष स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन सोर्सेज है। ये ऐसे पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं जो जीवन संवर्धन और समुदाय-आधारित प्रयासों के साथ-साथ व्यावसायिक की ओर उन्मुख होते हैं। एनआईओएस और एसआईओएस द्वारा प्रस्तावित ओपन बेसिक एजुकेशन प्रोग्राम (ओबीई) इन प्रयासों में अग्रणी हैं। जब व्यक्तिगत या आमने-सामने शिक्षा उपलब्ध नहीं होती है, तो ऐसे ऑनलाइन कार्यक्रम होते हैं जो शिक्षा को शिक्षार्थियों के दरवाजे तक ले जाते हैं। स्थानीय और क्षेत्रीय स्तरों पर नीति के परिणाम प्राप्त करने के लिए उत्सुक सरकार ने निजी क्षेत्र और गैर सरकारी संगठनों को स्थानीय और क्षेत्रीय प्राथमिकताओं का अध्ययन करने और समाधान विकसित करने की अनुमति दी है। फायदा यह है कि ये निवेशक और हितधारक स्थानीय लोग होंगे जो उनकी जरूरतों को सबसे अच्छी तरह से समझते हैं, और बर्बादी और अतिरेक को खत्म करने के लिए सबसे व्यावहारिक स्तर पर काम करेंगे। जोर आउटपुट पर है, और परिणाम लालफीताशाही और नियंत्रण की बारीकियों से अधिक महत्वपूर्ण हैं। ऐसे दूरस्थ, ओलंपियन रवैये की कोई गुंजाइश नहीं है जो सभी के लिए एक ही समाधान लागू करता हो। यह न केवल सभी के लिए व्यावहारिक और स्वीकार्य है, बल्कि शिक्षा के लिए सबसे लोकतांत्रिक और सर्वसम्मति-आधारित दृष्टिकोण भी है जो क्षेत्रीय आवश्यकताओं और लाभों को ध्यान में रखता है। एनईपी में हर संभव स्रोत का उपयोग करके स्थानीय प्रतिभाओं और संसाधनों को शामिल किया गया है। प्रत्येक स्थानीय क्षेत्र के स्वयंसेवकों और शिक्षित और योग्य लोगों के डेटाबेस हैं। उनकी सेवाएं ली जाती हैं, और सलाह को इन शैक्षिक गतिविधियों के नियोजन आयु निष्पादन में शामिल किया जाता है। गतिविधियाँ यहीं तक सीमित नहीं हैंनियमित कक्षाकार्य, लेकिन पाठ्येतर गतिविधियों का व्यापक उपयोग। स्थानीय स्तर पर शिक्षार्थियों के बीच रुचि पैदा करने और बनाए रखने के लिए ओलंपियाड, प्रतियोगिताएं और कई अन्य दिलचस्प उपाय हैं। शिक्षकों के मार्गदर्शन में, शिक्षार्थी स्वयं को शिक्षित करने में भाग ले सकते हैं। प्रसिद्ध रूसी शैक्षिक मनोवैज्ञानिक यूरी अजरोव ने अपने टीचिंग एंड कॉलिंग स्किल्स में कहा है कि शिक्षण में कई नवाचार और प्रौद्योगिकियां हो सकती हैं, लेकिन शिक्षक की जगह लेने वाली कुछ प्रौद्योगिकी दूर की कौड़ी है। एनईपी 2020 में शिक्षण मानकों को बढ़ाने पर नया जोर दिया गया है। एक शिक्षक के सतत व्यावसायिक विकास (सीपीडी) की अवधारणा पर भरपूर ध्यान दिया जाता है। सीपीडी के तहत, शिक्षक लगातार आत्म-विश्लेषण कर रहा है, और ताकत और कमजोरियों की पहचान करने में विशेषज्ञों और सहकर्मियों की मदद ले सकता है। यह शिक्षकों के लिए अपने करियर को आगे बढ़ाने और अपने शिक्षार्थियों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने में अमूल्य होगा। यह शिक्षा प्रणाली में सभी हितधारकों के लिए एक जीत की स्थिति है। सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के महत्व को पहचाना है और इसका पूरी तरह से दोहन करने की कोशिश की है। इसलिए, यह देखने के लिए कि व्यक्ति को इन निवेशों से अधिकतम लाभ मिले, नवीनतम सॉफ्टवेयर प्राप्त करने पर जोर दिया जाता है। स्थानीय भाषा पर पूरा ध्यान दिया गया है जो विशेष रूप से स्कूल स्तर पर शिक्षा का माध्यम होगी। पाठ्यपुस्तकें और इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों सहित अन्य अध्ययन सामग्री क्षेत्रीय भाषा को संबोधित करेंगी। इस मान्यता के परिणामस्वरूप शिक्षा की दिशा में और अधिक अनुकूल कदम उठाए जाएंगे और लंबे समय में एक राष्ट्र के रूप में एकता और अखंडता मजबूत होगी। शिक्षा प्रणाली को अधिक लचीला और शिक्षार्थी-केंद्रित बनाकर, सरकार एक ऐसे भविष्य का लक्ष्य बना रही है जिसका निर्माण सक्षम और कुशल लोगों द्वारा किया जाएगा जो वंचितों के लाभ के लिए काम करने के इच्छुक होंगे। इससे पिछड़ेपन और असंतोष की वे जड़ें खत्म हो जाएंगी जो भारत की एकता को खतरे में डाल सकती हैं। एनईपी 2020 ने वैश्विक प्रभुत्व हासिल करने के लिए स्थानीय को बढ़ावा देने और उत्थान के साथ कौशल अभिविन्यास और रोजगार योग्य कार्यबल के प्रवचन को फिर से शुरू किया है। बड़ी चुनौतियों में से एक देश के ग्रामीण परिवेश में राष्ट्रीय योजना और वैश्विक पहचान में उनकी उचित हिस्सेदारी के लिए विश्वास पैदा करना है। सरकार ने अपनी स्पष्ट दृष्टि से शहरी, अर्ध-शहरी, ग्रामीण और दूरदराज की बाधाओं को दूर करते हुए देश के कुशल कार्यबल के आधार का विस्तार किया है। इनमें से प्रमुख है संसाधनों, विशेषकर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का उनकी क्षमता के अनुसार उपयोग करने में असमर्थता। इन बाधाओं पर तेजी से काबू पाने के लिए, सरकार नवीनतम सॉफ्टवेयर हासिल करने और इसे यथासंभव व्यापक रूप से उपयोग करने की योजना बना रही है। इन उपायों में सबसे महत्वपूर्ण है विकेंद्रीकरण जो राज्यों को अपने संसाधनों के साथ आगे बढ़ने और उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सशक्त बनाएगा। एनईपी को एहसास है कि जीवन में ऐसे चरण होते हैं जो भाषा जैसे कुछ जीवन बदलने वाले कौशल सीखने और हासिल करने के लिए इष्टतम होते हैं। इस प्रकार यह महज़ तथ्यों पर आधारित एक दस्तावेज़ नहीं है, बल्कि यह संज्ञानात्मक और भावनात्मक पहलुओं से ओतप्रोत है जिसका भारत में शिक्षा पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। हम अपनी युवा आबादी से जो जनसांख्यिकीय लाभांश प्राप्त करने की आशा करते हैं, वह क्षेत्रीय प्रतिभाओं और संसाधनों के उपयोग के कारण बेहतर ढंग से प्राप्त होगा। इससे दुनिया में हमारा रुतबा बढ़ेगा और हम सभी देशों में सबसे ऊंचे पायदान पर पहुंच सकते हैं। एनईपी एक समग्र दस्तावेज़ है जो अपने दृष्टिकोण में व्यापक है. यह शिक्षा के हर पहलू को संबोधित करता है: स्थानीय और राष्ट्रीय से लेकर वैश्विक तक।

मंडल और कमंडल की राजनीति एक बार फिर उफान पर

(लेखक – सनत जैन)

1990 में मंडल और कमंडल की जो राजनीति देश में शुरू हुई थी, एक बार वह फिर परवान चढ़ने लगी है। बिहार में जाति जनगणना को लेकर मंडल की जो राजनीति शुरू हुई थी, अब वह पूरी तरह से परवान चढ़ चुकी है। बिहार हाईकोर्ट ने जातीय जनगणना को लेकर बिहार सरकार को हरी झंडी दे दी है। इंडिया गठबंधन के दल भी जाति जनगणना के पक्ष में एकजुट होते जा रहे हैं। पटना हाईकोर्ट द्वारा राज्य में जातियों की गणना करने को मंजूरी मिलने के बाद अब देश के राजनीतिक समीकरण बड़ी तेजी के साथ बदलते हुए दिख रहे हैं। लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में राम मंदिर आंदोलन की शुरुआत हुई थी। 1989 में केन्द्र में जानता दल के गठबंधन में शामिल थी। जिसके प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह थे। राम मंदिर के मुद्दे पर भाजपा सरकार से बाहर हो गई। राम मंदिर आंदोलन का विस्तार करने के लिए भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी ने रथयात्रा निकाली। विश्व हिंदू परिषद राम मं दिर आंदोलन में बढ़-चढ़कर शामिल हुआ। इसके जवाब में मंडल की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह, मुलायम सिंह यादव, शरद यादव, जॉर्ज फर्नांडिस, लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार मंडल राजनीति के सबसे बड़े पक्षधर होकर सामने आए। अब इसमें से बिहार के दो नेता ही जीवित बचे हैं। बाकी सब की मृत्यु हो चुकी है। बीपी सिंह, मुलायम सिंह यादव, शरद यादव, जॉर्ज फर्नांडिस का निधन हो गया है। नीतीश कुमार और लालू यादव ही जिंदा है। इस बार जातीय समीकरण को लेकर बिहार में जो जनगणना हो रही है। इन दोनों नेताओं द्वारा जाति जनगणना को लेकर देशभर में एक नई जन चेतना जागृत करने का काम शुरू कर दिया है। 1990 से लेकर 2023 तक के लगभग 15 साल भाजपा सत्ता में रह चुकी है। राम मंदिर का निर्माण भी लगभग लगभग हो चुका है। जनवरी 2024 में रामलला की मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा होनी हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव को देखते हुए दीपावली पर इस बार बड़ा कार्यक्रम भाजपा देश भर में करने जा रही है। घर-घर में दीपक जलाए जाएंगे। स्वतंत्रता के समय जिस तरीके का जश्न सारे देश में मनाया गया था। भगवान राम श्रीलंका में विजय प्राप्त करके जब अयोध्या लौटे थे। अयोध्या के लोगों ने जो दीपोत्सव मनाया था, अब दीपावली 2023 में सारे देश में दीपोत्सव मनाया जाना है। इसकी संपूर्ण तैयारियां भाजपा (कमंडल) ने कर ली हैं। इसके जवाब में अब मंडल भी जाति जनगणना को लेकर 80-20 का जो फार्मूला भाजपा ने दिया था, उसमें मंडल सेंध लगा रहा है। 80 फ़ीसदी हिंदू जातियों को उनके अधिकार दिलाने के लिए मंडल की राजनी ति शुरु हो गई है। सारे देश में विपक्षी गठबंधन इंडिया में शामिल सभी राजनीतिक दल जातीय जनगणना की मांग में शामिल हैं। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में 4 फ़ीसदी आरक्षण मुसलमानों का कम करके जो राजनीति भाजपा ने धार्मिक ध्रुवीकरण के आधार पर करने की कोशिश की थी, उसी को आधार बनाकर एक बार फिर मंडल और कमंडल आमने-सामने हैं। भारत में अंग्रेजों के शासन काल में 1931 की जनगणना जातीय आधार पर हुई थी। उसके लगभग 90 साल हो चुके हैं। भारत सरकार ने कभी जाति जनगणना नहीं कराई है। 2011 की जनसंख्या के आधार पर आरक्षण की बात की जाती है। 2021 की जनगणना अभी तक शुरू नहीं हुई है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार एवं अन्य राज्यों में यह माना जाता है। कि ओबीसी की जातियाँ जनसंख्या में 54 फ़ीसदी हैं। इसी को आधार मानकर 27 फ़ीसदी आरक्षण देने की बात कही जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने भी जाति के आधार पर जनगणना के कोई आंकड़े नहीं होने पर अधिकतम आरक्षण 50 फ़ीसदी रखने का आदेश दिया था। इसके बाद से ही जातीय जनगणना करने की मांग बढ़ती जा रही है। भाजपा ने हिंदुओं की जनसंख्या को 80 फ़ीसदी जिसमें दलित, पिछड़े और स्वर्ण वर्ग की आबादी शा मिल है। पिछले 2 लोकसभा के चुनाव धार्मिक आधार पर इसका फायदा भाजपा ने ले लिया है। मंडल के नेता धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण कर सत्ता में आने वाली भाजपा के ऊपर पिछड़ों और दलितों का उत्पीड़न किए जाने का आरोप लगाकर जातीय जनगणना की वकालत कर रहे हैं। इसमें सबसे ज्यादा दिक्कत अब भाजपा को हो रही है। पिछले 10 वर्षों में धार्मिक ध्रुवीकरण के आधार पर हिंदू एकजुट हुए थे। जातीय जनगणना में एक बार फिर हिंदू वोट बैंक बिखरने की कगार पर हैं।

बीजों का सुरक्षित भण्डारण

पिंकी शर्माए पूनम यादव
पादप व्याधि विभाग, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर-303329

कृषि में उन्नत बीज का स्थान सर्वोपरि है क्योंकि उन्नत खेती को नीव एक अच्छे बीज पर ही आधारित है अत: बीजों का उचित भण्डारण बहुत जरूरी है। बीज पैदा करके उसे बोने तक भण्डारण का महत्वपूर्ण स्थान है। भण्डारित किये गये बीजों में ज्यादात्तर नुकसान कीटों द्वारा ही होता है। इसके अलावा चूहें, चिड़िया, दीमक एवं फफूंद आदि द्वारा भी नुकसान होता है। बीजों में कीट पैदा होने से बीजों की अंकुरण क्षमता, ओज एवं गुणवत्ता पर सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ता है। इससे खराब बीज न तो बाने`लाइक और न ही खाने लाइक रहता है। इसलिए बीजों का भण्डारण पूरी सावधानी एवं देखरेख के साथ करनी चाहिए।

भण्डारित बीजों का नुकसान निम्न कारकों पर निर्भर करता है

1. बीज में अधिक आर्द्रता का होना।
2. खेत से ही सक्रमणित बीजों का भण्डारण
3. कीटों द्वारा संक्रमणित भण्डारण
4. भण्डारण के दौरान ताप एवं नमी में वृद्वि
5. भण्डारण में ऑक्सीजन की उपलब्धता

हमारे देष में अधिकतर किसान बीज स्वयं भण्डारित करते है और उनमें से अधिकतमर बीजों का नुकसान कीटों से होता है। इन भण्डारित कीटों (खपरा, सुरसुरी, घून, पंतगा, तीली आदि) को लगभग सभी किसान जानते है परन्तु इन कीटों के प्रकोप से बचने के लिए उचित भण्डारण एवं नियन्त्रण पर ध्यान देकर होने वाले भौतिक नुकसान के साथ-साथ बीज की अकुंरण क्षमता एवं ओज को भी बरकरार रख सकते हे।

बीजों में लगने वाले प्रमुख कीट:-

भण्डारण के दौरान कीटों की लगभग चार दर्जन प्रजातियाॅ बीजों को नुकसान पहुंचाती है। जिनमें से 10-15 प्रजातियाॅ ज्यादा महत्वपूर्ण है। विभिन्न प्रकार के कीटों द्वारा विभिन्न प्रकार बीजों का नुकसान किया जाता है जिनमें से कुछ दानों को बाहर से खाते है। एवं कुछ अन्दर रहकर खाते हैं, जिनमें से प्रमुख कीट निम्नलिखित है।

1. टनाज की फसलों के बीज:- सूंड वाली सुरसुरी (सिटोफिलस, ओरायजी), चावल की सुरसुरी (ओराइजीफिलस सुरी नामेनसिस), गोदाम का पंतगा (कैडरा कॉटेला), मक्का का पंतगा (कोरसाइरा सिफैलोनिका), आटे का कीट (ट्राइबोलियम कैस्टेनियम), एवं खपरा बीटल (ट्रोगोडरमा ग्रेनेरियम)
2. दलहनी फसलों के बीज:- ढोरा (चार प्रजातियाॅ- कैलोसोब्रुकस मैकुलेटस, कै. चाइनेनसिस, कै. एनालिए एवं ब्रुकस पाइसोरम घुन (राइजोपरथा डोमिनिका), खपरा बीटल (ट्रोगोडरमा ग्रेनेरियम), चावल पंतगा (कोरसाइरा सिफैलेनिका), एवं गोदाम का पंतगा (केडरा कॉटेला) समय छाया में सुखाकर बोरों या थैलियों में भरकर भण्डारित करना चाहिए।
3. बीजों में उचित नमी:- बीजों को भण्डारित करने से पूर्व यह जॉच कर ले कि बीजों में सामान्यत: 10 प्रतिषत से अधिक नमी न हो, लेकिन मूॅगफली एवं सरसों में 7 प्रतिषत एवं धान में 12 प्रतिषत एवं अरण्डी में 8 प्रतिषत से अधिक नमी नही होनी चाहिए।
4. भण्डारण कक्ष/पात्र को कीट मुक्त करना:- बीजों को जिस किसी कक्ष या पात्र में भण्डारित करना हो उसे भण्डारण पूर्व कीट मुक्त करना चाहिए। यदि भण्डारण कमरे या गोदाम में करना है तो उसे अच्छी तरह साफ करके मैलाथियान, क्लोरोपाइरीफॉस की 1 लीटर मात्रा 100 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए। यदि बीज को मटके में भण्डारित करना हो तो मटके के अन्दर व बाहर 10 मि.ली. मैलाथियान का छिड़काव करें।
5. बीज भण्डारण के पश्चात् बीजों कें नमी की वृद्वि रोकना एवं प्रघूमन करना:- बीज भरे बोरों या थैलियों को लकड़ी के तख्ते या पॉलीथीन चादर या बॉस की चटाई पर रखना चाहिए ताकि उनमें नमी का प्रवेष न हो।। वर्षा ऋतु में भण्डारगृह में भण्डारित बीज होने के कारण कीटनाषी द्वारा उपचारित नही किया गया तो खेत से आये कीटों को नष्ट करने हेतु बीज को एल्युमिनियम फॉसफाइड से 6-9 ग्राम मात्रा प्रति टन बीज के हिसाब से प्रधूमित करना चाहिए।
6. कीट प्रकोप पर निगरानी एवं कीटनाषी का छिड़काव:- भण्डार कक्ष को प्रत्येक 15 दिन में एक बार जरूर देखना चाहिए ताकि बीज में कीट या फर्श पर कोई जीवित कीट दिखाइ देने पर समय पर आवष्यकतानुसार कीटनाषी का छिड़काव या प्रधूमन किया जा सकें। सामान्यत: भण्डार कक्ष एवं बोरों पर 15 दिन के अन्तराल पर मैलाथियान, क्लोरोपाइरीफॉस की 1 लीटर मात्रा 100 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। बीज भण्डारण में प्रधूमन द्वारा कीटों से बचाव छिड़काव की अपेक्षा अधिक लाभकारी हैं इसलिए प्रधुमन का ही अधिकतम प्रयोग करें।

सावधानियाॅ

1. बीजोपचार करते समय कीटनाषी को खुले हाथों से न छुए बल्कि किसी ड्रम में डालकर हिलाकर उपचारित करें।
2. उपचारित बोरियों या थेलियों पर स्पष्ट लिखा होना चाहिए।
3. कीटनाषी बच्चों की पहुॅच से दूर रखनी चाहिए।
4. कीटनाषकों का छिड़काव बदल-बदलकर करें।
5. प्रधुमन सदैव प्रभिक्षित व्यक्ति द्वारा ही करवायो।

गोभीवर्गीय में पोषक तत्वों की आवश्यकता

भूरापन या ब्राउनिंग – यह समस्या गोभीवर्गीय फसलों में बोरान की कमी से होता है।

लक्षण – भूरापन में शुरूआत में फूल में जल अवशोषित धब्बे पड़ जाते हैं, जो कि बाद में बड़े हो जाते हैं। इसके बाद तने में भी जल अवशोषित धब्बे पड़ते हैं तथा तना अंदर से खोखला हो जाता है। यदि भूरापन का प्रकोप ज्यादा होता है तो पूरा फूल में कुछ दिन बाद गुलाबी या भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं।

उपचार – बोरान की कमी को दूर करने के लिये 10-15 किलो बोरेक्स प्रति हेक्टर भूमि में पौध रोपण के समय देना चाहिए अथवा जब फसल खड़ी हो 0.1 प्रतिशत बोरेक्स घोल का छिड़काव करना चाहिए प्रथम छिड़काव पौध रोपण के दो सप्ताह पश्चात और दूसरा छिड़काव फूल बनने से दो सप्ताह पहले करना चाहिए।

व्हिपटेल – यह लक्षण गोभीवर्गीय फसलों में मालीब्डिनम नामक तत्व की कमी के कारण होता है।

लक्षण – मुख्यत: मालीब्डिनम की कमी अम्लीय भूमि में हो जाती है अर्थात् मालीब्डिनम अनुपलब्ध रूप से हो जाता है, जिससे पौधे इस तत्व का अवशोषण नहीं कर पाते और व्हिपटेल के लक्षण दिखाई देते है, इसमें शुरूआत में पौधे की वृद्धि रुक जाती है और पत्तियाँ सिकुड़ कर सफेद पड़ने लगती हैं तथा कुछ दिन बाद पत्तियां अपना आकार खो देती हैं और मिडरिब के अलावा शेष भाग सूख जाता है, जिसके कारण इसे सामान्यत: व्हिपटेल कहा जाता है।

उपचार – मालीब्डिनम की कमी को दूर करने के लिए अम्लीयता कम करने के उद्देश्य से 50-70 क्विंटल बुझा चूना प्रति हेक्टर खेत की तैयारी के समय भूमि में मिला देना चाहिए। इसके साथ ही पौध रोपण के पहले 2.5 से 5 किलो सोडियम मालीब्डेट प्रति हेक्टर भूमि में मिला देना चाहिए अथवा खड़ी फसल में 0.05ज सोडियम मालीब्डिट घोल का पौधों पर छिड़काव करना चाहिए।

बटनिंग – बटनिंग की समस्या गोभी वर्गीय फसलों के कई कारणों से होती है जैसे अधिक उम्र के रोप के कारण, नाइट्रोजन की कमी के कारण या समय के अनुसार उचित किस्मों को ना लगाने से ऐसा होता है।

लक्षण – फूलों का विकसित ना होकर छोटा रह जाना बटनिंग कहलाता है। इसमें फूलों का आकार छोटा हो जाता है तथा कम विकसित पत्तियाँ होती हैं।

उपचार – बटनिंग को रोकने के लिये अगेती या पिछेती किस्में अनुशंसित समय पर ही लगाएं, पौधे की वृद्धि चाहे वह नर्सरी में हो या खेत में नहीं रूकनी चाहिए। अधिक सिंचाई न करें। जो पौधा नर्सरी में अधिक दिन के हो उन्हें खेत में न लगाएं और नाइट्रोजन की उचित मात्रा पौधों को समय-समय पर दें।

रेसीयनेस – रेसीयनेस के लक्षण मुख्यत: वातावरण में अनुकूल तापमान की कमी, अधिक नाइट्रोजन देने के कारण तथा अधिक आर्द्रता के कारण होती हैं।

लक्षण – समय से पूर्व अविकसित कली को रेसीयनेस कहते हैं। इसमें फूल की ऊपरी सतह ढीली पड़ जाती है तथा सफेद छोटी कलिका बन जाती है।

उपचार – रेसीयनेस से उपचार के लिये उचित किस्म का चयन करें, समय पर पौधों की रोपाई करें, नाइट्रोजन की उचित मात्रा का प्रयोग करें तथा प्रतिरोधी किस्मों का चयन करें।

बगीचों की स्थापना व प्रबंधन

नवीन उद्यान का विन्यास (लेआउट) कैसे करें-

नवीन उद्यान का विन्यास (रेखांकन) एक बहुत तकनीकी एवं महत्वपूर्ण क्रिया है। सर्वप्रथम क्षेत्रफल नाप लिया जाये तथा उसका क्षेत्रफल ज्ञात करें फिर चयनित फल एवं उसकी प्रजाति के आधार पर निर्धारित करें कि कतार से कतार एवं पौधे से पौधे की दूरी निर्धारित करें। उद्यान रेखांकन करते समय निम्नलिखित उद्यान स्थल निर्धारित करें-

- सड़क एवं मार्ग
- फार्म हाउस (कार्यालय, भंडार, निवास) के लिए स्थल
- सिंचाई पद्धति के लिये पम्प हाउस, नलकूप, कुआं, फार्म पाँड का स्थान निर्धारित करें। आजकल ड्रिप एवं फव्वारा सिंचाई प्रचलित है। अत: उसके रेखाकंन के लिये स्थल निर्धारित करें।
- जल निकास हेतु नाली आदि निर्माण हेतु स्थल
- पौधों को लगाने का स्थल
- फार्म पर कम्पोस्ट, नाडेप, केंचुआ खाद आदि का स्थल
- बगीचे के लिये स्वयं की रोपणी हेतु भी स्थल निर्धारित करें।

नवीन बगीचे के लिये प्रारंभिक तैयारियां – स्थल निर्धारण के पश्चात भूमि की सप्लाई, सर्वेक्षण, मिट्टी परीक्षण, समतलीकरण, मिट्टी की जुताई, बगीचे के चारों ओर बागड़-तार, पत्थर की दीवार, वायु अवरोध लगाएं.

फल पौध रोपण – फल पौध रोपण की प्रचलित पद्धतियां निम्न प्रकार की है – **वर्गाकार पद्धति** – वृक्ष की आवश्यकता के अनुसार वर्ग का आकार रखा जाता है। इस पद्धति में पौधे वर्ग के कोने पर लगाए जाते हैं।

आयताकार- इस पद्धति में कतार से कतार की दूरी तथा पौधों की दूरी निर्धारित की जाती है॥

त्रिभुजाकार या षटभुजाकार पद्धति।

पंचवृक्षीया गौपूरक पद्धति- यह वर्गाकार की परिवर्तित पद्धति है इसके वर्ग के मध्य से एक और पौधा बनाया जाता है।आजकल संकर प्रजातियां आम में विकसित की गयी है उन्हें कम दूरी पर बनाया जाता। इसके अतिरिक्त हाईडेन्सिटी पद्धति से रोपण ऊंचाई के आधार पर किया जाता है।

कंटूर के आधार पर रोपण – ऊंची-नीची एवं ढाल भूमि में समोच्च (कन्टूर) के आधार पर रोपण किया जाता है।

पौधों की दूरी निर्धारित करना एवं वृक्षों की वृद्धि को ध्यान में रखकर पौध रोपण के लिये गड्ढों का खोदना – यह एक महत्वपूर्ण कार्य है। भूमि में मिट्टी की गहराई को ध्यान में रखते हुए फल चयन करें तथा उसकी भावी वृद्धि एवं विकास को ध्यान में रखते हुए रोपण के लिए गड्ढे वर्गाकार पद्धति से या मिट्टी आकार द्वारा खोदें।

रोपण के लिये पौधों का चयन

- पौधे जो वानस्पतिक तरीके या टिशू कल्चर अथवा बीज से तैयार हो उनकी पूरी विश्वसनीयता की जानकारी प्राप्त करके ही लें। उनकी पे डिग्री ज्ञात कर लें. जब तक शासकीय/ पंजीकृत रोपणी से ही पौधे लें तथा पौधों पर टैग लगा हो।
- प्रत्येक पौधे को देखें कि उसकी जूटी जिसमें पौधों की जड़ पंकी हो वह सही हो। ग्राफ्ट की जड़े सायन एवं रूट स्टाक की मोटाई बराबर हो तथा सही तरीके से जुड़ी हों।
- पौधे की बीमारी आदि से ग्रसित न हों। उनकी आयु आदि ज्ञात कर लें।
- जो पौधे चाहे ग्राफ्ट हो,गूटी कलम आदि जैसे भी हो उन्हें भली-भांति परख लें तथा एक सप्ताह तक क्यारी में उतार कर रखें। जो पौधे सही तरह के स्वस्थ हों उन्हें ही लगायें।
- पौधे लगाते समय पौधा गड्ढे के बीज में सीधा लगाया जाये। जड़ को दोनों हाथों से ढीला बांध भली-भांति गड्ढे की मिट्टी के साथ दवाएं जिससे वह भली-भांति स्थिर हो जावे सिंचाई करें। रोपण क्रिया जुलाई, अगस्त, सितम्बर या फरवरी मार्च में लगायें। उसकी सुरक्षा करें तथा कुछ पौधे पृथक रखें जिससे मृदा पौधों के स्थान पर रोपण करें।

फल देने वाले बगीचों का प्रबंधन- जो पौधे फलन स्थिति या किशोर अवस्था में हो उनकी देखभाल एवं वांछित औद्योगिक क्रियाएं क्षेत्र के लिये अनुशंसित विधि से करें। जैसे- कांटछांट का कृन्तन क्रिया कृषि क्रियाएं अनुशंसित खाद एवं उर्वरक निर्धारित मात्रा में डालें, तने को पानी के सम्पर्क में सीधे न आने दें इसलिये उनकी आयु के अनुसार मिट्टी जड़ के ऊपर लगाये, समय पर सिंचाई, निंदाई तथा पौध संरक्षण उपाय करें। फलों की तुड़ाई करें। आम के वृक्षों पर माम फोमेशन हो उसे काटकर पृथक करें। जिन पौधों के तने कमजोर हो उन्हें सहारा दें। पौधे के मूल वृन्द से निकलने वाली शाखाओं को काट दें। पौधोंको सही आकार देने के लिए कटाई, छंटाई जरूरी है।

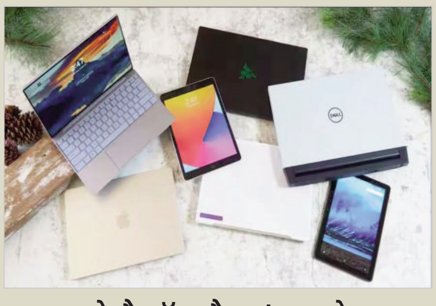

सरकार ने लैपटॉप और कंप्यूटर के आयात पर लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने लैपटॉप और कंप्यूटर के आयात पर बड़ा फैसला लिया है। सरकार की ओर से एक नोटिस जारी की गई। इसके मुताबिक भारत में एसएन 8741 कैटेगरी केअंतर्गत आने वाले लैपटॉप, टैबलेट और पर्सनल कंप्यूटर के आयात पर तत्काल प्रतिबंध लगा दिया। इस कैटेगरी में अल्ट्रा स्मॉल फॉर्म फैक्टर वाले कंप्यूटर और सर्वर आते हैं। अभी तक इन प्रोडक्ट को मंगाना आसान था। हालांकि आयातित प्रोडक्ट पर टैक्स देना अनिवार्य था। दरअसल सैमसंग, डेल, एसर और ऐपल जैसी कंपनियां चीन जैसे देशों से भारत में लैपटॉप, टैबलेट और सर्वर की सप्लाई भारत करती हैं। हालांकि भारत सरकार देश में भी लैपटॉप, कंप्यूटर और सर्वर की मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने की कोशिश है, जिसकी वजह से सरकार ने लैपटॉप, टैबलेट और सर्वर के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। केंद्र सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की मानें तो विदेश से लैपटॉप, टैबलेट और सर्वर को कुछ शर्तों के साथ मंगाया जा सकता है, जिसके मुताबिक आयात पर लाइसेंस जारी किया जाएगा, यानी लैपटॉप और कंप्यूटर को मंगाने की तभी इजाजत दी जाएगी, जब इनको इस्तेमाल खास मकसद के तहत ही किया जाएगा।

कॉम्पैक्ट और मिड साइज कारें बन रही पहली पसंद

-हर चौथी कार अब रुपए 12.5 लाख से महंगी

नई दिल्ली । भारत में अब लोग बजट नहीं बल्कि कॉम्पैक्ट और मिड साइज कारों को सबसे ज्यादा पसंद कर रहे हैं। वाहन कंपनियों के संगठन सियाम और ऑटोमोबाइल विश्लेषक जैटो डायनेमिक्स के आंकड़े दर्शाते हैं कि 2021-22 के मुकाबले 2022-23 और चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भी कार खरीदने को लेकर लोगों की पसंद तेजी से बदली है। आंकड़े दर्शाते हैं कि पांच साल पहले देश में कारों की कुल बिक्री में 7.5 लाख रुपए से कम दाम की कारों की हिस्सेदारी 58 प्रतिशत से ज्यादा थी। वहीं अब इनकी हिस्सेदारी करीब 50प्रतिशत घटकर 26-30प्रतिशत रह गई है। दूसरी ओर 7.5-12.5 लाख की कॉम्पैक्ट और मिड साइज कारों की कुल बिक्री में हिस्सेदारी बढ़कर 42-52प्रतिशतहो गई है। वहीं अब 7.5-25 लाख की कारों की बिक्री 62-77प्रतिशत तक हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, 12.5-25 लाख रुपये की एसयूवी और सेडान कारों की हिस्सेदारी 20-25प्रतिशतहो गई है। वहीं 25 लाख रुपये से ज्यादा महंगी लग्जरी कारों की हिस्सेदारी बढ़कर 5-7प्रतिशत तक हो गई है। कॉम्पैक्ट और मिड साइज सेगमेंट में लोगों को हुंडई क्रेटा, किया सेल्टोस, टाटा नेक्सॉन और महिंद्रा थार जैसी कारें सबसे ज्यादा पसंद आ रही हैं। ग्राहक अब कार में एडवांस फीचर्स की मांग करने लगे हैं। सबसे ज्यादा मांग वाले फीचर्स में टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम वाली कारें हैं। बिकने वाली तकरीबन 98प्रतिशत कारों में एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कारप्ले इंस्टॉल हैं। इसके अलावा कारों में एलेक्सा वॉइस असिस्टेंस की डिमांड भी बढ़ रही है। वहीं एडवांस ड्राइवर असिस्टेंट सिस्टम, इन्फोटेनमेंट, एबीएस -ईबीडी जैसे फीचर्स की भी डिमांड अधिक है। कारों में सबसे ज्यादा डिमांड में रहने वाले कुछ अन्य फीचर्स में 7-9 इंच का टचस्क्रीन, डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, वायरलेस कनेक्टिविटी, बैक कैमरा और पार्किंग सेंसर जैसे फीचर्स हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 481 अंक , निफ्टी 135 उछला

मुम्बई । घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबार दिन बाजार में ये उछाल लिवाली और दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के कारण आया है। आज कारोबार के दौरान आईटी कंपनियों के शेयरों में जबरदस्त तेजी आई। इसके अलावा इंट्रा-डे (एक ही दिन में शेयर खरीदने बेचने) के कारोबार में भी बढ़त रही। दिग्गज कंपनियों टीसीएस , इंफोसिस, आईटीसी, एक्सिस बैंक और एशियन पेंट्स के शेयरों में तेजी से बाजार को बल मिला है। इससे पहले पिछले तीन कारोबारी सत्र में शेयर बाजार नीचे आया था।

दिन भर के कारोबार के बाद बीएसई 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 480.57 अंक करीब 0.74 फीसदी उछलकर 65,721.25 अंक पर बंद हुआ जबकि एक समय सेंसेक्स 65,799.27 की ऊंचाई तक जाने के बाद 65,387.18 तक फिसला।

वहीं दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 135.35 अंक तकरीबन 0.7 फीसदी ऊपर आया है। निफ्टी दिन के अंत में 19,517.00 अंक पर जाकर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,538.85 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 19,436.45 तक आया। आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में 18 शेयर लाभ के साथ ही उछलकर बंद हुए। इंडसइंड बैंक, टेक महिंद्रा, विप्रो, भारती एयरटेल और एचसीएल टेक सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयर रहे। सबसे ज्यादा लाभ इंडसइंड बैंक के शेयरों को हुआ। इसके शेयर करीब 3.25 फीसदी तक उछले हैं। इसके अलावा एक्सिस बैंक, एचडीएफसी, रिलायंस, टीसीएस, लार्सन एंड टूब्रो, इंफोसिस, कोटक बैंक टाटा स्टील भी लाभ में रहे।

वहीं, दूसरी तरफ सेंसेक्स के शेयरों में 12 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। एसबीआई, एनटीपीसी, मारुति, टाटा मोटर्स, सन फार्मा, पावर ग्रिड, नेस्ले और बजाज फिनसर्व आदि सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। सबसे ज्यादा नुकसान एसबीआई के शेयरों को 2.94 फीसदी हुआ।

भारत और एलएसी देशों को साथ आने की जरूरतः गोयल

नई दिल्ली । वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पर्यटन, होटल और संबंधित क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने तथा निवेश को गति देने के लिए भारत और लातिन अमेरिका और कैरीबियाई (एलएसी) देशों के बीच सहयोग बढ़ाने की वकालत की। लातिन अमेरिका और कैरीबियाई क्षेत्र के देशों में इक्वाडोर, निकारागुआ, ब्राजील, अल-सल्वाडोर, पनामा, चिली, ग्वाटेमाला, पेरू, कोस्टा रिका, बेलीज, गुयाना और सूरीनाम हैं।उन्होंने कहा कि दोनों क्षेत्रों में व्यापार और निवेश बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं। गोयल ने कहा कि भारत और एलएसी देशों को साथ आने की जरूरत है, जिससे वैश्विक मंच पर उनकी आवाज सशक्त हो।उद्योग मंडल सीआईआई भारत-लातिन अमेरिका और कैरीबियाई (एलएसी) क्षेत्रीय सम्मेलन में उन्होंने कहा कि भारत चिकित्सा और होटल एवं संबद्ध क्षेत्र में अच्छा योगदान दे सकता है।

इंडिगो की दूसरी तिमाही में बढ़ सकती हैं मुश्किलें

मुंबई । पहली तिमाही में अब तक का सर्वोच्च मुनाफा कमाने के बावजूद इंटरग्लोब एविएशन की तरफ से परिचालित इंडिगो एयरलाइंस की चुनौतियां अल्पावधि में बढ़ रही हैं। इसे देखते हुए ज्यादातर ब्रोकरेज फर्मों ने अपनी रेटिंग व लक्षित कीमतें हालांकि बरकरार रखी है और इनकी सिफारिशों में खरीद से लेकर अंडरपरफॉर्म शामिल है। उदाहरण के लिए मोतीलाल ओसवाल फाइनैंशियल सर्विसेज ने इस शेयर पर तटस्थ रेटिंग बरकरार रखी है क्योंकि उसका मानना है कि किफायती विमानन सेवा कंपनी मौजूदा समय में शुरुआती चरण की समस्याओं का सामना कर रही है। ब्रोकरेज ने कहा कि सकारात्मक परिदृश्य और भारतीय विमानन उद्योग में मजबूत मांग के बावजूद हम कई चुनौतियां देख रहे हैं, जिनका समाधान होना है। ये चीजें इंडिगो के लिए सही तस्वीर नहीं बनाती। एक्सचेंजों पर एयरलाइंस का शेयर 4.5 फीसदी गिरकर 2,450 रुपये पर बंद हुआ। इसकी तुलना में बेंचमार्क एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 0.82 फीसदी गिरकर 65,241 पर बंद हुआ। विश्लेषकों के मुताबिक, जुलाई-सितंबर तिमाही में इंडिगो का मुनाफा प्रभावित हो सकता है, जिसकी वजह सीजन के लिहाज से कमजोर तिमाही में किराया कम होना और ईंधन की ज्यादा कीमत है। प्रबंधन का कहना है कि ये चीजें चालू वित्त वर्ष 24 की दूसरी तिमाही में प्रतिफल पर 10 से 15 फीसदी का असर डाल सकती है।

देश में मंडरा रहा महंगाई का खतरा!

- वित्त मंत्रालय ने जारी की अपनी आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट

नई दिल्ली । वित्त मंत्रालय ने हाल ही में अपनी मासिक आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट में चेतावनी दी है कि खाद्य मुद्रास्फीति में हालिया उछाल से सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को सतर्क रुख अपनाने की जरूरत है। वित्त मंत्रालय ने 3 अगस्त को जारी अपनी मासिक आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट में कहा कि मौसम संबंधी व्यवधानों के कारण फलों, सब्जियों और दालों और उत्पादों की कीमतों में वृद्धि से सीपीआई-खाद्य मुद्रास्फीति मई में 3 फीसदी से बढ़कर जून में 4.5 फीसदी हो गई, जो की आरबीआई और सरकार द्वारा संरक्षित दृष्टिकोण की आवश्यकता को रेखांकित करती है। 12 जुलाई को जारी किए गए आंकड़ों से पता चलता है कि भारत की प्रमुख खुदरा मुद्रास्फीति दर ने जून में चार महीने की गिरावट का सिलसिला तोड़ दिया और मई में 4.31 प्रतिशत से बढ़कर 4.81 प्रतिशत हो गई। इसका कारण है खाद्य मुद्रास्फीति में 2.96 प्रतिशत से 4.49 प्रतिशत की तेज वृद्धि।

खासकर टमाटर की कीमत बीते महीने से आसमान छूती नजर आ रही है, जिसको लेकर सरकार संभावित अन्य उपायों के जरिए इसकी बढ़ती कीमतों पर रोक लगाने का प्रयास कर रही है। अर्थशास्त्रियों को उम्मीद है कि सीपीआई मुद्रास्फीति जुलाई में और भी तेजी से बढ़ेगी, जिसके आंकड़े 14 अगस्त को जारी किए जाएंगे।वित्त मंत्रालय ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि अच्छी मानसूनी बारिश, मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में सतत विस्तार और सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों का बड़े पैमाने पर पूंजीगत व्यय करना चालू वित्त वर्ष में व्यापक आर्थिक स्थिरता और ग्रोथ के लिए अच्छा संकेत है। हालांकि, भारत को प्रतिकूल विकास को लेकर सतर्क रहने को कहा है, जिससे की देश के विकास के रास्ते में कोई बाधा न आए। वित्त मंत्रालय ने मासिक आर्थिक सर्वेक्षण के जून संस्करण में कहा है कि हाल के वर्षों में पूंजीगत व्यय पर सरकार के जोर के साथ प्रमुख बुनियादी ढांचे में निवेश पर काफी बल दिया गया है। इससे प्राइवेट सेक्टर में भी रोजगार सृजन, आय, उत्पादकता, मांग और निर्यात के अनुकूल चक्र का हिस्सा बना है।

रिपोर्ट के मुताबिक, विपरीत ग्लोबल घटनाक्रम के बावजूद सेवा निर्यात में मजबूत प्रदर्शन के कारण भारत का निर्यात में प्रदर्शन भी अच्छा रहने की संभावना है। इसमें कहा गया है कि देश में डिजिटलीकरण अभियान के कारण, घर से काम करने की बढ़ती प्राथमिकता और वैश्विक क्षमता केंद्रों के बढ़ते प्रसार से भारत के सेवा निर्यात में और वृद्धि होने की उम्मीद है। भारत में मानसून के बेहतर रहने, ठोस राजकोषीय प्रदर्शन, विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में निरंतर विस्तार, सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों द्वारा जोरदार पूंजीगत व्यय वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की व्यापक आर्थिक स्थिरता और वृद्धि के लिए काफी अच्छा संकेत है। लेकिन ऐसी स्थिरता और वृद्धि के लिए लगातार नीतिगत सतर्कता रखनी होती है।

बिकने जा रहा देश का सबसे बड़ा नोएडा का जीआईपी मॉल

नई दिल्ली । नोएडा में सेक्टर 18 के बाद दूसरा सबसे फेमस लैंडमार्क बनने वाला जीआईपी मॉल अब बिकने के लिए तैयार है। कुछ बरस पहले तक इस मॉल के पास देश के सबसे बड़े मॉल का टैग था लेकिन अब ये मॉल अपनी पुरानी रौनक खोता जा रहा है। इसकी वजह है कि अब इस मॉल में आने वालों लोगों की संख्या में भारी कमी आ गई है। कोई यहां मूवी देखने आता था तो कोई शॉपिंग करने या फिर घूमने और खाने पीने लेकिन अब इस मॉल में बहुत कम लोग आते हैं। इस मॉल में वंडर्स ऑफ वंडर के साथ मनोरंजन पार्क भी शामिल है। 147 एकड़ में फैले इस डेवलपमेंट को बेचने के बाद जो रुपए आएंगे उसका इस्तेमाल कर्ज को चुकाने के लिए किया जाएगा। इस मॉल को द ग्रेट इंडिया प्लेस को अप्पू घर ग्रुप और द यूनिटेक ग्रुप द्वारा डेवलप किया गया था। इसका रख रखाव एंटरटेनमेंट सिटी लिमिटेड द्वारा किया जाता है। यह नोएडा सेक्टर 18 मेट्रो स्टेशन से सटे सेक्टर 38 ए में स्थित है। एंटरटेनमेंट सिटी लिमिटेड के प्रमोटर जो नोएडा में द ग्रेट इंडिया प्लेस, गार्डन्स गैलेरिया मॉल, वर्ल्ड्स ऑफ वंडर एम्यूजमेंट पार्क और किडजानिया का संचालन करते हैं।

अब पूरे 147 एकड़ के डेवलपमेंट को बेचने की तैयारी कर रहे हैं। इसे कितने में बेचा जाएगा इस बात का अभी खुलासा नहीं हुआ है! यहां की खाली जमीन को नया खरीदार आगे चलकर डेवलप कर सकता है! यहां अभी करीब 1.7 मिलियन वर्ग फुट क्षेत्र डेवलप करने के लिए उपलब्ध है। जो भी खरीदार इसे खरीदेगा वो इस खाली जमीन का इस्तेमाल आवासीय या कमर्शियल बिल्डिंग बनाने के लिए कर सकता है। जीआईपी मॉल साल 2007 में बनकर तैयार हुआ था। ये वो समय था जब इसे देश का सबसे बड़ा मॉल कहा जाता था।

मस्क खुद लोगों से वसूल रहे पैसा, पर ऐपल के बॉस को दी फीस कम करने की सलाह

वाशिंगटन । जब से दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर (अब एक्स) की कमान संभाली है, वो खबरों में बने हुए हैं। मस्क खुद वेरिफाइड यूजर्स से पैसा वसूल रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ वो ऐपल के सीईओ टिम कुक से ऐप स्टोर पर लग रहे फीस को कम करने की मांग कर रहे हैं। गौरतलब है कि जब भी आम यूजर किसी ऐप का सब्सक्रिप्शन लेता है तो ऐप स्टोर या गूगल प्ले स्टोर उस सब्स्क्रिप्शन फीस पर अपना कमीशन लेते हैं। एलन मस्क का प्लान है कि ऐपल इस फीस से एक्स को छूट दे दे। उनका मानना है कि इससे क्रिएटर्स की अर्निंग बढ़ेगी। एक्स ने कुछ समय पहले ही कॉन्टेंट क्रिएटर्स के विज्ञापन से होने वाली कमाई का शेयर पे करना शुरू किया है। मस्क चाहते हैं कि जब तक पेआउट एक लाख डॉलर और 10 फीसदी से ज्यादा न हो, तब तक एक्स को फीस न चुकानी पड़े। उन्हें उम्मीद है कि ऐपल एक्स की 30 फीसदी फीस समायोजित कर दे, क्योंकि उतना ही अमाउंट एक्स के हाथ में आ पाता है। ऐप स्टोर की फीस और उससे जुड़ी नीतियों को लेकर कई डेवलपर्स ने ऐपल की आलोचना की है। मस्क ने स्वयं सार्वजनिक रूप से ऐपल के सीक्रेट 30 फीसदी टैक्स के खिलाफ आह्वान किया था। ऐप स्टोर की फीस चुकाने से बचने के लिए उन्होंने ट्विटर ब्लू (अब एक्स ब्ल्यू) के लॉन्च में भी देरी की। उन्होंने ऐपल पर ऐप स्टोर से एक्स को हटाने की धमकी देने का भी आरोप लगाया था।

मॉर्गन स्टेनली ने भारत की रेटिंग में किया बदलाव

- अमेरिका के बाद अब चीन को लगा झटका

मुंबई । अमेरिका और चीन जैसे दुनिया के दिग्गज देश जहां आर्थिक मंदी के संकट से जूझ रहे हैं, वहीं दुनिया का भरोसा भारत पर बढ़ता दिख रहा है। इसका एक संकेत हाल ही में जारी हुई दुनिया की मशहूर ब्रोकरेज फर्म मॉर्गन स्टेनली की ताजा रिपोर्ट से मिला है। मॉर्गन स्टेनली ने भारत की रेटिंग में बदलाव किया है और इसको बढ़ाकर ओवरवेट कर दिया है। दूसरी ओर रेटिंग एजेंसी ने चीन को बड़ा झटका दिया है। ब्रोकरेज फर्म ने चीनी शेयरों पर अपनी रेटिंग को गिराया है। बता दें कि कल ही फिच ने भी दुनिया की सबसे बड़ी इकोनॉमी अमेरिका की रेटिंग को डाउनग्रेड किया है। ब्रोकरेज फर्म का मानना है कि देश का आर्थिक सुधार और मैक्रो-स्टेबिलिटी एजेंडा एक मजबूत कैपिटल एक्सपेंडीचर और प्रॉफिट आउटलुक को सपोर्ट करता है। मॉर्गन स्टेनली को उम्मीद है कि भारत की अर्थव्यवस्था भविष्य में बेहतर परफॉर्म करेगी। स्टेनली का मानना है कि भारत में लंबी तेजी की शुरुआत होने वाली है, जबकि चीन की तेजी खत्म होने के करीब है। मॉर्गन स्टेनली ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारत की स्थिति काफी हद तक चीन के अतीत जैसी दिखाई देती है। भारत यकीनन ग्रोथ की एक लंबी लहर की शुरुआत में है। वहीं चीन में यह खत्म हो रहा है। भारत की इकॉनमी 6.2 फीसदी के जीडीपी पूर्वानुमान को प्राप्त करने के रास्ते पर है। दशक के अंत में चीन का जीडीपी ग्रोथ रेट भारत के 6.5 फीसदी की तुलना में लगभग 3.9 फीसदी रहेगा। नोट में यह भी कहा गया है कि डेमोग्राफिक ट्रेंड भी भारत के फेवर में दिख रहा है, जबकि चीन में पिछले दशक की शुरुआत से कामकाजी उम्र की आबादी में गिरावट देखी गई है।

सऊदी अरब तेल उत्पादन में कटौती सितंबर तक जारी रखेगा

दुबई । सऊदी अरब ने कहा कि वह कच्चे तेल के उत्पादन में रोजाना 10 लाख बैरल प्रतिदिन की कटौती सितंबर तक जारी रखेगा। कच्चे तेल की सुस्त पड़ती कीमतों में तेजी लाने के लिए सऊदी अरब ने जुलाई में तेल उत्पादन में 10 लाख बैरल प्रतिदिन की कटौती की घोषणा की थी, लेकिन अब उसने सितंबर के अंत तक यह सिलसिला जारी रखने का फैसला किया है। सरकारी संवाद समिति सऊदी प्रेस एजेंसी ने ऊर्जा मंत्रालय के एक अधिकारी का हवाला देते हुए कहा कि जरूरत पड़ने पर तेल उत्पादन में इस कटौती की मात्रा बढ़ाने के साथ समयसीमा को आगे भी बढ़ाया जा सकता है। सऊदी अरब के इस अधिकारी ने कहा कि हमने यह अतिरिक्त स्वैच्छिक कटौती तेल निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) एवं सहयोगी देशों के एहतियाती कदमों को मजबूती देने के लिए उठाया है। तेल बाजार को स्थिर एवं संतुलित रखने के लिए उत्पादन में कटौती की जा रही है। पेट्रोलियम उत्पादक देशों के संगठन ओपेक और सहयोग देशों (ओपेक प्लस) ने कच्चे तेल की नरम पड़ती कीमतों को तेज करने के लिए उत्पादन कम करने का फैसला किया है। इन देशों ने अपने उत्पादन में कटौती अगले साल तक जारी रखने पर सहमति जताई है।

दुबई के मनमोहक शहर में एक अविस्मरणीय लंबे सप्ताहांत का आनंद लें

राष्ट्रीय। लंबे सप्ताहांत के करीब आने के साथ, एक रोमांचक छुट्टी की योजना बनाने का इससे बेहतर समय कोई नहीं है! अविस्मरणीय अनुभव चाहने वालों के लिए, दुबई के अलावा और कहीं न देखें, एक ऐसा गंतव्य जो भारत से एक छोटी सी उड़ान के भीतर संस्कृति, रोमांच, विलासिता और बहुत कुछ का एक असाधारण मिश्रण प्रदान करता है। आधुनिकता और परंपरा, विलासिता और रोमांच के मिश्रण का आनंद लें, क्योंकि आप विश्व स्तरीय आकर्षण, प्रतिष्ठित स्थल और गर्मजोशी भरा आतिथ्य देखेंगे।

यहां कुछ कारण बताए गए हैं कि आगामी लंबे सप्ताहांत के लिए दुबई आपकी सूची में शीर्ष पर क्यों होना चाहिए:

पहुंच: दुबई सीधी उड़ानों द्वारा भारत के प्रमुख शहरों से जुड़ा हुआ है। निर्बाध कनेक्टिविटी और शानदार ऑफर के साथ, दुबई त्वरित छुट्टी के लिए एक आदर्श विकल्प है जो आपको तरोताजा कर देगा।

पाककला का आनंद: दुबई के पाककला विकल्प आपको चुनने के लिए मजबूर कर देंगे। दुनिया भर के विभिन्न स्वादों और व्यंजनों का आनंद लें। मिशेलिन-तारांकित रेस्तरां से लेकर स्थानीय अमीराती व्यंजन, प्रामाणिक भारतीय व्यंजन और स्ट्रीट फूड तक, दुबई खाने के शौकीनों के लिए एक बेहतरीन जगह है।

प्रतिष्ठित स्थल: दुबई दुनिया के कुछ सबसे प्रतिष्ठित स्थलों का घर है। शक्तिशाली बुर्ज खलीफा से लेकर, मंत्रमुग्ध कर देने वाला दुबई फाउंटेन शो और आश्चर्यजनक मनोरम दृश्यों के लिए शानदार पाम जुमेराह - विकल्प वास्तव में अंतहीन हैं।

विविध अनुभव: दुबई हर किसी के लिए कुछ न कुछ प्रदान करता है, परिवारों, जोड़ों, दोस्तों और अकेले यात्रियों के लिए एक सुखद अनुभव सुनिश्चित करता है। रोमांच और रोमांच चाहने वालों के लिए, दुबई रोमांचक रेगिस्तानी सफारी, पाम जुमेराह पर स्काइडाइविंग अनुभव और अपने प्राचीन समुद्र तटों पर पानी के खेल प्रदान करता है। परिवार कई थीम पार्कों, वन्यजीव अभयारण्यों और इंटरैक्टिव संग्रहालयों में गुणवत्तापूर्ण समय बिता सकते हैं।

भारत 2031 तक बन सकता है 6.7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्थाः एसएंडपी ग्लोबल

- अभी फिलहाल 3,400 अरब डॉलर है भारत की अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली । भारत अगर अगले सात साल तक औसतन 6.7 प्रतिशत की दर से वृद्धि करता है तो उसकी अर्थव्यवस्था वर्ष 2031 तक 6,700 अरब डॉलर की हो जाएगी जो फिलहाल 3,400 अरब डॉलर की है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने अपनी एक रिपोर्ट में यह संभावना जताई है। वित्त वर्ष 2022-23 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रही थी। एसएंडपी ग्लोबल ने लुक फॉरवर्ड इंडियाज मनी शीर्षक से जारी अपनी रिपोर्ट में यह अनुमान जताया है। हालांकि उसने कहा है कि वैश्विक सुस्ती और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नीतिगत दर में बढ़ोतरी के विलंबित प्रभाव से वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष में धीमी पड़कर छह प्रतिशत रह सकती है। साख तय करने वाली एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के वैश्विक मुख्य अर्थशास्त्री पॉल ग्रुएनवाल्ड, क्रिसिल के मुख्य अर्थशास्त्री धर्मकीर्ति जोशी और एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस के मुख्य अर्थशास्त्री (एशिया-प्रशांत) राजीव बिस्वास ने मिलकर यह रिपोर्ट तैयार की है।

रिपोर्ट में कहा है कि हम उम्मीद कर रहे हैं कि भारत वित्त वर्ष 2023-24 से वित्त वर्ष 2030-31 तक औसतन 6.7 प्रतिशत की दर से वृद्धि करेगा। इस दर से की जीडीपी वित्त वर्ष 2022-23 के 3,400 अरब डॉलर से बढ़कर 6,700 अरब डॉलर हो जाएगी। इस दौरान प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद भी बढ़कर करीब 4,500 डॉलर हो जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले एक दशक में भारत के लिए बड़ी चुनौती पारंपरिक रूप से असंतुलित वृद्धि को उच्च तथा स्थिर प्रवृत्ति में बदलने की होगी। सरकार और निजी क्षेत्र के बुनियादी ढांचे तथा विनिर्माण क्षेत्र में तेजी से निवेश से भारत इस रास्ते पर बढ़ सकता है।

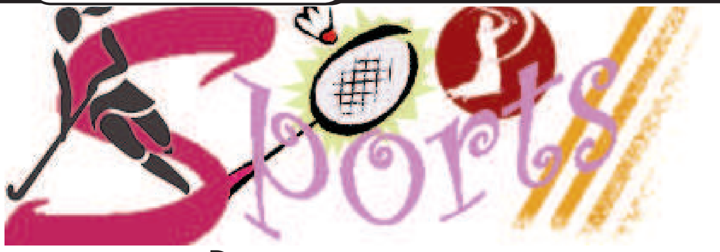

टीम इंडिया 200 टी20 मैच खेलने वाली दूसरी टीम बनी

तरौबा । भारतीय क्रिकेट टीम ने मेजबान वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टी20 में उतरने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। इस मैच के साथ ही भारतीय टीम ने अपना 200 वां टी20 मैच खेला है। इस आंकड़े तक पहुंचने वाली वह पहली टीम है। वहीं सबसे अधिक टी20 खेलने का रिकार्ड पाकिस्तान टीम के नाम हैं। उसने अब तक 223 टी20 मैच खेले हैं। न्यूजीलैंड टीम इस सूची में तीसरे नंबर पर है उसके नाम 193 जबकि श्रीलंका और वेस्टइंडीज के नाम 179 मैच हैं। ऑस्ट्रेलिया 174, इंग्लैंड 173, दक्षिण अफ्रीका 168 और बांग्लादेश और आयरलैंड के नाम 152 मैच हैं। इस मैच में वेस्टइंडीज के कप्तान रोवमैन पॉवेल ने टॉस जीत पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। मैच में मेजबान टीम को चार रनो से जीत मिली। वहीं भारतीय टीम की कप्तानी हार्दिक पंड्या ने की।

इंग्लैंड के विस्फोटक बल्लेबाज ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

लंदन ।

इंग्लैंड के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से तत्काल प्रभाव से संन्यास की घोषणा की। हेल्स ने अगस्त 2011 में मैनचेस्टर में टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। उन्होंने 11 टेस्ट, 70 एक दिवसीय और 75 टी20 में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व किया। अंतरराष्ट्रीय मंच पर हेल्स की आखिरी प्रभावशाली पारी भी भारत के खिलाफ थी। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप 2022 के सेमीफाइनल में 47 गेंदों में 86 रन (चार चौके और सात छक्के) की ताबड़तोड़ पारी खेली थी। हेल्स और जोस बटलर (नाबाद 80) ने एडिलेड में 169 रनों का पीछा करते हुए इंग्लैंड को 10 विकेट से जीत दिलाई थी। हेल्स ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। तीनों प्रारूपों में 156 मैचों में अपने देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। मैंने जीवन भर के लिए कुछ यादें और कुछ दोस्त बनाये है। मुझे लगता है कि अब आगे बढ़ने का सही समय है। हेल्स ने इंग्लैंड के लिए अपना आखिरी मैच 2022 के टी20 विश्व कप फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ मेलबर्न में खेला था। उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड की जर्सी में कुछ ऊंचाइयों के साथ नाकामियों को भी अनुभव किया है। इस एक अविश्वसनीय यात्रा के दौरान मुझे बहुत संतुष्टि महसूस हो रही है कि इंग्लैंड के लिए मेरा आखिरी मैच विश्व कप फाइनल जीतना था। हेल्स 2019 में विश्व कप जीतने वाली इंग्लैंड की टीम का हिस्सा नहीं थे। ड्रग सेवन से जुड़े मामले में उन्हें 21 दिन के लिए प्रतिबंधित किया गया था और तत्कालीन कप्तान इयोन मोर्गन ने इसे 'पूरी तरह से भरोसा तोड़ने वाला करार दिया था। हेल्स ने हालांकि सफेद गेंद (सीमित ओवरों की क्रिकेट) में इंग्लैंड की टीम को फिर से शीर्ष पर पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। उनकी 92 गेंद की 147 रन की पारी के दम टीम ने 2018 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ छह विकेट पर 481 रन बनाये थे। यह एकदिवसीय क्रिकेट का दूसरा सर्वोच्च स्कोर है।

उन्होंने 70 एकदिवसीय में छह शतक और 14 अर्धशतकों की मदद से 37.79 की औसत के साथ 2419 रन बनाये है। इस आक्रामक बल्लेबाज से 75 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 30.95 कर औसत से 2074 रन बनाये।

देश भर में खोलेंगे 1,000 खेलो इंडिया केंद्र : ठाकुर

227 केन्द्र पूर्वोत्तर राज्यों में होंगे

नई दिल्ली ।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने आज कहा कि देख भर में इस साल एक हजार खेलों इंडिया केन्द्र खोल जाएंगे। साथ ही कहा कि इसमें से 227 केन्द्र पूर्वोत्तर राज्यों में खोले जाएंगे। ठाकुर ने कहा कि सरकार का प्रयास देश के हर जिले में एक खेलो इंडिया केंद्र खोलने का है पर पूर्वोत्तर राज्यों में हर जिले में दो केंद्र खोलने पर जोर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश को कई सफलताएं दिलाएं हैं। इसलिए सरकार उस क्षेत्र में खेल संबंधी बुनियादी ढांचे के विकास पर भी विशेष जोर दे रही है।

उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में खेल बुनियादी ढांचा के विकास के लिए करीब 75 परियोजनाओं को मंजूरी दे दी गयी है जिनमें करीब 520.60 करोड़ रूपये का खर्च आएगा। ठाकुर ने कहा कि पूर्वोत्तर राज्य देश में खेल महाशक्ति के केंद्र हैं और इन्होंने देश को कई अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त खिलाड़ी दिए हैं। उन्होंने कहा कि खेल के राज्य का विषय होने के कारण खेल अवसंरचना के विकास सहित खेलों के विकास की जिम्मेदारी मुख्य रूप से राज्य सरकारों की ही है और केंद्र का काम इसमें उनकी सहायता करना है।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में हारी हारी सिंधु

सिडनी ।

भारत की महिला बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधु अमेरिकी ओपन में हार के साथ ही बाहर हो गयी हैं। सिंधु को महिला एकल क्वार्टर फाइनल में चीनी मूल की अमेरिकी खिलाड़ी बेवेन झांग ने सीधे गेम में 21-12, 21-17 से हराया। ये मुकाबला आधिक घंटे से कुछ अधिक समय चला। सिंधु अब विश्व रैंकिंग में 17वें स्थान पर खिसक गयी हैं। सिधु ने यहां अपने ही देश की अष्मिता चालिहा और आकर्षि कश्यप को पहले दो दौर में हराया था पर झांग के खिलाफ वह हावी नहीं हो पायीं। अब वह 21 से 27 अगस्त तक डेनमार्क के कोपेनहेगन में विश्व चैम्पियनशिप खेलेंगी। विश्व चैम्पियनशिप 2019 विजेता सिंधु चोट से उबरने के बाद से ही लय में नहीं हैं। वह इस साल 12 बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर टूर्नामेंटों में से सात में शुरुआत में ही बाहर हो गई। साल की शुरूआत में उन्होंने अपना कोच भी बदला था पर उससे भी कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा।

Credit: AP

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पहले मैच में चीन को 7-2 से हराया

चेन्नई ।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी के पहले ही मैच में चीन को 7-2 से हरा दिया। इस मैच में भारतीय टीम टीम ने एक मैदान गोल किया जबकि छह गोल पेनल्टी कॉर्नर के जरिए हुए। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम बेहतर गोल अंतर के आधार पर अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है। भारतीय टीम की ओर से कप्तान हरमनप्रीत सिंह और वरुण कुमार ने दो-दो गोल दागे। करमनप्रीत ने पांचवें और आठवें जबकि सुखजीत सिंह ने 15 वें मिनट में एक गोल किया। आकाशदीप सिंह ने 16 मिनट में एक और गोल कर भारतीय टीम की बढ़त को बढ़ा दिया। वरुण कुमार ने 19 वें और 30 वें जबकि मनदीप सिंह ने 40 मिनट में एक गोल दागकर भारतीय टीम को अपराजेय बढ़त दिलायी। वहीं चीन की ओर से वहीवेनहुई ने 18 वें और जिशेंग गाओ ने 25 वें मिनट में एक-एक गोल किया। भारतीय टीम के उपकप्तान हार्दिक ने मैच के बाद कहा, 'पेनल्टी कॉर्नर हमारी ताकत हैं और हम इस विकल्प का पूरा इस्तेमाल करेंगे। उन्होंने कहा कि पेनल्टी पर गोल हो रहे हैं, ये हमारे लिए अच्छी बात है। उन्होंने कहा, 'हमारा लक्ष्य पेनल्टी कॉर्नर की दर अच्छी बनाये रखना और कम से कम दो या तीन गोल उसके जरिए करना है। इसके अलावा हमें हर क्वार्टर में अवसर बनाने हैं। भारत को अब शुक्रवार को जापान से खेलना है। उसमें भी टीम जीत के इरादे से उतरेगी।

संक्षिप्त समाचार

आरसीबी के नये कोच बने फ्लावर

बैंगलोर । रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने संजय बांगर की जगह पर जिम्बाब्वे के एंडी फ्लावर को अपना नया मुख्य कोच बनाया है। गत दो वर्षों में लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ काम करने के बाद फ्लावर को आईपीएल में बेंगलुरु की टीम ने अपने साथ जोड़ा है। फ्लावर सुपर जायंट्स में तब शामिल हुए थे जब फ्रेंचाइजी 2022 में अपनी शुरुआत कर रही थी। उन्होंने मेंटर गौतम गंभीर और कप्तान केएल राहुल के साथ मिलकर काम किया और उन्हें पहले दो सत्र में प्लेऑफ़ में पहुंचाया। वहीं जुलाई की शुरुआत में फ्लावर से अलग होने के बाद सुपर जायंट्स ने ऑस्ट्रेलिया के जस्टिन लैंगर को अपना मुख्य कोच बनाया था। इस बीच, आरसीबी ने कहा है कि वह माइक हेसन और संजय बांगर से अलग हो गये हैं। हेसन को साल 2019 में आरसीबी टीम प्रबंधन का नेतृत्व करने के लिए नियुक्त किया गया था। हेसन के रहते टीम तीन प्लेऑफ़ में फाइनल तक पहुंची थी। आरसीबी आईपीएल 2023 में शीर्ष 4 स्थान पर पहुंचने में भी सफल नहीं रही। आरसीबी ने एक बयान में कहा कि फ्लावर का आरसीबी पुरुष टीम के मुख्य कोच के रूप में स्वागत करते हुए बहुत उत्साहित हैं। आरसीबी ने यह भी कहा कि दुनिया भर में आईपीएल और टी20 टीमों को कोचिंग देने और पीएसएल, आईएलटी20, द हंड्रेड और अबू धाबी टी10 में अपनी टीमों को खिताब दिलाने का एंडी का अनुभव चैंपियनशिप जीतने वाली मानसिकता विकसित करने और आरसीबी के प्ले बोल्ड दर्शन जैसे नारे को आगे ले जाने में मदद करेगा।

पांड्या ने बताया हार का कारण

तरौबा । टी20 सिरीज के लिए भारतीय टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या ने पहले ही टी20 मैच में मेजबान वेस्टइंडीज के हाथों मिली हार पर निराश व्यक्त करते हुए कहा कि लगातार विकेट खोने से ये हार मिली है। भारतीय टीम को पहले मैच में चार रनों से हार का सामना करना पड़ा था। मैच के बाद पांड्या ने कहा, पूरे खेल के दौरान मैच में हम बने हुए थे। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि टी20 क्रिकेट में अगर आप विकेट खो देते हैं, तो अंत में लक्ष्य का पहुंचना कठिन हो जाता है। जब हमने लगातार कुछ विकेट खो दिए तो मैच हमारे हाथ से निकल गया। कप्तान के अनुसार टीम को उसकी गलतियों के कारण हार का सामना करना पड़ा है। पांड्या ने कहा कि इस मैच में तीन स्पिनरों को शामिल करने का फैसला हलातों को देखते हुए लिया गया था। भारतीय टीम ने इस मैच में कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल और अक्षर पटेल को शामिल किया था। वहीं तेज गेंदबाज के तौर पर अर्शदीप सिंह और मुकेश कुमार शामिल थे। पांड्या ने कहा, तीन स्पिनरों को रखना हालात के अनुरूप था। हम चाहते थे कि चहल और कुलदीप एक साथ खेलें और अक्षर रन बनाएं। मध्यम गति के गेंदबाज मुकेश का पदार्पण मैच में अच्छा प्रदर्शन रहा। पांड्या ले बल्लेबाज तिलक वर्मा की भी प्रशंसा की। तिलन ने अपने पदार्पण मैच में ही 22 गेंदों में 39 बनाकर बना दिये।

बीसीसीआई ने मीडिया अधिकारों को लेकर जारी की निविदाएं , डिजिटल अधिकारों का बेस प्राइज टीवी रखा

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आने वाले टूर्नामेंटों के लिए मीडिया अधिकारों को लेकर निविदाएं जारी कर दी गयी हैं। इसमें टीवी से अधिक बेस प्राइज (आधार मूल्य) डिजिटल अधिकारों के लिए रखा है। यह पहली बार हुआ है जब डिजिटल अधिकारों के लिए आधार मूल्य ज्यादा है। बीसीसीआई ने मीडिया अधिकार चक्र के लिए कुल आधार मूल्य को घटाकर 45 करोड़ रुपए प्रति मैच कर दिया है ताकि अधिक समूह सामने आ सकें। डिज्नी और हॉटस्टार ने हाल ही में समाप्त हुए चक्र में प्रति मैच 61 करोड़ रुपए का भुगतान किया था। क्रिकेट में डिजिटल अधिकारों का आधार मूल्य इससे पहले अभी भी टीवी अधिकारों से ज्यादा नहीं रहा है। बीसीसीआई द्वारा जारी निविदा के अनुसार बोर्ड ने पैकेज ए के लिए प्रति मैच 20 करोड़ रुपए का आधार मूल्य निर्धारित किया है, जिसमें भारतीय उपमहाद्वीप के टीवी अधिकार शामिल हैं। वहीं पैकेज बी में वैश्विक डिजिटल अधिकार और शेष विश्व टीवी अधिकार शामिल हैं, जिसका आधार मूल्य 25 करोड़ रुपए प्रति मैच है। वहीं इंडियन प्रीमियर लीग टीवी और डिजिटल अधिकारों का आधार मूल्य 49 करोड़ रुपए और 33 करोड़ रुपये प्रति मैच था। कुछ आईपीएल मैचों वाले विशेष डिजिटल अधिकार पैकेज में प्रति मैच 16 करोड़ रुपए का आधार मूल्य रखा गया था। उद्योग विशेषज्ञों ने कहा कि कुछ मीडिया कंपनियों के सामने आने वाली चुनौतियों को देखते हुए, बाजार में सभी प्रमुख खिलाड़ियों की अधिकतम भागीदारी की अनुमति देने के लिए ही आधार मूल्य कम किया गया है। ई-नीलामी 31 अगस्त को शुरू होगी जिसमें डिजनी हॉटस्टार, वायाकॉम 18 और सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया के बीच टीवी और डिजिटल दोनों अधिकारों के लिए प्रतिस्पर्धा होने की उम्मीद है। मीडिया अधिकार निविदा पांच साल (2023-28) के लिए जारी की गई है जिसमें 88 मैच शामिल हैं। प्रति मैच 45 करोड़ रुपए के हिसाब से कुल आधारमूल्य 3,960 करोड़ रुपए आता है। आधार मूल्य कम करते हुए बीसीसीआई ने प्रति मैच 60 करोड़ रुपए या 88 मैचों के लिए 5,280 करोड़ रुपए की सीमा तय की है। यदि बोलियां प्रति मैच 60 करोड़ रुपए से कम होती हैं, तो बीसीसीआई बोली प्रक्रिया को रद्द करने का अधिकार भी रखता है। गौरतलब है कि डिजनी ने 2018-23 मीडिया अधिकार चक्र के लिए 6,138 करोड़ रुपए का भुगतान किया था।

हार की समीक्षा करेंगे : अर्शदीप

तारोबा । टीम इंडिया के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने वेस्टइंडीज के हाथों पहले ही टी20 मैच में मिली हार पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि इसकी समीक्षा की जाएगी। अर्शदीप के अनुसार इसको लेकर जरुरत से ज्यादा चिन्ता भी न करें। वहीं टीम में पुछल्ले बल्लेबाजों की अधिकता पर भी उन्होंने सफाई। साथ ही कहा कि हारने के बाद इस प्रकार की बातें सामने आती हैं। वहीं टीम के बल्लेबाजी क्रम के बारे में सवालों पर अर्शदीप ने कहा कि चिंता की कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा, 'मैच के बाद इस तरह की बातें होती है। हमने जो अंतिम एकादश उतारी, हमें भरोसा था कि हम मैच जीतेंगे। हम हमेशा अपनी अंतिम एकादश के साथ होते हैं, चाहे इसमें छह गेंदबाज हों या नौ। इससे कोई प्रभाव नहीं पड़ता। अर्शदीप ने कहा, 'एक बल्लेबाज को अंत तक टिककर चाहिए था क्योंकि आखिरी दो ओवर में 30 गज के भीतर पांच फील्डर थे। उन्होंने कहा, 'हम हार की समीक्षा करेंगे। यह देखेंगे कि कहां गलत हुई और किस प्रकार उसे ठीक किया जा सकता है।

एशिया कप में खेल सकते हैं राहुल

मुम्बई । बल्लेबाल लोकेश राहुल आजकल रिहैब के दौर से गुजर रहे हैं। अब तक कहा जा रहा था कि वह पूरी तरह से फिट नहीं है और उनका एशिया कप खेलना संदिग्ध है पर अब आई एक रिपोर्ट के अनसार राहुल एशिया कप में खेल सकते हैं। राहुल आईपीएल 2023 में चोट के कारण बाहर हो गए थे। राहुल अगर एशिया कप से पहले वापसी करते हैं तो उनको अपनी लय हासिल करने का अच्छा अवसर भी मिल जाएगा क्योंकि इस बार ये टूर्नामेंट 50 ओवरों का खेला जाएगा। राहुल ने पिछले दिनों स्वयं सोशल मीडिया पर अपनी तैयारी का एक वीडियो भी जारी किया इसमें वे विकेटकीपिंग के साथ-साथ बल्लेबाजी अभ्यास भी करते दिखे। वहीं मध्य क्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर अभी भी पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं। ऐसे में उनका एशिया कप में भाग लेना संभव नहीं है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा भी चोट के बाद वापसी के लिए तैयार हैं। इन दोनो को ही आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में जगह भी मिली है। एशिया कप के मुकाबले 30 अगस्त से 17 सितंबर तक पाकिस्तान और श्रीलंका में खेले जाने हैं। इसमें कुल 6 टीमें भाग लेंगी। इसमें भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा गया है और दोनों की टक्कर 2 सितंबर को होनी है। राहुल के एकदिवसीय रिकॉर्ड की बात करें, तो उन्होंने अब तक 54 मैच की 52 पारियों में 45 की औसत से 1986 रन बनाये। 112 रन उना सबसे अधिक स्कोर होने के साथ ही स्ट्राइक रेट 87 का है। लिस्ट-ए क्रिकेट में 9 शतक के अलावा 26 अर्धशतक भी उनके नाम हैं। एशिया कप के लिए अगले सप्ताह टीम की घोषणा हो सकती है। इसमें उन्हीं खिलाड़ियों को अवसर दिया जाएगा जिन्हें विश्वकप के लिए टीम में शामिल किया जाएगा।

वेस्टइंडीज ने पहले टी20 में भारतीय टीम को चार रनों से हराया

सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की

तरौबा।

भारतीय क्रिकेट टीम को मेजबान वेस्टइंडीज के हाथों यहां पहले ही टी20 मुकाबले में चार रनों से हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में मेजबान टीम के कप्तान कप्तान रोवमैन पॉवेल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। टीम ने निकोल्स पूरन के 41 और कप्तान रोवमैन पॉवेल के 48 रनों की सहायता से 20 ओवरों में 149 रन बनाए। इस प्रकार भारतीय टीम को जीत के लिए 150 रनों का लक्ष्य मिला जिसका पीछा करते हुए भारतीय टीम 9 विकेट पर 145 रन ही बना पाई। भारतीय टीम की ओर से युवा तिलक वर्मा ने सबसे ज्यादा 39 रन बनाए। इसके अलावा अर्शदीप सिंह ने भी कुछ अच्छे शॉट लगाये पर वह टीम को जीत नहीं दिला पाये। इस जीत के साथ ही मेजबान टीम पांच मैचों की इस सीरीज में 1-0 से आगे हो गयी है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए मेजबान टीम को सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग 28 ने तेज शुरूआत दी पर स्पिनर जुवेन्द्र चहल ने किंग ओर दूसरे सलामी बल्लेबाज काइल मायर्स 01 को पेवेलियन भेज दिया। इसके बाद चहल के साथी कुलदीप यादव ने जॉनसन चार्ल्स को भी तीन रनों पर ही आउट कर दिया। इसके बाद निकोल्स पूरन ने पारी संभाली। पूरन ने 34 गेंदों पर दो चौके और दो छक्के लगाक 41 रन बनाए। पूरन को कप्तान हार्दिक पांड्या ने आउट किया। पॉवेल ने सबसे ज्यादा 48 रना बनाये। अपनी पारी में इस बल्लेबाज ने 32 गेंदों पर 3 चौके और 3 छक्के लगाकर 48 रन बटोरे। वहीं शिमरोन हेटमायर ने 10 रनों का योगदान दिया। अंत में होल्डर ने स्कोर को 149 तक पहुंचाया। भारत की ओर से अर्शदीप और चहल ने 2-2 विकेट लिए जबकि पांड्या और कुलदीप को 1-1 विकेट मिला। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत कमजोर रही। सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल 03 और ईशान किशन 05 शुरुआत में ही आउट हो गये। तब सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा ने तेजी से खेलते हुए अच्छी साझेदारी बनायी। सूर्यकुमार यादव 21 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। तिलक ने 22 गेंदों पर दो छक्के लगाकर 39 रन बनाए। वहीं कप्तान हार्दिक पांड्या 19 गेंदों पर 19 रन बनाकर आऊट हो गए। बल्लेबाज संजू सैमसन से इस मैच में बड़ी पारी की उम्मीद थी पर उन्होंने निराश किया। वह 12 गेंदों पर 12 रन बनाकर बदकिस्मती ने रन आउट हो गये। सैमसन ने आउट होने के बाद विकेट लगातार गिरने लगे। बाकि के बचे हुए बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये।

तमीन ने बांग्लादेश एकदिवसीय टीम की कप्तानी छोड़ी

ढ़ाका । बांग्लादेश के बल्लेबाज तमीम इकबाल ने हाल में संन्यास की घोषणा से पलटते हुए वापसी की थी। तमीम ने अफगानिस्तान के खिलाफ हार के बाद अचानक ही खेल को अलविदा कह दिया था। वहीं अब इस बल्लेबाज ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक के बाद कहा कि वह एकदिवसीय टीम की कप्तानी नहीं करेंगे। तमीम ने कहा, मैंने हमेशा पहले टीम के बारे में सोचा है। टीम की भलाई के लिए ही मेरा मानना है कि मुझे कप्तानी छोड़ देनी चाहिए और एक खिलाड़ी के रूप में ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इसके साथ ही जब भी अवसर मिले अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने अपने फैसले के बारे में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को भी जानकारी दे दी थी और उन्होंने इसे मान भी लिया है। तमीम ने जुलाई में घरेलू सीरीज के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था पर एक दिन बाद ही प्रधानमंत्री के अनुरोध पर उन्होंने अपना फैसला वापस ले लिया था। अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के पहले मैच में अपनी टीम की बार के बाद तमीम भावुक हो गये थे। वहीं बीसीबी अध्यक्ष नजमुल हसन ने तमीम के फिट नहीं होने के बाद भी खेलने के लिए आलोचना की थी। वहीं हसीना ने अगले दिन तमीम और नजमुल को अपने आवास पर आमंत्रित किया, जिसके बाद इस क्रिकेटर को संन्यास से वापसी करनी पड़ी।

पीएम मोदी के नेतृत्व में 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के मंत्र को साकार करने की दिशा में गतिपूर्वक आगे बढ़ रहे है: मुख्यमंत्री

अहमदाबाद। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार को इंस्टीट्यूट ऑफ़ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ़ इंडिया, उद्गम स्कूल फ़ॉर चिल्ड्रन तथा एईसीसी के संयुक्त उपक्रम से आयोजित युवा संसद (यूथ पार्लियामेंट) के पाँचवें संस्करण का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि हमारे लोकप्रिय प्रधानमंत्री आज दुनियाभर के युवाओं के लिए यूथ आइकॉन बने हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री से शुरू कर आज देश के प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी ने दुनियाभर में भारत का गौरव बढ़ाया है तथा विश्व के समक्ष भारतीयों की नई पहचान प्रस्तुत की है। पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में आज हम सब साथ मिल कर नए भारत के निर्माण और 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के मंत्र को साकार करने की दिशा में गतिपूर्वक आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री के सेवा व सुशासन के कार्यकाल की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में हमने राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान सफलतापूर्वक पूरा किया है। आज स्वच्छता के प्रति लोगों में अनेक गुना जागरूकता आई है और लोग स्वयं ही स्वच्छता के आग्रही बने हैं। भूपेंद्र पटेल ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री के हस्तक्षेप से दो देशों के बीच युद्ध रुकवा कर भी हम हमारे विद्यार्थियों को विदेश से सुरक्षित स्वदेश ला सके हैं। प्रधानमंत्री के कार्यक्षम नेतृत्व के कारण आज आम जनता में राजनेताओं की छवि बदली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज 5जी के युग में डिजिटल क्षेत्र में भी हम बहुत तेज़ी से आगे बढ़ रहे हैं। आज छोटे दुकानदार सहित प्रत्येक उद्योग-व्यवसाय क्षेत्र ने यूपीआई तथा डिजिटल पेमेंट को सहजता से स्वीकार्य कर लिया है। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शितापूर्ण नेतृत्व में आज सेमीकंडक्टर चिप सेक्टर भी देश में नये आयाम हासिल करने की ओर आगे बढ़ रहा है। यह हमारा सौभाग्य है कि इसका सर्वप्रथम उत्पादन भी गुजरात में होने वाला है। युवा संसद कार्यक्रम के विषय में उन्होंने कहा कि आज जब हम आज़ादी का अमृत महोत्सव मना कर अमृतकाल में प्रवेश कर रहे हैं, तब आने वाले समय में देश का विकास तथा देश का गौरव युवाओं के हाथ में है। उन्होंने कहा कि युवा संसद जैसे कार्यक्रमों से देश एवं राज्य के युवा लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अधिक से अधिक सहभागी होंगे और लोकतंत्र व उसके मूल्यों के जतन के प्रति जागृत बनेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि तीन दिन चलने वाली यूथ पार्लियामेंट में भाग लेने वाले विद्यार्थी अनेक विषयों पर रुचिपूर्ण चर्चा करेंगे तथा मार्गदर्शन प्राप्त करेंगे, जो बहुत ही प्रभावशाली बात है। उन्होंने आयोजकों से इस युवा संसद के परिणामों तथा प्रश्नों को सरकार तक पहुँचाने की अपील की तथा कहा कि आवश्यक मुद्दों पर सरकार की ओर से सहयोग प्रदान किया जाएगा।

पुडुचेरी की पूर्व उप राज्यपाल डॉ. किरण बेदी ने उपस्थित विद्यार्थियों व अभिभावकों के साथ संवाद कर उनके कई प्रश्नों के उत्तर दिए तथा कई सामाजिक, शैक्षणिक एवं पारिवारिक मुद्दों पर मार्गदर्शन प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि इस तीन दिवसीय युवा संसद का उपक्रम भारतीय संसद एवं लोकतांत्रिक संस्थानों का शैक्षणिक अनुकरण है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों, वर्तमान परिप्रेक्ष्यों, राष्ट्रीय मुद्दों और उनकी समझ के बारे में शिक्षित करना है। इसके अलावा, युवा संसद जैसे कार्यक्रम युवाओं में नेतृत्व भावना को प्रज्ज्वलित कर राजनीतिक एवं लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में उनकी संवेदनशीलता, जागरूकता तथा समावेशिता बढ़ाने में सहायक बनती है।

रात में 100 फूट गहरी खाई में गिरी विवाहिता और उसके प्रेमी को सुबह रेस्क्यू किया गया

पंचमहल। देर रात पावागढ़ की खाई में गिरे प्रेमी जाड़े का आज सुबह प्रशासन ने रेस्क्यू कर अस्पताल भेज दिया।100 फूट गहरी खाई में गिरी महिला विवाहिता है, जबकि उसका प्रेमी अविवाहित है और दोनों गांधीनगर जिले के कलोल तहसील के रहनेवाले हैं।जानकारी के मुताबिक यात्राधाम पावागढ़ में दर्शन करने आए प्रेमी जोड़े को पहाड़ पर चढ़ना महंगा पड़ गया।पावागढ़ मंदिर में दर्शन के बाद तलहटी क्षेत्र स्थित हेलिकल वाव के पीछे पहाड़ पर चढ़कर प्राकृतिक सौंदर्य का मजा ले रहे थे।उस वक्त अचानक पैर फिसलने से दोनों 100 फूट गहरी खाई में जा गिरे।इतनी ऊंचाई से गिरने की वजह से दोनों को कमर और पैर में गंभीर चोट आई।दर्द के मारे हालत ऐसी थी कि दोनों हिल भी नहीं सकते थे।इतना ही नहीं युवक का मोबाइल भी रात्रि के अंधकार में कहीं गिर गया था, जिसकी वजह से किसी से मदद मांगना भी संभव नहीं था।पूरी रात डर और दर्द के बीच प्रेमी जोड़े ने खाई में गुजारी।सुबह होते ही युवक को उसका मोबाइल मिल गया।युवक ने तुरंत एम्ब्युलैंस 108 को घटना की जानकारी दी।हांलाकि 2 घंटे की मशक्कत के बाद भी एम्ब्युलैंस 108 टीम को जब लोकेशन ट्रेस नहीं कर पाई तो उसने पुलिस को घटना की जानकारी दे दी।जिसके बाद पावागढ़ पुलिस और वन विभाग की टीम ने प्रेमी जोड़े की तलाश शुरू की। सुबह 7 बजे से शुरू किए गए सर्च ऑपरेशन के 5 घंटों के बाद दोनों पता चला और विषम परिस्थितियों के बीच खाई में गिरे प्रेमी जोड़े का रेस्क्यू किया गया। हालोल फायर फाइटर की टीम और पुलिस जवानों ने अपनी जान की बाजी लगाकर युवक और महिला को स्ट्रेचर से बांधकर खाई से बाहर निकाला।खाई में गिरे युवक का नाम किशन ठाकोर है और विवाहित महिला का पार्वती अजमेर मकवाणा नाम है। दोनों गांधीनगर जिले के कलोल के निवासी हैं।अविवाहित युवक ने कबूल किया कि वह विवाहिता से प्यार करता है और दोनों मन्नत पूरी करने के लिए पावागढ़ आए थे।फिलहाल दोनों का हालोल के रेफरल अस्पताल में उपचार चल रहा है।

पत्रकार करेंगे तापी जिला में भव्य सम्मेलन और कर्म योगीयों का सम्मान

सूरत भूमि, गौरीशंकर मिश्रा संवाददाता तापी। तापी जिला के पत्रकारों द्वारा आने वाले 6 अगस्त 2023 के दिन 5 जिला के पत्रकारों का अधिवेशन और कर्म योगी पुरस्कार का आयोजन किया गया है। जिसमें तापी जिला के कर्म योगी पुरस्कार से विविध क्षेत्र के अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने वाले कर्म योगी को सम्मानित करने का भव्य आयोजन किया जाएगा।

रात में 100 फूट गहरी खाई में गिरी विवाहिता और उसके प्रेमी को सुबह रेस्क्यू किया गया

पंचमहल । देर रात पावागढ़ की खाई में गिरे प्रेमी जाड़े का आज सुबह प्रशासन ने रेस्क्यू कर अस्पताल भेज दिया।100 फूट गहरी खाई में गिरी महिला विवाहिता है, जबकि उसका प्रेमी अविवाहित है और दोनों गांधीनगर जिले के कलोल तहसील के रहनेवाले हैं।जानकारी के मुताबिक यात्राधाम पावागढ़ में दर्शन करने आए प्रेमी जोड़े को पहाड़ पर चढ़ना महंगा पड़ गया।पावागढ़ मंदिर में दर्शन के बाद तलहटी क्षेत्र स्थित हेलिकल वाव के पीछे पहाड़ पर चढ़कर प्राकृतिक सौंदर्य का मजा ले रहे थे।उस वक्त अचानक पैर फिसलने से दोनों 100 फूट गहरी खाई में जा गिरे।इतनी ऊंचाई से गिरने की वजह से दोनों को कमर और पैर में गंभीर चोट आई।दर्द के मारे हालत ऐसी थी कि दोनों हिल भी नहीं सकते थे।इतना ही नहीं युवक का मोबाइल भी रात्रि के अंधकार में कहीं गिर गया था, जिसकी वजह से किसी से मदद मांगना भी संभव नहीं था।पूरी रात डर और दर्द के बीच प्रेमी जोड़े ने खाई में गुजारी।सुबह होते ही युवक को उसका मोबाइल मिल गया।युवक ने तुरंत एम्ब्युलैंस 108 को घटना की जानकारी दी।हांलाकि 2 घंटे की मशक्कत के बाद भी एम्ब्युलैंस 108 टीम को जब लोकेशन ट्रेस नहीं कर पाई तो उसने पुलिस को घटना की जानकारी दे दी।जिसके बाद पावागढ़ पुलिस और वन विभाग की टीम ने प्रेमी जोड़े की तलाश शुरू की।सुबह 7 बजे से शुरू किए गए सर्च ऑपरेशन के 5 घंटों के बाद दोनों पता चला और विषम परिस्थितियों के बीच खाई में गिरे प्रेमी जोड़े का रेस्क्यू किया गया।

गुजरात के वित्तीय प्रबंधन, शिक्षा क्षेत्र और बुनियादी ढांचा विकास की उपलब्धियों से प्रभावित हुए ब्रिटिश उच्चायुक्त

गांधीनगर। भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त एलेक्स एलिस ने शुक्रवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री के साथ इस शिष्टाचार मुलाकात बैठक के दौरान ब्रिटिश उच्चायुक्त ने वित्तीय प्रबंधन, उच्च शिक्षा तथा बुनियादी ढांचा विकास जैसे क्षेत्रों में गुजरात द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों के बारे में जानने में उत्सुकता दिखाई।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस संदर्भ में कहा कि गुजरात ने इस वर्ष बजट के आकार में 23 फीसदी की वृद्धि की है और अब तक का सबसे बड़ा बजट दिया है। इतना ही नहीं, तेज विकास दर को हासिल करने के लिए पूंजीगत व्ययों में 92 फीसदी की वृद्धि की गई है। भूपेंद्र पटेल ने यह भी कहा कि गुजरात में सुदृढ़ बुनियादी ढांचा सुविधाएं उपलब्ध होने के कारण देश और दुनिया के व्यापारियों और उद्योगपतियों के लिए गुजरात निवेश का श्रेष्ठ गंतव्य बन गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में स्मार्ट स्कूल की अवधारणा से स्कूली शिक्षा में, विशेषकर आदिवासी क्षेत्रों में नए आयाम जुड़े हैं। मुख्यमंत्री ने बच्चों की हाजिरी के ऑनलाइन मूल्यांकन के लिए विद्या समीक्षा केंद्र, उच्च शिक्षा के लिए विदेशी यूनिवर्सिटियों के साथ सहयोग को लेकर भी बातचीत की। उन्होंने यह भी कहा कि ब्रिटेन की एडिनबर्ग यूनिवर्सिटी गुजरात में बायोटेक्नोलॉजी की उच्च शिक्षा के क्षेत्र में साझेदार बनी है।

ब्रिटिश उच्चायुक्त एलेक्स एलिस ने शिक्षा क्षेत्र के साथ जुड़ी अपनी पारिवारिक पृष्ठभूमि का विशेष रूप से उल्लेख किया। साथ ही, इस क्षेत्र में गुजरात की इन सभी पहलों से वे काफ़ी प्रभावित भी हुए। मुख्यमंत्री ने उन्हें यह जानकारी भी दी कि गुजरात ग्रीन ग्रोथ, रिन्यूएबल एनर्जी और हाइब्रिड एनर्जी जैसे क्षेत्रों में अगुवाई कर रहा है।

भूपेंद्र पटेल ने उन्हें इस बात से भी अवगत कराया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात में अपने मुख्यमंत्रित्व काल के दौरान क्लाइमेट चेन्ज का एक अलग विभाग कार्यरत करने की पहल की, साथ ही चारणका में विशाल सोलर पार्क स्थापित कर सौर ऊर्जा के अधिकतम उपयोग की प्रेरणा दी है। उन्होंने कहा कि 2030 तक हरित ऊर्जा के अधिक उपयोग तथा हरित एवं स्वच्छ पर्यावरण के प्रधानमंत्री के लक्ष्य में भी गुजरात अपना उल्लेखनीय योगदान देने को तत्पर है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने आगामी ओलंपिक खेलों के गुजरात में आयोजन की संभावनाओं के संदर्भ में इस बात को

लेकर भी परामर्श किया कि ओलंपिक नगर और स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर के विषय में ब्रिटेन की विशेषज्ञता और इन खेलों के आयोजन के उसके व्यापक अनुभव का लाभ गुजरात को कैसे मिल सकता है।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के साथ इस शिष्टाचार मुलाकात बैठक के दौरान ब्रिटिश उच्चायुक्त ने गुजरात की संस्कृति, परम्परा और जल प्रबंधन जैसे क्षेत्रों एवं गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (GIFT सिटी) के बारे में जानने में गहरी रुचि दिखाई। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने जनवरी-2024 में आयोजित होने जा रही वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के 10वें संस्करण में यूके के शिष्टमंडल को शामिल होने का आमंत्रण दिया। ब्रिटिश उच्चायुक्त ने भी मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को यूके का दौरा करने के लिए भावपूर्ण निमंत्रण दिया।

एस्सिलोर ने भारत में विराट कोहली को बनाया अपना ब्राण्ड अम्बेसडर

दुनिया भर में प्रेस्क्रिप्शन लैंसेज़ में लीडर एस्सिलोर ने भारत के दिग्गज क्रिकेटर और विश्वस्तरीय स्पोर्ट्स आइकन विराट कोहली को अपना ब्राण्ड अम्बेसडर बनाया है।

यह साझेदारी अपने आप में एक शक्तिशाली साझेदारी है क्योंकि दोनों पार्टनर्स को अपनी विशेष धरोहर के लिए दुनिया भर में जाना जाता है- एस्सिलोर पिछले 170 सालों के अनुभव तथा आधुनिक समाधानों एवं लैबोरेटरीज़ के साथ ऑप्थेल्मिक इंडस्ट्री में वर्ल्ड लीडर बना हुआ है। इसी तरह विराट कोहली की गिनती दुनिया के सवश्रेष्ठ बल्लेबाजों में होती है, उन्हें अपने रिकॉर्ड तोड़ परफोर्मेन्स के लिए जाना जाता है, वे दुनिया भर में लाखों लोगों के लिए रोल मॉडल हैं। एस्सिलोर पिछले 170 सालों से आधुनिक तकनीकों एवं अत्याधुनिक मैनुफैक्चरिंग युनिट्स के साथ दुनिया भर में हर उम्र के उपभोक्ताओं की ज़रूरतों को पूरा कर रहा है। वही लिविंग लीजेन्ड विराट कोहली 2008 से ही अपने शानदार परफोर्मेन्स के चलते क्रिकेट की दुनिया में शीर्ष पायदान पर रहे हैं, जब उनके नेतृत्व में भारत की अंडर 19 टीम ने विश्व कप में जीत हासिल की थी।

इस अवसर पर एस्सिलोर विराट कोहली केसाथ एकमल्टी-मीडिया कैंपेन की शुरूआत भी करने जा रहा है, जो एस्सिलोर के ब्राण्ड्स को हाईलाईट करेगा। इस कैंपेन के माध्यम से आधुनिक ब्राण्ड्स- स्टेलेस्ट, आईज़ेनेंड और वेरीलक्स लैंसेज़ के सशक्त पोर्टफोलियोको दर्शाया जाएगा जो हर उम्र के लोगों की विज़न करेक्शन संबंधी ज़रूरतों को पूरा करते हैं, इसी तरह क्रिज़ाल जिन्हें लैंस को प्रोटेक्ट करने वाली इनविज़िबल शील्ड केलिए जाना जाता है। एस्सिलोर का यह पोर्टफोलियो साफ विज़न में आने वाली सभी समस्याओं को दूर करता है ताकि हर व्यक्तिअपनी पूर्ण क्षमता के साथ सब कुछ साफ-साफ देख सके।

नरसिम्हन नारायणन, कन्ट्री हैड, एस्सिलोर लक्ज़ोटिका साउथ एशिया ने कहा, ''विराट कोहली की अपील और उत्कृष्टता तथा इनोवेशन एवं गुणवत्ता के लिए एस्सिलोर की प्रतिबद्धता- दोनों एक दूसरे से मेल खाते हैं। दुनिया भर में उनकी लोकप्रियता एस्सिलोर की आधुनिक टेक्नोलॉजी एवं उत्कृष्ट प्रोडक्ट्स पर ज़ोर देते हुए सभी उम्र के लोगों को साफ एवं स्वस्थ विज़न के महत्व के बारे में जागरूक बनाएगी। विराट कोहली के साथ यह साझेदारी एक नए एवं रोचक अध्याय की शुरूआत है। हम ब्राण्ड के दृष्टिकोण के अनुरूप लोगों को आत्मविश्वास के साथ इस दुनिया को साफ-साफ देखने में सक्षम बनाना चाहते हैं।''

एक और लव जिहाद का मामला, नाम बदलकर नाबालिग को फंसाया और दुष्कर्म किया

अहमदाबाद। गुजरात में लव जिहाद के खिलाफ सख्त कानून बनाए जाने के बावजूद ऐसा लगता है जैसे विधर्मियों में कानून का कोई खौफ नहीं है।अहमदाबाद के इसनपुर क्षेत्र में लव जिहाद की घटना सामने आई है, जिसमें विधर्मी ने अपना नाम बदलकर एक नाबालिग लड़की को अपने प्रेमजाल में फंसाया और उसके बाद उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़ित को जब सच्चाई पता चली तो पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू की है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के इसनपुर क्षेत्र में रहनेवाली 16 वर्षीय लड़की को इलियास नामक युवक ने अपना नाम यश बताकर अपने प्रेमजाल में फंसा लिया था।जिसके बाद इलियास ने नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म किया।पीड़िता को जब यश का नाम इलियास होने का पता चला तो उसके पैरों तले जमीन खिसक गई।पीड़िता ने अपने माता को हकीकत से वाकिफ किया। हकीकत जानने के बाद लड़की की माता ने तुरंत इसनपुर पुलिस थाने में इलियास के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी के डिवीजन पुलिस थाने के एसीपी मिलाप पटेल ने बताया कि इसनपुर पुलिस थाने में 16 वर्षीय पीड़िति लड़की की माता ने एफआईआर दर्ज करवा ही। जिसमें पीड़िता की माता ने बताया कि उसकी बेटी को कपड़े की दुकान पर नौकरी पर रखने के बाद अपनी गलत पहचान दी। आरोपी ने इलियास के बजाए अपना नाम यश बताया और उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। शिकायतकर्ता के आधार पर पुलिस ने इलियास के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और उसे गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू की है।

पारूल युनिवर्सिटी का यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त ऑनलाईन एमबीए प्रोग्राम

भारत की प्रतिष्ठित यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी- पारूल युनिवर्सिटी ने अपने ऑनलाईन एमबीए प्रोग्राम में प्रवेश की अंतिम दिनांक- 31 अगस्त 2023 की घोषणा कर दी है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाईट (रजिस्ट्रेशन लिंक) के माध्यम से प्रोग्राम के लिए आवेदन कर सकते हैं।

इस अवसर पर डॉ कुंजल सिन्हा, डायरेक्टर, सेंटर फॉर कन्टीन्युइंग एजुकेशन एण्ड ऑनलाईन लर्निंग, पारूल युनिवर्सिटी ने कहा, ''हमें खुशी है कि हम पारूल युनिवर्सिटी के यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त ऑनलाईन एमबीए प्रोग्राम के साथ छात्रों को अकादमिक विकास एवं उत्कृष्टता की नई यात्रा शुरू करने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। पारूल में हम छात्रों का विश्वस्तरीय एवं उद्योग जगत के अनुकूल कौशल प्रदान कर उन्हें आने वाले कल के लीडर्स के रूप में तैयार करते हैं। हमारा ऑनलाईन एमबीए प्रोग्राम उन्हें लर्निंग का प्रत्यास्थ एवं बेजोड़ अनुभव प्रदान करता है, ताकि वे अपने सभी अन्य कामों के साथ तालमेल

बनाए रखते हुए अपनी पढ़ाई पूरी कर सकें। NAAC A++ तथा AI-CTE एवं GC की मान्यता के साथ हम सर्वोच्च गुणवत्ता की मैनेजमेन्ट शिक्षा की गारंटी देते हैं। पारूल में मिली डिग्री उनके लिए अकादमिक रूप से बहुत अधिक महत्वपूर्ण होती है। तो आज ही हमारे साथ जुड़ें और बिज़नेस की दुनिया में सफल भविष्य का रास्ता चुन कर इस पर आगे बढ़ने के लिए तैयार हो जाएं।'

पारूल युनिवर्सिटी का ऑनलाईन एमबीए प्रोग्राम इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि यह छात्रों को बिज़नेस मैनेजमेन्ट और लीडरशिप के बारे में व्यापक समझ प्रदान करता है। ग्लोबल एक्सपोज़र के साथ उद्योग जगत के अनुकूल प्रशिक्षण प्रदान कर यह प्रोग्राम छात्रों को कॉर्पोरेट परिवेश में ज़रूरी कौशल के साथ सक्षम बनाता है। प्रोग्राम को इतना प्रत्यास्थ बनाया गया है कि छात्र अपने व्यक्तिगत एवं प्रोफेशनल कामों को पूरा करते हुए पढ़ाई कर सकते हैं और साथ ही 2500 से अधिक टॉप रिक्रुटिंग कंपनियों में 100 फीसदी प्लेसमेन्ट के अवसर पा सकते हैं।

लिंडे ने फिर से अपना कॅरियर शुरू करने वाली महिला पेशेवरों के लिये एनकोर ट्रेनिंग प्रोग्राम लॉन्च किया

सूरत । दुनिया की प्रमुख औद्योगिक गैस कंपनी लिंडे ने हाल ही में एनकोर प्रोग्राम को लॉन्चे किया। यह प्रोग्राम विशेष रूप से ऐसी महिला पेशेवरों के लिये तैयार किया गया है, जो एक सबैटिकल (प्रोत्सोहन अवकाश) के बाद अपना कॅरियर दोबारा शुरू करना चाहती हैं।

एनकोर प्रोग्राम उन महिला पेशेवरों की प्रतिभा और क्षमता को सामने लाना चाहता है जिन्होंलने अभी कॅरियर से ब्रेक लिया हुआ है और वे खुद को दोबारा प्रशिक्षित करने के साथ ही अपने कौशल को फिर से निखारना चाहती हैं। एनकोर ट्रेनिंग प्रोग्राम वर्कफोर्स में लैंगिक समानता एवं समावेशन को बढ़ावा देने के लिये कंपनी की प्रतिबद्धता दर्शाता है।

यह प्रोग्राम विभिन्ना कार्यक्षेत्रों जैसे कि परिचालन, वितरण, बिक्री और वित्ते में सीखने का एक शानदार अनुभव देता है, ताकि इसमें भाग लेने वालों को अनुभवी पेशेवरों के साथ काम करने की योग्यिता मिल सके। प्रशिक्षण की अवधि में भाग लेने वालों को संरक्षण, मार्गदर्शन और अपनी प्रगति का नियमित मूल्यांतकन मिलेगा। इस प्रोग्राम में भागीदारों को प्रैक्टिकल ट्रेनिंग और खुद अपने हाथ से काम करने का मौका दिया जाता है। इससे ट्रेनिंग लेने वाले लोगों में आत्मविश्वास आता है और वह वास्तविक प्रोजेक्ट्स और असाइनमेंट्स से अपने कौशल को निखार सकते हैं।

जिन महिलाओं ने कॅरियर से ब्रेक लिया है, उनके लिये काम पर लौटना अक्सिर चुनौतीपूर्ण होता है। एनकोर ट्रेनिंग प्रोग्राम इन महिला पेशेवरों की क्षमता और कौशल को सामने लाना चाहता है, जोकि अलग-अलग कारणों की वजह से अस्था यी तौर पर वर्कफोर्स से दूर हुई हैं।

इस प्रोग्राम की योग्य ता के लिये आवेदकों को सबैटिकल से पहले काम का कम से कम 3 साल का अनुभव होना चाहिये।

लिंडे- इंडिया की एचआर हेड नीता चक्रवर्ती ने कहा, "हम भारत में लिंडे में एनकोर ट्रेनिंग प्रोग्राम को लॉन्चर करने के लिए उत्साहित हैं। एनकोर एक महत्व पूर्ण पहल है, क्योंणकि हम लैंगिक संतुलन बनाना चाहते हैं और ऐसी प्रणालियों को लागू करना चाहते हैं, जिसमें सभी को शामिल किया जा सके। इससे एक प्रगतिशील संस्कृोति को बढ़ावा मिलेगा। हमने महिला पेशेवरों की मदद करने के लिये एक इकोसिस्ट म स्थापित किया है। हम अभ्य र्थियों के प्रशिक्षण और अपस्किलिंग का इंतजार कर रहे हैं। नियुक्ति में विविधता वाली हमारी पद्धतियाँ वैश्विक सर्वश्रेष्ठ पद्धतियों के अनुसार हैं, क्योंकि हम लगातार ज्यांदा लैंगिक विविधता वाली और समावेशी कंपनी बनने के लिये विकसित हो रहे हैं।"

एनकोर ट्रेनिंग प्रोग्राम विभिन्नर आयु समूहों की महिलाओं के लिये खुला है, जिनके पास पोस्टंग्रेजुएट डिग्री, डिप्लोटमा या अंडरग्रेजुएट डिग्री हैं और जिन्हौंने कॅरियर से ब्रेक लिया है। यह प्रोग्राम प्रतिभागियों के कौशल को निखारने और उनके ज्ञान को अपडेट करने में सहायता के लक्ष्यर के साथ, 12-18 महीने के लिये व्यामपक ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग की पेशकश करता है।

राष्ट्रीय TMT-SPSIL को स्टील TMT बार के लिए गुजरात की पहली ग्रीन प्रो सर्टिफाइड कंपनी के रूप में सम्मानित किया गया

गांधीधाम । गुणवत्ता और नवाचार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए जानी जाने वाली श्रीयम पावर एंड स्टील इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एसपीएसआईएल) ने अपने राष्ट्रीय स्टील टीएमटी बार के लिए गुजरात की पहली ग्रीन प्रो सर्टिफाइड कंपनी के रूप में मान्यता प्राप्त करके एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

सीआईआई ग्रीन प्रोडक्ट्स एंड सर्विसेज काउंसिल द्वारा जारी प्रतिष्ठित प्रमाण पत्र अपने उत्पाद की पेशकश में उच्चतम पर्यावरण मानकों को पूरा करने के लिए एसपीएसआईएल (राष्ट्रीय टीएमटी) के समर्पण की पुष्टि करता है। इस प्रमाण पत्र का अर्थ है कि एसपीएसआईएल के उत्पादों की सभी प्रकार की प्रचार गतिविधियों में ग्रीन प्रोडक्ट सर्टिफिकेशन लोगो का उपयोग करने का हकदार है।

हम अपने स्टील टीएमटी बार के लिए प्रतिष्ठित ग्रीन प्रो सर्टिफिकेट प्राप्त करने के लिए बहुत गर्व महसूस कर रहे हैं। प्रमाण पत्र पुष्टि करता है कि हमारा स्टील टीएमटी बार उच्चतम पर्यावरण मानकों को पूरा करता है। श्रीयम पावर एंड स्टील इंडस्ट्रीज लिमिटेड (नेशनल टीएमटी) के प्रबंध निदेशक देवेश खंडेलवाल ने कहा, "यह मान्यता गुणवत्ता, नवाचार और पर्यावरण के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है और हमें अपने ग्राहकों और

पर्यावरण की बेहतर तरीके से सेवा करने के लिए सशक्त बनाती है।

जबकि नेशनल टीएमटी के सीएमओ डॉ. शैलेश जोशी ने कहा कि यह प्रमाण पत्र ऐसे समय में आया है जब एसपीएसआईएल (नेशनल टीएमटी) अपनी इस्पात पिघलाने की क्षमता को 3 लाख टन प्रति वर्ष से बढ़ाकर 6 लाख टन प्रति वर्ष करने की प्रक्रिया में है। इस समय, यह प्रमाण पत्र गुजरात के डीलरों, वितरकों, डेवलपर्स और बिल्डरों के लिए राष्ट्रीय टीएमटी का एक उत्कृष्ट उत्पाद होगा।

ग्रीन प्रो प्रमाणन उत्पाद निर्माताओं के लिए कई लाभ लाता है, जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ग्रीन बिल्डिंग रेटिंग सिस्टम में प्रमाणित उत्पादों को शामिल करने का समर्थन करते हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)